THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 249 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.1 2080 मंगलवार, 28 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

58 साल बनाम 9 साल

और आँकड़ों की तुलना भी नहीं की जा सकती.

यह हम सब ने मिलकर किया.

अन्य सभी के 11 कार्यकाल के परिणाम 2014 में		बीआरएस के 2 कार्यकाल के परिणाम 2023 में
6 घंटे	कृषि के लिए बिजली आपूर्ति	24 घंटे
131 लाख एकड़	खेती योग्य भूमि	268 लाख एकड़
68 लाख टन	चावल उत्पादन	3.5 करोड़ टन
150 लाख एमटी	फ़सल उत्पादन	362 लाख एमटी
रु. 1,24,104	प्रति व्यक्ति आय	रु. 3,17, 115
रु. 57,258 करोड़	आईटी निर्यात	रु. 2,41,275 करोड़
3,23,396	आईटी नौकरियाँ	10,00,000
7,778 एम डब्ल्यू	बिजली उत्पादन	18,567 एम डब्ल्यू
41	जलाशयों की संख्या	157
6,762 कि.मी.	सड़क की लंबाई (2 और 4 लेन)	13,214 कि.मी.
5	मेडिकल कॉलेजों की संख्या	34
293	सरकार आवासीय विद्यालयों की संख्या	1022
18,400	अस्पताल के बिस्तरों की संख्या	68,000
92	मातृ मृत्यु दर	43
39	शिशु मृत्यु दर	21
13.18%	गरीबी के नीचे जीवन यापन करने वाली जनसंख्या	5.8%
967	फ्लोरोसिस से प्रभावित बस्तियों की संख्या	शून्य

आइए अच्छे से और बेहतर की ओर चलें.

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

केसीआर भरोसा

रैतु बंधु
₹16,000 तक बढ़ाया जाएगा
प्रति एकड़ प्रति वर्ष

गैस सिलिन्डर
₹400 वंचितों के लिए

आसरा पेंशन
₹5,016 बढ़ाया जाना है
प्रति माह

सौभाग्य लक्ष्मी
₹3,000 गरीब महिलाओं के लिए
प्रति माह

अन्नपूर्णा योजना
सन्ना सफेद राशन
बियम कार्ड धारकों के लिए

केसीआर आरोग्य रक्षा
स्वास्थ्य बीमा ₹15 लाख तक बढ़ाया जाएगा

शरद पवार भीगते हुए भाषण देते रहे

कहा-बारिश खलल डाल रही, लेकिन हम हार नहीं मानते, संघर्ष करते रहेंगे

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के फाउंडर शरद पवार ने नवी मुंबई में बारिश के बीच भाषण दिया। उन्होंने कहा- बारिश ने हमारे कार्यक्रम में बाधा डाली है, लेकिन हम इतनी आसानी से हार मानने या पीछे हटने वालों में से नहीं हैं। हम संघर्ष करते रहेंगे। झमाझम बारिश में शरद पवार के भाषण देने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। एनसीपी समर्थक इस घटना को चार साल पहले शरद पवार के एक भाषण से जोड़कर देख रहे हैं।

तेज बारिश में पवार ने दिया था भाषण

तब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से तीन दिन पहले 18 अक्टूबर, 2019 को पवार लोकसभा उपचुनाव के लिए एनसीपी उम्मीदवार के प्रचार के लिए सतारा गए थे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ सतारा में लोकसभा उपचुनाव हुआ था। पवार के संबोधन से पहले अचानक तेज बारिश होने लगी। पवार को छाता दिया गया, लेकिन उन्होंने छाता लेने से मना करते हुए कहा कि इंद्र देवता ने एनसीपी को आशीर्वाद दिया है। इस कार्यक्रम के वीडियो और फोटो भी काफी वायरल हुए थे।

2019 में एनसीपी महाराष्ट्र की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी

2019 के विधानसभा चुनाव में एनसीपी 53 सीटें जीतकर तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। 2014 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 41 सीटों पर ही जीत दर्ज की थी। माना जाता है कि एनसीपी की जीत में पवार के भाषण ने अहम भूमिका निभाई। 2019 में महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 106, शिवसेना ने 56, कांग्रेस ने 44 और अन्य ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले एनसीपी के कई नेता भाजपा में शामिल हो गए थे।

बहुमत के बावजूद भाजपा नहीं पाई थी सरकार

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 2019 में चुनाव हुए थे। भाजपा 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और भाजपा गठबंधन में बात नहीं बन पाई। इसके बाद शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी ने मिलकर महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाई।

जून 2022 में शिवसेना के एकनाथ शिंदे और पार्टी के 39 अन्य विधायकों ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी। एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार बना ली। इससे महाविकास अघाड़ी गठबंधन सरकार गिर गई थी। वहीं शिवसेना भी दो हिस्सों में बंट गई थी। नई सरकार में शिंदे को मुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इस साल जुलाई में शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) तोड़कर 9 विधायकों के साथ भाजपा-शिंदे की सरकार में शामिल हो गए। पवार ने 2 जुलाई 2023 को दूसरे डिप्टी सीएम के तौर पर शपथ ली थी। अजित पवार और शरद पवार के बीच एनसपीसी के नाम और सिंबल को लेकर लड़ाई चल रही है।

'मथुरा-आयोध्या किसी की जायदाद नहीं'

आदित्य ठाकरे के ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर दौरे पर बोले संजय राउत

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे मथुरा का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने अपने दौरे को लेकर बताया कि वह मथुरा में ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर का उद्घाटन भी करेंगे। मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, 'आज मैं मथुरा पूजा करने जाऊंगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि एक मंदिर का पुनर्विकास किया गया था, जिसका उद्घाटन किया जाएगा।'

आदित्य ठाकरे के मथुरा दौर पर मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा, 'मथुरा, आयोध्या और द्वारका किसी की संपत्ति नहीं है। हम हिंदुत्व पार्टी हैं। हमारे पार्टी के कई कार्यकर्ता मथुरा जा चुके हैं।'

खबरे जरा हटके

1 पति की 38 बीवियां, पैदा किये 89 बच्चे विधवा होने के बाद अब ऐसे रहती हैं सौतनें

आज के समय में इंसान से एक पत्नी संभल जाए वही बड़ी बात होती है. ,महंगाई इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि एक से ज्यादा बच्चा होते ही लोगों की टेंशन बढ़ जाती है. ऐसे में जरा उस शख्स के बारे में सोचिये जिसके 89 बच्चे हों? बच्चे तो छोड़ दीजिये, एक बीवी को संभालने में ही मर्द के पसीने छूट जाते हैं. ऐसे में अगर किसी की 38 बीवियां हो, तो उसके हालत की कल्पना ही की जा सकती है. भारत के जिओना चाना ने कुछ ऐसा ही कारनामा किया था. उन्होंने एक ही घर में अपनी 38 बीवियों को साथ रखा और 89 बच्चे पैदा किये.

दुनिया के सबसे बड़े परिवार का रिकॉर्ड जिओना चाना के नाम पर ही है. उसने सौ कमरे का बड़ा सा घर बनवाया था. इसी घर में वो अपनी सारी पत्नियों और बच्चों के साथ रहता था. लेकिन साल 2021 में जिओना की मौत हो गई. आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अपने पति की मौत के बाद जिओना की सारी बीवियां और बच्चे किस हाल में रह रहे हैं? क्या वो सभी अलग हो चुके हैं?

आज भी जारी है एकता

जिओना ने अपने जीते जी सारी पत्नियों और बच्चों को एक साथ रखा. जिओना मिजोरम में रहते थे. लेकिन 2021 में जिओना की मौत हो गई थी. जिओना के फैमिली में 181 मेंबर हैं. पहले सबको ऐसा लगता था कि जिओना की मौत होने के बाद सारी बीवियां अपने बच्चों के साथ अलग हो जाएंगी. लेकिन ऐसा नहीं है. आज भी जिओना की सारी पत्नियां एक साथ ही रह रही हैं. उनका सारा काम एक साथ होता है. रसोई में एक ही साथ सबका खाना बनता है और सभी जिओना के सपने को जिंदा रख रही हैं.

अगर समुद्र किनारे दिखे ऐसा नजारा तो तुरंत भागे पानी से बाहर

आने वाले बड़े खतरे का है इशारा

हम में से कई लोग समुद्र के किनारे छुट्टियां मनाना पसंद करते हैं. समुद्र की लहरों के बीच रिलैक्स होना किसे पसंद नहीं है. भारत में तो हर साल कई लोग समुद्री किनारों पर वेकेशन मनाने जाते हैं. अगर आप भी सी पर्सन है तो ये वीडियो आपके लिए है. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया. इसमें समुद्र किनारे लहरों के साथ उछलते-कूदते मछलियों के एक झुंड को देखा गया. साथ में जानकारी दी गई कि अगर वो ऐसा कुछ बीच पर देखते हैं तो उन्हें सतर्क हो जाना चाहिए. समुद्र की लहरों के बीच मस्ती करना किसे पसंद नहीं आता. लेकिन कई बार ऐसा होता है कि आप लहरों के बीच मस्ती कर रहे हैं और अचानक मछलियों का एक झुंड आप पर अटैक कर देता है. ये मछलियां छोटी होती हैं. लेकिन किनारे पर आकर ये उछलने लगती हैं. लोगों को लगता है कि उनपर छोटी मछलियों ने अटैक कर दिया है. लेकिन असल में ये बड़े खतरे का संकेत होता है.

तुरंत भागे पानी से बाहर

अगर कभी आपके साथ ऐसा होता है तो आपको तुरंत एक्शन लेने की जरुरत है. अगर आप समुद्र में मस्ती कर रहे हैं और इस तरह की छोटी मछलियां किनारे पर उछलती नजर आए, तो सबसे पहले आपको पानी से बाहर निकलना चाहिए. जितनी जल्दी हो सके आप पानी से दूर चले जाइये. ऐसा नहीं है कि आपके ऊपर इन मछलियों ने अटैक किया है. दरअसल, ये मछलियां भी अपनी जान बचाने की कोशिश में लगी रहती हैं. इनके पीछे पड़े हो सकते हैं खतरनाक शार्क.

जिस आवारा कुत्ते को बचाने में गई बेटे की जान, उसे ही मां ने घर में दी जगह

गोद में सिर रखकर रोता रहा बेजुबान!

कहते हैं कि कुत्तों में इंसानों की तरह ही भावनाएं होती है. जिस तरह से इंसान अपनी वजह से दूसरों को हुई तकलीफ से आहत हो जाता है वैसे ही कुत्तों में भी ये भावना होती है. अगर आपको लगता है कि ऐसा सिर्फ कहा जाता है, इसका असलियत से कोई लेना-देना नहीं है, तो आप गलत हैं. भारत से एक ऐसा मामला सामने आया, जिसे जानने के बाद आपको यकीन हो जाएगा कि कुत्तों में भी गिल्ट की भावना होती है.

भारत के कर्नाटक में 16 नवंबर को एक 21 साल के शख्स की मौत हो गई थी. सड़क हादसे में टिपेश की जान चली गई. हादसा तब हुआ जब वो अपनी बहन को पास के बस स्टॉप से छोड़कर आ रहा था. सड़क पर घूम रहे एक आवारा कुत्ते को अपनी गाड़ी के नीचे आने से बचाने के चक्कर में उसकी जान चली गई. लेकिन अपनी वजह से हई इस मौत ने कुत्ते को भी दुखी कर दिया. इस आवारा कुत्ते ने कई दिनों की कोशिश के बाद आखिरकार टिपेश का घर ढूंढ लिया और उसकी मां के पास जाकर शोक मनाने लगा.

मां के पास आया रोया कुत्ता

टिपेश की मां यशोदामा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उसके घर के बाहर एक कुत्ता लगातार रोता दिखाई दे रहा था. बाद में पता चला कि इसकी ही जान बचाने के चक्कर में टिपेश की मौत हुई थी. कुत्ता टिपेश की मां के पास आकर रोने लगा. ऐसे में यशोदामा ने उसे अडॉप्ट करने का फैसला कर लिया. आज ये आवारा कुत्ता टिपेश के घर में ही रहता है. कई लोगों का कहना है कि इस डॉग ने टिपेश के अंतिम संस्कार में भी हिस्सा लिया था.

'राज्य में घूमना मुश्किल कर देंगे'

मराठा आरक्षण के विरोध पर छगन भुजबल को मिली धमकी

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री छगन भुजबल को धमकी मिली है। दरअसल छगन भुजबल ने कहा है कि मराठाओं को आरक्षण देने के लिए गठित की गई शिंदे समिति को रद्द कर देना चाहिए। इसे लेकर भुजबल पर मराठा आरक्षण का विरोध करने का आरोप लग रहा है। अब भुजबल को धमकी मिली है। दरअसल एक मराठा संगठन का सदस्य सोमवार को भुजबल की गाड़ी तक पहुंच गया और उसने भुजबल से मराठा आरक्षण का विरोध ना करने को कहा। साथ ही उसने धमकी दी कि 'अगर भुजबल ने विरोध बंद नहीं किया तो उनका महाराष्ट्र में घूमना मुश्किल कर देंगे'।

भुजबल को मिली धमकी

दरअसल छगन भुजबल पुणे के सरकारी गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। इसी दौरान सोमवार को स्वराज्य संगठन का सदस्य धनंजय जाधव गेस्ट हाउस में भुजबल की गाड़ी तक पहुंच गया और उसने नारेबाजी की। उसने भुजबल से मराठा आरक्षण का विरोध ना करने को कहा और ये भी कहा कि वह भुजबल की गाड़ी तो क्षतिग्रस्त कर सकता है लेकिन ऐसा नहीं करेगा। इसके बाद पुलिस ने धनंजय जाधव को हिरासत में लिया। इस दौरान भुजबल के समर्थकों ने भी नारेबाजी की। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त गाड़ी में कोई नहीं था और वह गेस्ट हाउस में पार्क थी।

भुजबल पर लगा मराठा आंदोलन का विरोध करने का आरोप

बता दें कि छगन भुजबल महाराष्ट्र के एक प्रमुख ओबीसी नेता हैं और उन पर मराठा आंदोलन का विरोध करने का आरोप लग रहा है। साथ ही उन्होंने मराठा आंदोलन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे मनोज जारांगे पर भी निशाना साधा। महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने सोमवार को कहा है कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए गठित की गई शिंदे समिति को रद्द करने की मांग की है। हालांकि शिंदे ने कहा कि वह मराठाओं को अलग आरक्षण देने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन जिस तरह से खुंबी सर्टिफिकेट लेने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा किए जा रहे हैं, वह इसके खिलाफ हैं।

शीर्ष अदालत ने लंपी रोग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर जताया संतोष

याचिकाओं पर कार्यवाही बंद की

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मवेशियों में गांठदार (लंपी) त्वचा रोग से जुड़े मुद्दों को उठाने वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर सोमवार को कार्यवाही बंद कर दी। शीर्ष अदालत ने गायों और अन्य जानवरों के टीकाकरण और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों का भी जिक्र किया। लंपी त्वचा रोग एक वायरल संक्रमण है जो मवेशियों को प्रभावित करता है। इसके शुरुआती लक्षणं में पशुओं को बुखार हो जाना, त्वचा पर गांठ पड़ जाना शामिल है। इस रोग से मवेशियों की जान भी जा सकती है। यह रोग मच्छरों, मक्खियों, जूं और ततैयों के मवेशियों के साथ सीधे संपर्क में आने और दूषित भोजन-पानी के जरिए फैलता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों पर संतोष जताया और कहा कि इन कार्यवाहियों को फिलहाल बंद किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए जरूरत पड़ने पर याचिकाकर्ताओं के पास केंद्र या राज्य सरकारों से संपर्क करने का विकल्प खुला है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि राज्यों द्वारा उठाए गए कदम मोटे तौर पर संक्रमित गायों के समय पर उपचार, त्वचा रोग वायरस के प्रसार को रोकने, गायों और अन्य जानवरों के टीकाकरण और मूत्रालय क्षेत्रों के कीटाणुशोधन के संबंध में हैं।

पीठ ने पशुओं के न्यूनतम परिवहन और अन्य राज्यों से आने वाले पशुओं की स्वास्थ्य जांच, जांच प्रयोगशालाओं की स्थापना और नैदानिक नमूनों को सुरक्षित करने में पर्याप्त वृद्धि, केंद्र द्वारा जारी दिशा-निर्देशों,नीति परिपत्रों को प्रभावी बनाने के लिए पशु कल्याण बोर्डों या समितियों के गठन जैसे कदमों का भी जिक्र किया। बीस नवंबर के आदेश में अदालत ने कहा, 'हम उठाए गए कदमों से संतुष्ट हैं।

पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन ने थामा बीजेडी का दामन

सीएम नवीन पटनायक की मौजूदगी में ली सदस्यता

भुवनेश्वर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रशासिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद उड़ीसा के पूर्व आईएएस वीके पांडियन अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने जा रहे है। भुवनेश्वर में वीके पांडियन ने बीजेडी का दामन थामा है। जिसको लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से पहले वीके पांडियन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निजी सचिव के तौर पर कार्यरत थे। अक्तूबर माह में इस्तीफा स्वीकार होने के बाद वीके पांडियन को राज्य सरकार की 5टी (परिवर्तन पहल) और नवीन ओडिशा योजना के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। सोमवार सुबह भुवनेश्वर में वीके पांडियन बीजेडी में शामिल हो गए। इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी मौजूद रहे, उनके आवास पर उन्हें पार्टी में शामिल किया गया।

अमर पटनायक बोले पार्टी होगी मजबूत

बीजेडी में शामिल होने पर पार्टी नेता अमर पटनायक ने कहा, वीके पांडियन के आने से पार्टी मजूबत होगी साथ ही इससे पूरे राज्य को लाभ होगा। राज्य के मुख्यमंत्री की तरह वे भी राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। पांडियन के पार्टी में शामिल होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी। ऐसा कुछ नहीं है कि केवल इन्हें 2024 को देखते हुए शामिल किया गया है। सीएम का दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। ओडिशा की जनता चाहती है कि मुख्यमंत्री अपने विजन को पूरा करें, पांडियन के रूप में हमें एक सक्षम सहयोगी मिलें।

वीके पांडियन का करियर

2000 बैच के पांडियन ने अपने करियर की शुरुआत 2002 में कालाहांडी जिले के धर्मगढ़ के उप-कलेक्टर के रूप में की थी। 2005 में उन्हें मयूरभंज जिले का कलेक्टर नियुक्त किया गया। 2007 में उन्हें गंजम का कलेक्टर बनाया गया। गंजम में नियुक्ति के दौरान ही वे मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी बन गए। बता दें, पटनायक मूल रूप से गंजम जिले के रहने वाले हैं।

भाजपा-कांग्रेस ने किया था विरोध

2019 में पांडियन को सरकारी विभागों में नए पहल लागू करने के लिए 5T सचिव की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा और कांग्रेस ने इस कारण विरोध किया था और कहा था कि वह पद से इस्तीफा दे दें और आधिकारिक रूप से बीजद में शामिल हो जाएं।

जम्मू-कश्मीर का गुरेज सेक्टर पहली बार पावर ग्रिड से जुड़ा

आजादी से अब तक डीजल जनरेटर पर था निर्भर; सर्दियों में नहीं आती थी बिजली

श्रीनगर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर को आजादी के बाद पहली बार रविवार को पावर ग्रिड से जोड़ा गया। पाकिस्तान बॉर्डर से सटे इस इलाके में अब तक डीजल जनरेटर से बिजली आती थी।

कश्मीर इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कल इसकी घोषणा की। अधिकारियों ने बताया कि गुरेज सेक्टर जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ऐसा इलाका था, जो बिजली के लिए जनरेटर सेट पर निर्भर था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दिन को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा- सर्दियों के मौसम में बर्फबारी के दौरान गुरेज सेक्टर में महीनों तक बिजली नहीं आती थी। 33/11kV रिसीविंग स्टेशन से 1,500 उपभोक्ताओं को फायदा हुआ है।

लोगों ने नाच-गाने के साथ मनाई खुशियां

बांदीपोरा-गुरेज ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट के तहत गुरेज को पावर ग्रिड से जोड़ा गया है। बिजली आने के बाद 75 साल में पहली बार पूरा इलाका बल्ब्स की लाइट से जगमग हो गया। स्थानीय लोगों ने नाच-गाने के साथ बिजली विभाग के कर्मचारियों का आभार जताया।

श्रीनगर से गुरेज की दूरी 123 किलोमीटर और बांदीपोरा से 85 किलोमीटर है। गुरेज में छह महीने काफी बर्फबारी होती है। जिसके कारण सर्दियों में अधिकतर लोग बांदीपुर या फिर श्रीनगर चले जाते हैं। गुरेज घाटी पहले आतंकियों के घुसपैठ करने का रास्ता हुआ करता था। सरकार ने यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए, जिसके कारण अब यह कश्मीर की काफी पॉपुलर वैली बन चुकी है।

चुनावों के कारण पूंजीगत खर्च से चूक सकते हैं कई राज्य

रिपोर्ट में दावा-35 प्रतिशत तक बढ़ गया था खर्च

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राज्यों के चुनावों और अगले साल आम चुनाव के साथ राजस्व में गिरावट से चालू वित्त वर्ष में कई राज्य अपने पूंजीगत खर्च लक्ष्य से चूक सकते हैं। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, पहली छमाही में राज्यों का पूंजीगर्त खर्च रिकॉर्ड 35 प्रतिशत तक बढ़ गया था। दूसरी छमाही में इसके घटने की आशंका है।

रिपोर्ट के अनुसार, अपने बजट अनुमानों को बनाए रखने के लिए 21 राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दूसरी छमाही में पूंजीगत खर्च की दर 28 प्रतिशत पर बनी रहे। हालांकि, यह आचार संहिता के बाद से संभव नहीं है। आम चुनाव से पहले मार्च तिमाही में आचार संहिता लग सकती है। रिपोर्ट में अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड शामिल नहीं हैं।

3.5 लाख करोड़ तक बढ़ा घाटा

21 राज्यों का संयुक्त राजस्व व राजकोषीय घाटा अप्रैल-सितंबर की अवधि में क्रमशः 70,000 करोड़ रुपये और 3.5 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया। एक साल पहले की अवधि में यह क्रमशः 50,000 करोड़ रुपये और 2.4 लाख करोड़ रुपये था।

भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में लगाया घोटाले का आरोप

कहा-केजरीवाल जल्द होंगे सलाखों के पीछे

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जल्द ही जेल के सलाखों के पीछे जाने का दावा किया है। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि शराब घोटाले, डीटीसी बस घोटाले, क्लास रूम घोटाले और शीशमहल घोटाले के बाद अब दिल्ली जल बोर्ड में भी घोटाला सामने आ गया है।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के पीएचडी होल्डर केजरीवाल इन सब घोटालों के किंगपिन हैं। लेकिन अगर उन्हें लगता है कि वह संवैधानिक पद पर बैठकर घोटाले पर घोटाला करते रहेंगे और जांच एजेंसी चुप रहेगी, तो ऐसा नहीं होगा। केजरीवाल को इस गुमान में नहीं रहना चाहिए और वह दिन दूर नहीं है जब अपने तमाम भ्रष्टाचार के लिए अरविंद केजरीवाल भी सजा पाएंगे और जेल की सलाखों के पीछे होंगे। न्होंने अरविंद केजरीवाल से मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की भी मांग की। जपा प्रवक्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार, बेईमानी, घोटालों, कमीशनखोरी और लूट-खसोट का देश में कोई विशेषज्ञ नेता है, तो वो आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हैं। दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को 2 कैटेगरी में बांटा गया। पहली कैटेगरी में केवल अपग्रेडेशन होना था और दूसरी कैटेगरी में क्षमता बढ़ाने का काम होना था।

2022 में दिल्ली जल बोर्ड ने इसके ठेके दिए, जिनकी कुल वैल्यू 1,938 करोड़ रुपये के आसपास थी जबकि इसकी अनुमानित लागत सिर्फ 1,500 करोड़ रुपए थी, इसका सीधा मतलब है कि इसमें इनके द्वारा स्वयं लगवाए गए एस्टीमेट में 30 प्रतिशत की वृद्धि कर के ठेके दिए गए। उन्होंने कहा कि इन 10 प्रोजेक्ट के लिए 10 डीपीआर बननी थी, लेकिन दो ही बनवाए गए और इसे सभी 10 पर लागू कर दिया गया और इस तरह से मूल्यांकन बढ़ा कर और अपने लोगों को ठेका देकर 450-500 करोड़ रुपये के आसपास का यह घोटाला किया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 249 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.1 2080 मंगलवार, 28 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केसीआर के स्कैम की जाँच कराएंगे : मोदी

> केसीआर मुझसे मिलने दिल्ली आए, हमने ऑफर ठुकराया तो बौखला गए

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे का सोमवार 27 नवंबर को तीसरा और आखिरी दिन है। विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम ने महबूबाबाद में जनसभा को संबोधित किया। मोदी ने दावा किया कि तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव (केसीआर) चुनाव में भाजपा से हाथ मिलाना चाहते थे।

पीएम मोदी ने कहा, केसीआर को भाजपा की बढ़ती ताकत का एहसास बहुत पहले ही हो गया था। केसीआर चाहते थे कि भाजपा से किसी तरह दोस्ती हो जाए। एक बार दिल्ली आए थे तो मुझसे रिक्वेस्ट की थी, लेकिन हमने उनका ऑफर ठुकरा दिया। पीएम ने कहा, जब से भाजपा ने केसीआर को मना किया है, बीआरएस बौखला गई है। बीआरएस मुझे गाली देने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मैं कभी भी उन्हें भाजपा के आसपास भी भटकने नहीं दूंगा। ये मोदी की गारंटी है।

केसीआर ने जो-जो स्कैम किए, उनकी जांच कराएंगे :

तेलंगाना को बीआरएस के चंगुल से निकालना भाजपा अपना दायित्व समझती है। यहां केसीआर ने जो-जो स्कैम किए हैं, भाजपा सरकार सभी की जांच कराएगी। तेलंगाना के गरीबों और युवाओं से विश्वासघात करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।कांग्रेस और बीआरएस ने तेलंगाना को बर्बाद किया। यहां की जनता एक बीमारी को हटाकर दूसरी बीमारी को प्रवेश करने नहीं देगी। दोनों पार्टियां पापी है। धर्म के नाम पर तुष्टिकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार करती हैं।

तेलंगाना का अगला सीएम भाजपा और पिछड़े समुदाय से होगा :

तेलंगाना के लोग केसीआर की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुके हैं। तेलंगाना का अगला सीएम भाजपा का होगा। कांग्रेस और बीआरएस, दोनों पार्टियों ने दलितों को धोखा दिया है। भाजपा ही सही मायने में आदिवासी और पिछड़े समाज को सशक्त कर रही है। तेलंगाना में भाजपा का पहला सीएम पिछड़े समुदाय का होगा।

पीएम मोदी ने चुनावी सभा से पहले तिरुपति मंदीर में दर्शन किये

भाजपा ने तेलंगाना के एक-एक किसान को 30 हजार रुपये दिए :

बीआरएस सरकार ने छोटे-छोटे किसानों की परवाह नहीं की। भाजपा तेलंगाना के छोटे किसानों के बैंक खाते में पैसे भेज रही है। अब तक तेलंगाना के हर छोटे किसान को भाजपा सरकार 30 हजार रुपये दे चुकी है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को बड़ी मदद मिली है।

मैं आपको गारंटी देता हूं कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनते ही सभी परिवारों को महंगे पेट्रोल-डीजल के दामों से राहत मिलेगी। तेलंगाना में निवेश बढ़ेगा। डबल इंजन की सरकार में गांवों-शहरों में विकास होगा।

कांग्रेस को वोट देने का मतलब है केसीआर को सरकार में आने देने का रास्ता खोल देना। अगर यहां फिर बीआरएस सरकार आई तो वो राज्य को अपना एटीएम बना लेंगे। बस इतना समझ लेना एक बीमारी को खत्म करने के लिए दूसरी बीमारी मत लाइए। कांग्रेस पर कभी भरोसा मत करना, कांग्रेस आई तबाही लाई।

कांग्रेस विधायकों की गारंटी नहीं, सारा माल बिकाऊ है :

राज्य में परिवर्तन की हवा चल रही है। लोगों ने बीआरएस को भगाने और कांग्रेस को यहां न आने देने का संकल्प लिया है। जब कोई भ्रष्टाचार का नाम लेता है, परिवारवाद का नाम लेता है तो आपको बीआरएस या कांग्रेस दिखती है। कांग्रेस के विधायकों की कोई गारंटी नहीं पता नहीं ये कब बीआरएस में चलें जाएं। सारा बिकाऊ माल बाजार में है। आपके केसीआर को कितने अंधविश्वासी हैं, किसी ने उनके कान में डाल दिया है कि अगर मोदी की परछाई तुम पर पड़ी तो तुम्हारे सारे सपने चूर हो जाएंगे। तब से वे न मुझे एयरपोर्ट पर लेने आते हैं और न ही मीटिंग में आते हैं। ऐसे अंधविश्वासी लोग आधुनिक सोच वाले तेलंगाना के युवाओं का भला कर सकते हैं क्या?

तेलंगाना में बीआरएस की नाव डूबने वाली है जिन्होंने लूटा है उन्हें लौटाना पड़ेगा

महबूबाबाद के बाद सोमवार शाम पीएम मोदी करीमनगर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नाव डूबने वाली है, उन्हें भी एहसास है कि 3 दिसंबर को उसका टिकट कट जाएगा।

ये देखकर केसीआर के घर में बिखराव शुरू हो गया है, केसीआर पूरी ताकत लगा रहे हैं कि जनता का गुस्सा थोड़ा ठंडा हो जाए, दूसरी ओर केसीआर के रिश्तेदार बीआरएस को ही कोस रहे हैं। बीजेपी सरकार आने के बाद जब यहां शराब घोटाले की जांच तेज होगी तो और भगदड़ मचेगी। आपसे वादा है जिन्होंने लूटा है उन्हें लौटाना पड़ेगा।

'हैदर कौन है? राज्य में भाजपा आई तो हैदराबाद का नाम होगा भाग्यनगर'

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना के भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद का नाम बदलने को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है तो हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर कर दिया जाएगा।

हैदराबाद का नाम होगा भाग्यनगर :

मीडिया से बात करते हुए जी किसन रेड्डी ने कहा कि मद्रास, बॉम्बे और कलकत्ता का भी नाम बदल गया है। उन्होंने कहा, हां बिलकुल, अगर भाजपा की सरकार राज्य में आती है तो हैदराबाद का नाम बदल दिया जाएगा। मैं पूछना चाहता हूं कि हैदर कौन है? हमें हैदर के नाम की जरूरत है? हैदर कहां से आया? मैं पूछ रहा कि हैदर की किसकी जरूरत है। अगर भाजपा यहां सत्ता में आती है तो हम हैदर को मिटा देंगे और इसका नाम बदलकर भाग्यनगर रख देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने मद्रास का नाम बदलकर चेन्नई नहीं किया था, यह द्रमुक ने किया था। जब मद्रास का नाम बदलकर चेन्नई, बॉम्बे का नाम मुंबई कलकत्ता का नाम कोलकाता किया जा सकता है तो हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर रखने में क्या परेशानी है। मंत्री ने कहा, भाजपा यहां सत्ता में आई तो हम गुलामी की मानसिकता रखने वालों को बदल देंगे। उन्होंने कहा कि नाम बदलने के लिए भाजपा बुद्धिजीवियों की भी सलाह लेगी। भाग्यनगर का मतलब भाग्य का शहर होता है। चुनावी रैलियों के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि हैदराबाद का नाम भाग्यनगर होना चाहिए।

मानहानि केस में राहुल 16 दिसंबर को तलब

सुलतानपुर, 27 नवंबर (एजेंसिया)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने 16 दिसंबर को राहुल गांधी को पेश होने का आदेश दिया है। राहुल के खिलाफ यह मामला 5 साल पहले गुजरात में अमित शाह के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। केस 4 अगस्त, 2018 को दायर हुआ था। इसे तब के सुल्तानपुर में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष विजय मिश्र ने दायर किया था।

मजिस्ट्रेट योगेश कुमार यादव की कोर्ट ने 18 नवंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में वादी यानी विजय मिश्र के वकील संतोष पांडेय ने बताया, 8 मई 2018 को बेंगलुरू में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने कहा था, भाजपा जो कि ईमानदारी व स्वच्छता की राजनीति का दावा करती है। उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष एक हत्या का आरोपी है।

मतदान से पहले तेलंगाना में केसीआर सरकार को लगा बड़ा झटका

> ईसी ने रैयथु बंधु योजना की इजाजत ली वापस

हैदराबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना सरकार को दी गई रैयथु बंधु योजना के तहत किसानों को वित्तीय राशि वितरित करने की मंजूरी तत्काल प्रभाव से वापस ले ली है।

आयोग ने राज्य को एक पत्र के जरिए निर्देश दिया है कि ऐसा करना चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। आयोग ने राज्य के वित्त मंत्री टी. हरीश राव द्वारा इसे लेकर सार्वजनिक घोषणा करने के बाद यह फैसला लिया। निर्वाचन आयोग ने राज्य में भारत राष्ट्र समिति की सरकार को कुछ विशेष आधारों पर आचार संहिता के दौरान किस्त का भुगतान करने की मंजूरी दी थी। वहीं, सरकार को आचार संहिता के दौरान इसे लेकर प्रचार नहीं करने के लिए कहा गया था।

आयोग ने राज्य सरकार से अनुपालन रिपोर्ट मांगी

प्रदेश सरकार को आयोग ने सोमवार को अनुपालन रिपोर्ट सौंपने को कहा है। दरअसल इस मामले को लेकर कांग्रेस ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)

के खिलाफ आयोग को शिकायत की थी। पूर्व में चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को 28 नवंबर से पहले योजना के तहत योजना के संबंध में राशि वितरित करने की मंजूरी दी थी।

राज्य के मंत्री की सार्वजनिक घोषणा से हुआ आचार संहिता का उल्लंघन :

तेलंगाना सरकार के वित्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी हरीश राव ने किस्तों का भुगतान जारी करने के बारे में सार्वजनिक घोषणा कर थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था, किस्त सोमवार को दी जाएगी। किसानों का चाय-नाश्ता खत्म होने से पहले उनके खाते में राशि जमा हो जाएगी। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को अपनी अनुमति वापस लेने के फैसले के बारे में सूचित किया।

आयोग ने कहा, तेलंगाना सरकार के वित्त और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री टी हरीश राव ने मतदान की तारीख से पहले एक विशेष समय तक रैयथु बंधु योजना के तहत वितरण के संबंध में बयान दिया है, जो 26 नवंबर, 2023 को समाचार पत्रों और स्थानीय मीडिया में रिपोर्ट की गई थी। आयोग ने पाया है कि राव, (जो तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 में सिद्दीपेट निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार, स्टार प्रचारक और तेलंगाना के मंत्री भी हैं) ने न केवल आदर्श आचार संहिता के पैरा VII में निहित आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रावधानों का उल्लंघन किया है, बल्कि योजना के तहत रिलीज को प्रचारित करके शर्तों का भी उल्लंघन किया है। इस तरह चल रही चुनाव प्रक्रिया में समान अवसर को बाधित किया है।

अमेरिका में भारतीय राजदूत पर हमला

अमृतसर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू पर अब खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया। यह हमला तब हुआ जब वे गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर एक गुरुद्वारे में माथा टेकने गए थे। खालिस्तानी समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और हाथापाई करते हुए चोट पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन इसी बीच वहां मौजूद सिख समाज बीच में आया और उनका बचाव किया। मिली जानकारी के अनुसार राजनयिक तरनजीत सिंह संधू गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर भारतीय दूतावास के अन्य कर्मियों के साथ अमेरिका के एक गुरुघर में माथा टेकने गए थे। इसी दौरान खालिस्तानी समर्थक उन्हें देख आसपास खड़े हो गए। उन्होंने उन्हें बुरा-भला कहा। जब तरनजीत सिंह ने उनकी बातों पर प्रतिक्रिया नहीं की तो खालिस्तानी समर्थक उन्हें चोट पहुंचाने के मकसद से आगे आ गए।

न्याय संबंधी जरूरतों को बढ़ाना जरूरी : सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित पहले क्षेत्रीय सम्मेलन में भारत के न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, कम प्रतिनिधित्व वाले लोगों की न्याय संबंधी जरूरतों को बढ़ाना जरूरी है।

चंद्रचूड़ ने कहा, न्याय तक पहुंच केवल जन समर्थक न्यायशास्त्र को तैयार करते नहीं की जा सकती, बल्कि अदालत के प्रशासनिक पक्ष में सक्रिय प्रगति की आवश्यकता है। बुनियादी ढांचे में सुधार, कानूनी सहायता सेवाओं को बढ़ाना प्रमुख हैं।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कम प्रतिनिधित्व वाली आबादी की न्याय संबंधी जरूरतों पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। न्याय की अवधारणा को ऐतिहासिक रूप से केवल एक संप्रभु देश की सीमा के भीतर ही लागू किया गया। लेकिन वर्तमान युग में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में जटिलता को देखते हुए न्याय की हमारी अवधारणाएं भी बदल गई है। गौर करने वाली बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में सभी देशों के साथ समान व्यवहार नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा, भूमध्य सागर से लेकर एशिया-प्रशांत तक धन में सार्वभौमिक बदलाव हुआ है। दावा किया जा रहा है कि चार सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में तीन ग्लोबल साउथ से होंगे। ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग की यह प्रतिबद्धता हमें कानून के शासन को बढ़ावा देने और बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा।

आतंकवाद के खिलाफ युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक आखिरी आतंकवादी हार नहीं मान लेता : डीजीपी

श्रीनगर, 27 नवंबर (एजेंसिया)। जम्मू एवं कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आर.आर. स्वैन ने सोमवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध समाप्त नहीं हुआ है, क्योंकि युद्ध केवल एक पक्ष के पूर्ण आत्मसमर्पण के बाद ही समाप्त होते हैं।

स्वैन गुरुद्वारा चट्टी पादशाही में गुरुपर्व समारोह से इतर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युद्ध तभी समाप्त होते हैं जब एक पक्ष हार मान लेता है और यह मान लेता है कि रक्तपात से कोई परिणाम नहीं निकलेगा। कुछ नुकसान के बावजूद, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और पुलिस के आतंकवाद से लड़ने से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। पीछे हटने का सवाल ही नहीं पैदा होता।

उन्होंने कहा, किसी समय घुसपैठ कम या ज्यादा हो सकती है और यह ऐसी चीज नहीं है जिसे हम हर बार सार्वजनिक करते हैं। गुरुपर्व के पवित्र दिन पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने कहा कि पुलिस खुद को सार्वजनिक सेवा के लिए फिर से समर्पित करती है। उन्होंने सिख समुदाय को गुरुपर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि गुरु नानक देवजी का सार्वभौमिक संदेश है कि अमीर और गरीब के बीच या जाति, रंग या धर्म के आधार पर कोई अंतर नहीं है।

उत्तरकाशी टनल में मजदूरों की हेल्थ-बिहेवियर पर रोबोट नजर रखेगा

हॉरिजॉन्टल खुदाई करने रैट माइनर्स पहुंचे, पतले पाइप में घुसकर ड्रिल करने में माहिर

उत्तरकाशी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल में सोमवार 27 नवंबर से मैनुअली हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग भी शुरू हो सकती है। इसके लिए रैट माइनर्स को बुलाया गया है। ये लोग हाथ से खुदाई करेंगे। हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग 24 नवंबर से बंद है।

उधर, 16 दिन से फंसे 41 मजदूरों तक पहुंचने के लिए 86 मीटर की वर्टिकल ड्रिलिंग जारी है। इसमें अब तक 31 मीटर खुदाई हो चुकी है। इस बीच मजदूरों की हेल्थ पर नजर रखने के लिए रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। वहीं, सिल्क्यारा की तरफ से फंसी ऑगर मशीन को सोमवार सुबह काटकर बाहर निकाल लिया गया था। रविवार 26 नवंबर शाम से इसे प्लाज्मा कटर से काटा जा रहा था। पूरी रात यह काम चला।

भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स और मद्रास सैपर्स की

यूनिट इस काम में जुटी थी। सुबह जैसे ही कामयाबी मिली, ये लोग खुशी झूम उठे। टनल में रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लेने पीएम नरेंद्र मोदी के विशेष सचिव पीके मिश्रा, गृह सचिव अजय के भल्ला और उत्तराखंड के मुख्य सचिव एसएस संधू भी पहुंचे।

अब रैट माइनर्स पर मैन्युअल ड्रिलिंग का दारोमदार :

दिल्ली के खजूरी खास के रहने वाले मुन्ना अपने सहयोगी रैट माइनर्स के साथ सिल्क्यारा टनल साइट पर पहुंच चुके हैं। ये वर्कर रॉकवेल कंपनी में काम करते हैं। ये लोग मैन्युअल ड्रिलिंग के एक्सपर्ट वर्कर हैं। ये लोग 2-2 के ग्रुप में टनल पैसेज में जाएंगे और बची हुई 12 मीटर की हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग को हाथों से अंजाम देंगे। मुन्ना के मुताबिक, हम टनल के अंदर जाकर ड्रिलिंग के लिए तैयार हैं। रैट यानी चूहा। पतले से पैसेज में अंदर जाकर ड्रिल करने वाले मजदूरों को रैट माइनर्स कहते हैं। इस तरह से ड्रिल करने के लिए स्पेशल ट्रेनिंग, स्किल और काफी प्रैक्टिस की जरूरत होती है। ये रैट माइनर्स 800 मिमी के पाइप में घुसकर ड्रिल करेंगे।

रोबोट से रखेंगे मजदूरों की हेल्थ पर नजर :

टनल के अंदर फंसे 41 मजदूरों पर नजर रखने के लिए रोबोटिक्स की मदद ली जा रही है। इसके लिए लखनऊ से एआई एंड रोबोटिक्स डेवलपर मिलिंद राज को बुलाया गया है। मिलिंद ने बताया, हम तीन बड़े काम करेंगे। एक- किसी मजदूर के बिहेवियर या हेल्थ को 24X7 मॉनिटर करते हैं। अंदर आदमी हताश होने लगता है, इस स्थिति को डिटेक्ट करते हैं। दूसरा- टनल के अंदर अगर कोई गैस निकल रही है तो इसे डिटेक्ट करते हैं। तीसरा- टनल के अंदर जहां नेटवर्क भी ठीक से नहीं मिलता, वहां हम हाईस्पीड इंटरनेट सिस्टम दे सकते हैं।

यूपी में राज्यसभा और विधानपरिषद की 23 सीटें होंगी खाली

बीजेपी राज्यसभा में जीत सकती है 9 सीटें, वहीं सपा गठबंधन के पाले में जा सकती हैं 4 सीटें

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राज्यसभा कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 में खत्म हो रहा है। विधान परिषद की 13 सीटों का कार्यकाल 5 मई 2024 को समाप्त हो जाएगा। इन सीटों पर यूपी में बीजेपी और सपा के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों पार्टियों के दिग्गजों ने समीकरण बैठाना शुरू कर दिया है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य बनने के लिए एक एमएलसी पर 29 विधायकों के वोट की जरूरत होती है। अब यूपी में 2022 विधानसभा चुनाव के बाद हालात बदल गए हैं। विधानसभा में सपा के पास आरएलडी समेत 118 विधायक हैं। इनमें 109 सपा के और 9 विधायक रालोद के हैं। जबकि

एनडीए गठबंधन के पास 279 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 254, अपना दल (एस) के 13, निषाद पार्टी के 6 और सुभासपा के 6 विधायक शामिल हैं।

जबकि कांग्रेस के दो, बसपा का एक और जनसत्ता दल के दो विधायक हैं। ये दल जिसे समर्थन देंगे उससे समीकरण बदल भी सकते हैं। फिलहाल अब तक के आंकड़ों के हिसाब से बीजेपी कम से कम 9 एमएलसी की सीटें जीत सकती है, जबकि सपा गठबंधन के खाते में 4 सीटें जा सकती हैं। इसका सपा को एक बड़ा फायदा ये होगा कि विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के लिए सपा की दावेदारी हो जाएगा। अभी उसके पास 9 सदस्य हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष के लिए 1/10 सदस्य के मानक से वह एक सीट कम है।

अब आपको बताते हैं कि राज्यसभा में खाली होने वाले 10 सीटों पर सदस्य कौन हैं

यूपी राज्यसभा कोटे में भाजपा के पास 10 से 9 सीटें हैं। इन पर अनिल अग्रवाल, अशोक बाजपेयी, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांश त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव सदस्य हैं।

यूपी विधान परिषद की 13 सीटें 5 मई को खाली हो रही है, ऐसे में केंद्र के साथ-साथ अपने एमएलसी बनाने के लिए भी सियासी जोड़ घटाना शुरू हो गया है। मई महीने में विधान परिषद की जो 13 सीटें खाली हो रही हैं, उनमें से बीजेपी के पास 10, सहयोगी अपना दल के पास 1 सीट है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के पास 1-1 सीट है। इन सीटों पर पांच मई से पहले चुनाव कराया जाना है।

भाजपा के विधान परिषद के सदस्य यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान के कार्यकाल पूरे हो रहे हैं।

69000 शिक्षक भर्ती: अभ्यर्थियों ने आवास घेरा

राजभर बोले- एनडीए में शामिल हूं पर मंत्री नहीं हूं

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। 69000 शिक्षक भर्ती में 6800 अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर अभ्यर्थियों ने पूर्व मंत्री व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के लखनऊ स्थित आवास का घेराव किया और नियुक्ति पत्र दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि 6800 अभ्यर्थियों के साथ न्याय होना चाहिए। उन्हें नियुक्ति मिलनी चाहिए।

नियुक्ति को लेकर अभ्यर्थियों ने अपनी बात ओम प्रकाश राजभर के सामने रखी। जिस पर राजभर ने उनकी मांगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रखने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मैं एनडीए में शामिल जरूर हूं पर मंत्री नहीं हूं। मैं आपकी समस्याओं को मुख्यमंत्री के सामने रखूंगा।

उन्होंने कहा कि धरना देने से कुछ नहीं होगा। मुझे पत्र दीजिए तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर आग्रह करूंगा। सदन में कोई नेता नहीं है जो पिछड़े और दलितों के लिए आवाज उठाता हो।

उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव हैं। आज तक कभी आपके लिए आरक्षण की बात नहीं की होगी। मैं अभी मंत्री तो हूं नहीं लेकिन एनडीए में शामिल जरूर हूं। आपकी बात ऊपर तक पहुंचाऊंगा।

इसके पहले अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर के बाहर प्रदर्शन किया था। वहां पर भी अभ्यर्थियों को आवश्वासन दिया गया था। अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और नियुक्ति की मांग कर रहे हैं।

पटना जा रही ट्रेन पर पथराव

कई बोगियों के शीशे टूटे, चेन खींचने पर युवक को पकड़ने का गुस्सा उतारा

समस्तीपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जयनगर से दानापुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन पर सामाजिक तत्वों ने पथराव किये, जिसमें ट्रेन की कई बगियों के शीशे टूट गये। यह घटना हायाघाट और रामभद्रपुर स्टेशन के बीच की है। इस मामले में आरपीएफ ने एक युवक को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में यात्रियों ने बताया कि हायाघाट से ट्रेन खुलने के बाद रामभद्रपुर के बीच ट्रेन में सवार आधा दर्जन की संख्या में युवकों ने कई जगहों पर चेन पुलिंग किया था। बार-बार चेन पुलिंग किए जाने के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों ने इसका विरोध किया। इस दौरान यात्रियों ने एक युवक को पकड़ लिया। इसी बात से नाराज होकर चेन पुलिंग करने वाले युवकों ने रामभद्रपुर स्टेशन पर ट्रेन खुलते ही पथराव शुरू कर दिये। इस पथराव में ट्रेन की कई बोगियों के शीशे टूट गए। यात्रियों ने पकड़े गए युवक को समस्तीपुर में आरपीएफ के हवाले कर दिया। हिरासत में लिए गये युवक ने अपनी पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रतबारा गांव का रहने वाला बताया है। समस्तीपुर स्टेशन की आरपीएफ उक्त युवक सहित उसके अन्य साथियों पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

पकड़ा गया आरोपी नाबालिग

आरपीएफ इंस्पेक्टर बी.पी. वर्मा ने बताया कि इस मामले में यात्री द्वारा एक युवक को पकड़ कर पुलिस हवाले किया गया है, जो किशोर है। इस मामले में किशोर समेत चार अन्य लोगों पर आरपीएफ पोस्ट में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पकड़े गए किशोर को बालगृह भेजा जाएगा। सात अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिला प्रशासन से मदद ली जा रही है।

डीआरएम ने कहा जांच की जा रही है

इस घटना के संबंध में डीआरएम विनय श्रीवास्तव का कहना है कि कुछ युवकों के द्वारा किए जा रहे चेनपुलिंग का सफर कर रहे यात्रियों द्वारा विरोध किया गया था। यात्रियों ने एक युवक को पड़क लिया था, जिस कारण रामभद्रपुर स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद ट्रेन पर पथराव किया गया। युवकों द्वारा किए गए इस पथराव के कारण इस ट्रेन की ऐसी बोगी के साथ ही पांच अन्य बोगियों के शीशे टूट गये हैं। इस घटना से रेलवे को लाखों की क्षति पहुंची है। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच आरपीएफ कर रही है।

रात के पारे में दो से तीन डिग्री की गिरावट बढ़ाएगी सर्दी

पूरे प्रदेश में बादलों का डेरा

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में सोमवार को दोपहर तक सूरज के दर्शन नहीं हुए। पूरे प्रदेश में बादलों ने डेरा डाल रखा है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि ठंड बढ़ेगी। सोमवार की सुबह बुंदेलखंड के कुछ इलाकों, झांसी-हमीरपुर की तरफ बारिश रिकार्ड की गई। जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश की पूरी संभावना बन चुकी है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण प्रदेश का मौसम बदल गया है। प्रयागराज, चित्रकूट, दक्षिण पूर्वी यूपी यानी विंध्य क्षेत्र के कुछ जिलों में भी बूंदाबांदी के आसार हैं। मध्य क्षोभमंडल में अरब सागर तक एक टर्फ के रूप में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके कारण प्रदेश के अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के आसार हैं। हालांकि ऐसा अनुमान है कि रात का पारा दो डिग्री तक बढ़ सकता है।

पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर हो कर आगे बढ़ने के कारण और बादल के छंटने के कारण मौसम शुष्क होगा और पछुआ हवा चलने के आसार हैं। इसके कारण रात के पारे में भी दो से तीन डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

दो बहन सहित चार सहेलियों ने खाया सल्फास

कारण जानकर पुलिस भी हैरत में

औरंगाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद में चार सहेलियों ने एक साथ जहर खा लिया जिसमें एक की मौत हो गई जबकि अन्य तीन की हालत गंभीर है। घटना कुटुम्बा थाना क्षेत्र के संडा बाजार की है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि चार लड़कियों ने रविवार की शाम करीब 5 बजे एक साथ सल्फास (जहर) खा लिया। आनन-फानन में चारों को इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया रेफर कर दिया गया। सहेलियों की पहचान मनोज चौधरी की पुत्री लक्की और रिया, योगेश शर्मा की पुत्री नंदिनी और विनय शर्मा की पुत्री पूनम के रूप में की गई है। लक्की और रिया सगी बहनें है।

युवक की हत्या

समस्तीपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। समस्तीपुर में एक युवक की हत्या कर दी गई। यह हत्या किसी और ने नहीं बल्कि युवक के सौतेले भाइयों ने की। जमीन बंटवारे को लेकर युवक का उसके सौतेले भाइयों से विवाद चल रहा था। रविवार की मध्य रात्रि विवाद खूनी खेल में बदल गया। आरोपियों ने युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के मुख्तियारपुर मेनका वार्ड एक मोहल्ला की है। मृत युवक की पहचान धनेश्वर प्रसाद सिंह के पुत्र सोनू कुमार (22) के रूप में हुई। सोनू की हत्या के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा दिया। वहीं पोस्टमार्टम में हो रही देरी को लेकर परिवार के लोगों ने जमकर बवाल किया। परिजनों का आरोप था कि घटना के बारे में पूर्व ही भी पुलिस को सूचना दी गई थी बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

बिहार में दिसंबर के पहले सप्ताह में बढ़ेगी सर्दी

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से उठ रहे साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण बिहार के तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं हो रही। अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी।

मौसम वैज्ञानिक राकेश कुमार ने बताया कि दिसंबर के पहले हफ्ते में इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन का प्रभाव खत्म होने के बाद पछुआ हवा चलेगी। तब तापमान गिरने के साथ ही ठंड भी बढ़ेगी।

इससे पहले भी छठ के समय एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बंगाल की खाड़ी से गुजरा था। छठ के बाद इसका प्रभाव खत्म हुआ तो तीन-चार दिनों तक पछुआ हवा चली थी। इसी कारण लोग थोड़ी सर्दी महसूस कर रहे हैं।

अगले 24 घंटे के दौरान राज्य का मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा। न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। राज्य के उत्तर पूर्व एवं उत्तर मध्य भागों के जिलों में सुबह के समय कुहासा और शेष भागों में हल्के स्तर का कुहासा छाएगा।

पटना एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी कम होने की वजह से विमानों के लेट होना थम नहीं रहा है। आईएलएस यानी इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम का काम पूरा नहीं होने की वजह से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। हैदराबाद से पटना आने वाली फ्लाइट चार घंटे से अधिक देर से आई।s

आरजेडी एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने चिराग संग खिंचवाया फोटो

नीतीश कुमार पर तंज कसा- विपक्षी नेताओं के साथ पेंग बढ़ाना साहब जी का जन्मसिद्ध अधिकार!

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। आरजेडी के एमएलसी सुनील कुमार सिंह सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इशारों-इशारों में निशाने पर लेते रहते हैं। नया पोस्ट उन्होंने रविवार की रात किया है। इसमें वे लोजपा (रामविलास) सुप्रीमो चिराग पासवान के साथ दिख रहे हैं। दोनों नेता हंसते- मुस्कुराते हुए भी नजर आ रहे हैं। इस फोटो को सोशल मीडिया पर डालते हुए सुनील कुमार सिंह ने व्यंग्य वाण छोड़ा है। लिखा है कि- 'आज का यह फोटो जो आदरणीय चिराग पासवान जी के साथ है, यह एक शादी समारोह का है। जिसे हनुमान चालीसा पढ़ते हुए बहुत ही डरते- सहमते पोस्ट करना पड़ रहा है। कारण स्पष्ट है कि कुछ महीने पूर्व मैंने एक केंद्रीय मंत्री जी के साथ सरकारी कार्यक्रम का फोटो पोस्ट किया था, जिसे

देखते के साथ ही साहब जी का ब्रह्मांड जो पहले से ही गड़बड़ चल रहा था और भी चना जोर गर्म हो गया था। क्योंकि विपक्षी नेताओं के साथ पेंग बढ़ाना साहब जी का जन्मसिद्ध अधिकार के साथ कॉपीराइट है। अगर दूसरा कोई भी व्यक्ति ऐसी हिमाकत किया तो वो बीजेपी का एजेंट माना जायेगा। !!आप जरा जान लीजिए भूलिए मत!!' बता दे महागठबंधन की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से सुनील कुमार सिंह से कहा था कि 'आप अमित शाह के संपर्क में हैं, भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। ऐसा मत कीजिए, लालू जी के करीबी हैं। इन्हीं के साथ रहिए।' इसके बाद सुनील कुमार सिंह ने कहा था कि वे सहकारिता से जुड़े एक सरकारी आयोजन में अमित शाह से मिले थे। तब सुनील सिंह ने यह भी कहा था कि वे लालू प्रसाद का साथ कभी नहीं छोड़ सकते। यहां यह भी बता दें कि सुनील कुमार सिंह की मुंहबोली बहन राबड़ी देवी हैं। वे हर साल उनसे राखी बंधवाने जाते हैं।

हाल के दिनों में सुनील कुमार सिंह ने कानपुर के ठग्गू के फेमस ठग्गू के लड्डू के बहाने यह सवाल लोगों के बीच किया था कि वह कौन है जिसके बारे में कहा जाता है कि कोई ऐसा ठगा नहीं जिसको उसने ठगा नहीं! छह दिन पहले सुनील कुमार सिंह ने पत्नी के साथ वाला फोटो डाला था जिसमें सुनील सिंह की पत्नी सुनील सिंह के पांव छूती हुई दिख रही थी।

देव दीपावली, 21 लाख दीयों से जगमगाई काशी

10 लाख पर्यटक-श्रद्धालु पहुंचे, दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती

वाराणसी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देव दिवाली पर काशी में 21 लाख दीये जलाए गए। सोमवार शाम जगह-जगह रंगोली बनाई गई।

इसके बाद 80 घाटों और गंगा की रेती में दीये जलाए गए। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती की गयी। फिर लाइटिंग और 3डी लेजर शो किया गया। इसे देखने के लिए देशभर से करीब 10 लाख मौजूद पहुंचे हैं। इसके अलावा नमो घाट पर 70 देशों के राजदूत और 150 से ज्यादा विदेशी डेलीगेट्स भी मौजूद हैं। विदेशी भक्त बम-बम बोल रही है काशी... जैसे गानों पर खूब झूम रहे हैं।

देव दीपावली पर वाराणसी के सभी 1300 होटल्स और 500 से ज्यादा पेइंग गेस्ट, गेस्ट हाउस और लॉज 2 दिन के लिए फुल हैं। इसमें 2 एलीट लग्जरी होटल, 16 फाइव स्टार, 45 फोर स्टार, 605 थ्री स्टार, बाकी सामान्य होटल्स, पीजी, डॉरमेट्री और वीआईपी गेस्ट हाउस शामिल हैं।

गंगा किनारे होटल ब्रजरामा में डेढ़ लाख रुपए तक के सुइट पैकेज बुक हुए हैं। वहीं, घाटों पर 1000-1500 वाले गेस्ट हाउस की बुकिंग 3 से 4 हजार रुपए में हुई है।

मेरठ पेशाब कांड, छात्र के पिता का दर्द

बोले- मेरा बेटा डिप्रेशन में, पुलिस ने तहरीर में की छेड़छाड़, चार को पहचाना था, एक गिरफ्तार हुआ

मेरठ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। 'मेरा बेटा डिप्रेशन में चला गया है। वो कुछ खा नहीं रहा है। किसी से कोई बात नहीं कर रहा है। गुमसुम उदास बैठा रहता है। पुलिस ने हमारी तहरीर पर छेड़छाड़ की। मामले में हल्की धाराएं लगाई गई हैं। जबकि हमने 16 नवंबर को ही रिपोर्ट दर्ज कराई थी।'' ऐसा मेरठ में हुए पेशाब कांड के पीड़ित छात्र के पिता का कहना है। मेरठ में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के एक छात्र के साथ उसके दोस्तों ने बेरहमी से मारपीट की। उसके सिर और चेहरे पर पेशाब की। छात्र पर पेशाब पीने का दबाव बनाया और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने घटना का वीडियो बनाया। इसे वायरल करने की धमकी देते हुए पीड़ित छात्र को ब्लैकमेल करने लगे। दरअसल, कुछ दिन पहले पीड़ित छात्र की उसके दोस्तों से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वे लोग 13 नवंबर को उसे किडनैप कर जागृति विहार एक्सटेंशन में ले गए। जहां उससे दरिंदगी की गई। घटना की सूचना मिलते ही 19 नवंबर को पीड़ित छात्र के पिता ने मेडिकल थाने में 7 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले को लेकर पुलिस पहले तो टालमटोल करती रही, मगर आज यानी रविवार को जैसे ही घटना का वीडियो वायरल हुआ, तो आनन-फानन में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जागृति विहार निवासी पीड़ित छात्र 13 नवंबर की रात चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के पास एक पार्टी में शामिल होने गया था। देर रात को वहां से लौटते वक्त उसका अपने दोस्तों से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। पीड़ित छात्र ने बताया कि सभी शराब के नशे में थे। वे लोग गालियां देते जा रहे थे। मैं उनसे छोड़ने की मिन्नतें करता रहा, मगर वे नहीं माने। उन लोगों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए ब्लैकमेल भी किया। परेशान होकर मैंने घटना के बारे में घरवालों को बताया। पीड़ित छात्र के पिता ने कहा, ''मैं 16 नवंबर को मेडिकल थाने गया था। मेरा बेटा अभी इंटर पास होकर मेरठ यूनिवर्सिटी में गया है। मेरी तहरीर में खेल किया गया है। कोई धाराएं नहीं लगाई हैं। यही नहीं, किडनैपिंग का चार्ज बनता है, लेकिन पुलिस ने वह भी नहीं लगाया।''पीड़ित के पिता ने कहा, ''मेरे बेटे के साथ गलत काम करने वाले आरोपी बदमाश किस्म के हैं। ये लोग पहले भी जेल जा चुके हैं। मैंने तहरीर में आरोपियों को नामजद किया था। अब देखिए पुलिस क्या एक्शन लेती है?''पिता ने बताया कि पुलिस ने जेल चुंगी निवासी अवि शर्मा, अजंता कॉलोनी निवासी आशीष मलिक, सोमदत्त जाग्रति निवासी राजन, सोमदत्त विहार निवासी मोहित ठाकुर को नामजद करते हुए तीन अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पीके के जनसुराज में हुईं शामिल

कुछ दिनों पहले प्रशांत किशोर से हुई थी मुलाकात, लड़ सकती हैं लोकसभा चुनाव

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अब राजनीति में अपना किरदार निभाएंगी। सोमवार को अक्षरा अपने पिता विपिन इन्द्रजीत सिंह के साथ प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज में शामिल हो गई हैं। जन सुराज कार्यकर्ता अक्षय आनंद ने उन्हें पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित जन सुराज के कार्यालय में पार्टी की सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण समारोह के दौरान पीके मौजूद नहीं थे, क्योंकि वे पदयात्रा के लिए दरभंगा में हैं। सदस्यता लेने के बाद अक्षरा सिंह ने कहा मैं बिहार की बेटी होने के नाते बिहार को शिक्षित बनाना चाहती हूं। उसी का यह एक छोटा सा पहल है। इसलिए इतने कम उम्र में मैं इस जन सुराज अभियान से जुड़ी हूं।

अक्षरा ने कहा कि आने वाले समय में प्रशांत किशोर चाहेंगे तो चुनाव भी लडूंगी। बिहार के लोग मुझे और प्यार दें, ताकि मैं और आगे बढ़कर काम करूं। मैं किसी भी पार्टी में जा सकती थी। मेरे अच्छे-अच्छे दोस्त हैं, जो विभिन्न

पार्टियों में हैं। लेकिन मैंने जन सुराज चुना, क्योंकि यह कोई पार्टी नहीं मुहिम है। प्रशांत किशोर के साथ कदम से कदम मिलाकर चलूंगी। एक कलाकार और बिहार की बेटी होने के नाते यह कदम उठाई हूं। उन्होंने कहा कि मुझे किसी पार्टी से नहीं जुड़ना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी मुझे बहुत सम्मान देते हैं। वह मेरे पिता सामान हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं की मैं पार्टी जॉइंन कर लूं। पदयात्रा से जुड़ने के सवाल पर अक्षरा ने कहा कि प्रशांत किशोर जब चाहेंगे, तब पदयात्रा में उनके साथ जुड़ूंगी। बता दें कि छठ पूजा के बाद अक्षरा ने प्रशांत किशोर से मुलाकात की थी। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में भी अक्षरा सिंह भाग्य आजमा सकती हैं। जन सुराज ने 2024 में टिकट के लिए भी उन्हें भरोसा दिया है। पटना से वो चुनाव लड़ सकती है। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के साथ ही बॉलीवुड में भी अक्षरा सिंह की चर्चा है। अक्षरा सिंह का जन्म 30 अगस्त 1993 को मुंबई में हुआ था, लेकिन वह मूल रूप से बिहार के पटना की रहने वाली हैं। अक्षरा सिंह को एक्टिंग का माहौल उनके परिवार से मिला है।

चार दिन पहले भी मौलाना की तकरीर का लगाया था स्टेटस

कंडक्टर की गर्दन काटने वाले बीटेक छात्र पर नया खुलासा

प्रयागराज, 27 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के नैनी में बस में परिचालक पर चापड़ से हमला करने वाले बीटेक छात्र लारैब हाशमी के बारे में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उसने चार दिन पहले अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर कट्टरपंथी मौलाना की तकरीर पोस्ट की थी। यह बात उसके ही साथियों ने एटीएस अफसरों को पूछताछ में बताई है।

यह भी बताया है कि इससे पहले भी वह कई बार ऐसे स्टेटस लगा चुका था। जिन तीन साथियों से एटीएस के अफसरों ने पूछताछ की, उनमें से दो उसके ही कॉलेज में पढ़ते हैं। जबकि एक उसका चचेरा भाई है जो उसका बेहद करीबी है।

सूत्रों का कहना है कि मोबाइल की पड़ताल में पता चला है कि बीटेक छात्र उन तीनों के ही ज्यादा संपर्क में था और उसकी तीनों से अक्सर बातें होती थीं। तीनों को शनिवार को नैनी थाने लाकर घंटों पूछताछ की गई। एटीएस ने उनसे आरोपी छात्र के बाबत जानकारी हासिल की।

पूछताछ के बाद देर रात उन्हें छोड़ा गया। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान यह पता चला कि लारैब निवासी हाजीगंज सोरांव ने सोमवार को व्हाट्सएप पर एक स्टेटस अपडेट किया था जिसमें उर्दू में लिखी एक कट्टरपंथी मौलाना की तकरीर थी। साथियों ने यह भी बताया कि इससे पहले भी वह कई बार इस तरह के स्टेटस अपडेट कर चुका था।

कॉलेज के दोनों साथियों ने बताया कि वह अन्य छात्रों से ज्यादा घुला-मिला नहीं था। एटीएस अफसरों ने छात्र के सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर भी तीनों से सवाल पूछे। उधर कब्जे में लिए गए उसके लैपटॉप, मोबाइल की जांच जारी है। यह भी कहा जा रहा है कि जल्द ही इन डिवाइसों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

जिला कारागार अस्पताल में कराया गया भर्ती, इलाज जारी

उधर आरोपी छात्र को रविवार को कॉल्विन अस्पताल से जिला कारागार नैनी के अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत में सुधार है, लेकिन अभी वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हुआ है। डीसीपी अभिनव त्यागी ने बताया कि फिलहाल उसे कारागार अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आपको बता दें कि नैनी के इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र ने इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा के कंडक्टर पर चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में कंडक्टर को इलाज के लिए स्वरूपरानी नेहरु चिकित्सालय भेजा गया है। घटना शुक्रवार को सुबह 9:15 बजे की है। हमला करने के बाद छात्र हाथ में चापड़ लहराते हुए भाग निकला।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 28 नवंबर, 2023 5

युविचार

यदि आप एक बार गिरकर हार मान लेते हैं, तो आप अपने जीवन में कभी सफलता हासिल नहीं कर सकते !

केटीआर ने रैतू बंधु को रोकने की कांग्रेस की कोशिशों की निंदा की

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसान विरोधी नीतियों के लिए कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सोमवार को पूछा कि कांग्रेस बीआरएस सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही रैतू बंधु इनपुट सब्सिडी के वितरण के खिलाफ क्यों है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कांग्रेस पार्टी रैतू बंधु के वितरण के खिलाफ क्यों है, जो किसानों को बीज और उर्वरक खरीदने में मदद करती है। कांग्रेस किसानों के प्रति द्वेष क्यों पाल रही है? यह रैतू बंधु के विस्तार और आनंद प्राप्त करने में बाधाएं पैदा कर रहा है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस नेता इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि बीआरएस सरकार द्वारा किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा, इसके बजाय, कांग्रेस नेता दावा कर रहे थे कि किसानों के लिए तीन घंटे की बिजली पर्याप्त थी और उन्हें अपने खेतों में 10 एचपी पंप सेट का उपयोग करने का निर्देश दे रहे थे। धरणी पोर्टल के खिलाफ अपने रुख के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पोर्टल सभी मुकदमों को निपटाने और किसानों के हितों की रक्षा करने में सहायता कर रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस धरणी को खत्म करना चाहती है और जमीनों पर कब्जा करने के लिए एजेंटों और दलालों की व्यवस्था को बहाल करना चाहती है। वह वादा करने वाली नीतियों के लिए कांग्रेस के भी आलोचक थे, जो भूमि मालिक किसानों और किरायेदार किसानों के बीच दरार पैदा करेगी। रामा राव ने कहा, "मैं किसानों से कांग्रेस की नीतियों का सावधानीपूर्वक अध्ययन और विश्लेषण करने की अपील करता हूं, जो उनकी कमर तोड़ देगी।" बीआरएस सरकार के तहत खेती लाभदायक हो गई है, क्या हमें गरीबी और कर्ज के उन दिनों में वापस जाना चाहिए? समझदारी से काम लो। रैतू बंधु का समर्थन करें और उन सभी को खदेड़ें जो इस पहल के खिलाफ हैं।

गुरु नानक जयंती के मौके पर सनत नगर विधानसभा के बीआरएस प्रत्याशी व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने सोमवार को अमीरपेट स्थित गुरुद्वारे का दौरा किया और विशेष प्रार्थना की। बाद में गुरुद्वारा प्रबंधकों ने मंत्री को सम्मानित किया। मंत्री के साथ पूर्व पार्षद नमना सेशुकुमारी, अनम जीत कौर, सुरेंद्र सिंह, सुमित और अन्य लोग थे।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत में हिन्दी भाषियों की भूमिका अहम : चिंतला

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतला रामचंद्रा रेड्डी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। प्रदेश की भाजपा राजनीति में में उनका विशेष स्थान है। हैदराबाद का एक प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र खैरताबाद से वह इस बार भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। चिंतला रामचंद्रा रेड्डी ने वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाओं में भाजपा प्रत्याशों के रूप में जीत दर्ज कर पांच साल तक यहां का प्रतिनिधित्व किया। चिंतला रामचंद्रा रेड्डी का संबंध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से रहा है। वह हैदराबाद और तेलंगाना में पार्टी के सक्रिय नेता के रूप में जाने जाते हैं। उनका मानना है कि खैरताबाद में पांच साल तक किये गये काम ही उनकी जीत लिए काफी हैं। उनका दावा है कि खैरताबादके हिन्दी भाषी उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनका कहना है कि खैरताबाद निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं के लिए मैं नया नहीं हूं। 2014 में मुझे यहां की जनता ने एमएलए के रूप में निर्वाचित कर विधानसभा भेजा था। इस क्षेत्र में मैंने न केवल आधिकारिक रूप से असंख्य विकासात्मक कार्य किये, बल्कि नेमी फाउंडेशन की ओर से भी कई कल्याणकारी और विकासात्मक कार्य किये। आम जनता से जुडे रहकर उनकी सेवा करने का अवसर मिला। अब जनता को समझ आ गया है कि 2014 से 2018 तक जो कार्य हुए, उसके बाद निवर्तमान विधायक नागेंदर के कार्यकाल में कुछ नहीं हुआ। यहां तक कि निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के बीच भी नहीं रहे, ना ही स्थानीय समस्याओं पर उनकी नजर रखी। यहीं कारण है कि लोग भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मुझे जिताने के लिए आगे आ रहे हैं। खैरताबाद में 50 बिस्तरों का एक अस्पताल मैंने विधायक रहने के दौरान बनवाया था। उतना बडा अस्पताल बनाने के बाद आज मैं देखता हूं कि वहां न डॉक्टर है और न सुविधाएं, जनता परेशान है। पानी के लिए भी लोग परेशान है। इन सब समस्याओं को फिर मैं जनता के पास ले जा रहा हूं।

कर्तव्यों का सतर्क प्रदर्शन सर्वोपरि : अंबर किशोर झा

सीपी ने चुनाव को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में, पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने सुरक्षित और सुचारू चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने वारंगल पुलिस कमिश्नरेट के भीतर विभिन्न रैंकों के साथ बैठक की, जिसमें आगामी चुनाव के दिन शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों की अनिवार्यता पर जोर दिया गया। डीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर ने भाग लिया, बैठक में एक ऐसे माहौल की गारंटी देने के लिए रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया जहां मतदाता बिना किसी डर के स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों का प्रयोग कर सकें। चुनाव के दिन किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए

पूर्वव्यापी उपायों के महत्व पर जोर देते हुए सीपी ने जोर दिया, "कर्तव्यों का सतर्क प्रदर्शन सर्वोपरि है।" निर्बाध चुनावी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए पुलिस स्टेशनों पर उन्नत योजना और मतदान स्थानों पर गहन जानकारी एकत्र करने को प्रमुख रणनीतियों के रूप में उजागर किया गया। इसके अलावा, तनाव के लिए जाने जाने वाले गांवों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें शांति और सुरक्षा में किसी भी व्यवधान को संबोधित करने के लिए एक मुखर रुख प्रस्तावित किया गया। मतदाताओं को प्रभावित करने या गड़बड़ी भड़काने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पर जोर दिया गया। आयुक्त ने अधिकारियों से किसी भी चुनाव उल्लंघन की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह किया, जहां पुष्टि किए गए उल्लंघनों के मामलों को तत्काल दर्ज करने की सुविधा के लिए ठोस सबूत प्रदान किए जाएं। कर्तव्यों के निष्पादन में पारदर्शिता, विशेष रूप से चुनाव निगरानी से संबंधित, को मतदाताओं के बीच विश्वास पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण बताया गया।

बीआरएस ने ईसीआई से धन के वितरण की अनुमति देने का आग्रह किया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा रैतू बंधु योजना के तहत धन के वितरण की अनुमति वापस लेने के साथ, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने शीर्ष चुनाव निकाय से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने और अनुमति देने का आग्रह किया है। महासचिव के केशव राव और महासचिव सोमा भरत कुमार सहित बीआरएस नेताओं ने सोमवार को यहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज से उनके कार्यालय में मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर रैतू बंधु योजना के तहत धन के वितरण की अनुमति वापस लेने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। पत्र में, बीआरएस नेताओं ने उल्लेख किया कि वित्त मंत्री टी हरीश राव ने किसी भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया है और अनजाने में दिया गया बयान ईसीआई के फैसले के प्रति आभार व्यक्त करने के अलावा और कुछ नहीं था। उन्होंने कहा कि हरीश राव ने ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की थी जो ईसीआई के आदेशों का उल्लंघन हो और उन्होंने केवल राज्य में किसानों को योजना राशि के वितरण की अनुमति देने के लिए ईसीआई को धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा कि रैतू बंधु पिछले साढ़े पांच वर्षों से चल रही योजना है।

बीआरएस नेता केशव राव ने कहा कि हाल के दिनों में अच्छी बारिश के कारण राज्य में रबी का मौसम आगे बढ़ गया है और किसानों ने खेती की गतिविधियां शुरू कर दी हैं। यह याद दिलाते हुए कि केंद्र की पीएम किसान योजना को उसी समय अनुमति दी जा रही है, उन्होंने ईसीआई से आदेश वापस लेने और रायथु बंधु को अनुमति देने का अनुरोध किया। बीआरएस ने कहा, "राशि का वितरण रुकने से किसानों को अपूरणीय क्षति होगी।" इस बीच, वही पत्र भारत के चुनाव आयोग को भेज दिया गया है जिसमें रायथु बंधु योजना के तहत धन के वितरण की अनुमति देने की मांग की गई है।

साध्वी श्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी को दी गई सफलतम चातुर्मास की भावपूर्ण विदाई

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन, सिकन्दराबाद में तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में समायोजित - "मंगल भावना समारोह" में उपस्थित श्रद्धालु श्रावक समाज को अपना सम्बोधन प्रदान करते हुए साध्वीश्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी ने कहा- करूणासागर गुरु कृपा से सानन्द चातुर्मास सम्पन्न कर, सम्पूर्ण श्रावक समाज की शुभ भावनाएं लेकर हम कल गुरु दर्शनार्थ प्रस्थान कर रहे हैं। हमने चातुर्मास में श्रावक समाज की अध्यात्म यात्रा करवाई। सभी ने यथा योग्यता ज्ञान, दर्शन, तप, चारित्र की यात्रा का समुचित उपयोग भी किया। अपनी सृजन चेतना का सबने भरपूर नियोजन किया। सभी संस्थाओं का उत्साह रहा। हमारा तेरापंथ संघ का श्रावक परिवार गुरु इंगित की-आराधना में सदैव समर्पित रहा है। श्रद्धा, समर्पण, एक गुरु आज्ञा और मर्यादा को सर्वस्व मानने वाला ऐसा श्रावक समाज मिलना भी सौभाग्य की बात है। साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी ने कहा कि मैं श्रावक परिवार को प्रेरणा के रूप में कुछ देना चाहती हूँ। हर श्रावक श्राविका अपने मन और दिल को बाल की तरह कोमल बनाए रखें। ऋजुता युक्त जीवन, सम्माननीय होता है, कठोरता से सदैव दूर रहने का प्रयास हो। मोमबत्ती की तरह स्वयं प्रकाशवान बनकर दूसरों को भी प्रकाश बांटे। भगवान महावीर की वाणी तिन्नाणं तारायाणं" को सार्थक करें। परोपकार की भावना का विकास करें। सौहार्द के साथ जीवन का हर पल व्यतीत करें। सुई दीखने में भले ही छोटी हो पर वह हमेशा जोड़ने का काम करती है। साध्वी सुदर्शन प्रभाजी, साध्वी सिद्धियशा जी, साध्वी राजुलप्रभा जी, साध्वी चैतन्य प्रभा जी एवं साध्वी शौर्य प्रभा जी ने "अच्छा! तो हम चलते हैं" कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ सम्पूर्ण सभा - संस्थाओं की विशेषताओं का उल्लेख किया और मंगल विकास की मंगलकामना की। जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष विनोद संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र घोषल,तेयुप के पूर्व अध्यक्ष नवनीत छाजेड़, तेरापंथ महिला मंडल मंत्री सुशीला मोदी, नमिता सिंघी, प्रभा दुगड, नीता डागा, मंडल की पूर्व अध्यक्षा सरोज भंडारी आदि सभी सदस्यों ने साध्वी श्री जी के चातुर्मास को सफलतम बताते हुए भावपूर्ण कृतज्ञता ज्ञापित की।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.WAT-RSO-TENDER-14-2023

स्थान सहित कार्य का नाम: तीन वर्षों की समयावधि के लिए इलेक्ट्रिकल (OP)/वाल्टियर मण्डल के त्रुटिपूर्ण स्प्रेयर पार्टर्स का प्रतिस्थापन एवं गैस, सूखे रासायनिक पाउडर की पुन:भराई (Refilling) सहित विभिन्न आकारों के अग्नि शामकों (Fire Extinguishers)का रख-रखाव।

निविदा मूल्य (रुपये में): 2,44,512/-, EMD (रुपये में): 4,900/-, निविदा फॉर्म की लागत (रुपये में): 1,180/-, कार्य पूरा होने की अवधि: तिन वर्ष।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 12.12.2023 को 1500 बजे ।

संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं निविदा दस्तावेज वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (OP), वाल्टियर

PR-812/O/23-24

आज शाम से थम जाएगा विधानसभा चुनाव का प्रचार : विकास राज

सीईओ ने सभी से चुनाव आचार संहिता के उल्लघंन से बचने की अपील

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान सभा के आम चुनाव के लिए कार्यक्रम जारी होने के बाद से मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए, सीईओ विकास राज ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को अधिकतम संभव सीमा तक शिक्षित करने के लिए एक बार फिर मीडिया का सहयोग मांगा है। जहां तक निर्वाचक का सवाल है, 30 नवंबर, 2023 को यह अपने चरम पर पहुंच जाएगा। जब चुनाव प्रचार कार्यक्रम के अनुसार समाप्त हो जाता है, यानी 28 नवंबर, 2023 को शाम 4 या 5 बजे, जैसा भी मामला हो और मौन घंटे शुरू होते हैं, सीईओ नागरिकों, मीडिया और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से किसी भी संहिता उल्लंघन से बचने के लिए सतर्क रहने का अनुरोध किया। मतदान केंद्रों के अंदर और आसपास के अनुकूल माहौल को बिगाड़ती है और अंततः मतदाताओं की मानसिक शांति की रक्षा करती है जो उन्हें एक अच्छी तरह से सूचित मतदान निर्णय लेने की अनुमति देती है। भारत के चुनाव आयोग ने भी अपनी नियमित सलाह के एक हिस्से के रूप में इस समय मीडिया को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) की याद दिलाई, जो 48 घंटे की अवधि के दौरान चुनावी मामले को प्रदर्शित करने पर रोक लगाती है। किसी निर्वाचन क्षेत्र में मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से पहले। कहने का तात्पर्य यह है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के सामने प्रदर्शित नहीं करेगा, जिसके उल्लंघन पर जुर्माना के साथ सजा दी जाएगी। 'चुनावी मामला' को चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या प्रभावित करने के इरादे या गणना किए गए किसी भी मामले के रूप में परिभाषित किया गया है। विकास राज ने दोहराया कि टीवी/रेडियो/चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन मौन घंटों के दौरान उनके द्वारा प्रदर्शित कार्यक्रम के प्रसारण/प्रसारण में पैनलिस्टों/प्रतिभागियों के विचार/अपील सहित कोई भी सामग्री शामिल न हो, जिसका अर्थ लगाया जा सके। किसी विशेष पार्टी या उम्मीदवारों की संभावना को बढ़ावा देना/पूर्वाग्रह करना या चुनाव के परिणाम को प्रभावित/प्रभावित करना। इसमें किसी भी जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन भी शामिल है। विकास राज ने यह भी कहा कि मौन अवधि के दौरान, यानी मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले, किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कोई भी राजनीतिक विज्ञापन प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। 30 नवंबर और 29 नवंबर को प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी के प्रमाणीकरण के बिना कोई भी राजनीतिक विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जाना चाहिए। सीईओ ने सभी राजनीतिक दलों से आह्वान किया कि वे अपने नेताओं और प्रचारकों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दें और ब्रीफ करें कि वे आरपी अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत परिकल्पित मीडिया के सभी मंचों पर मौन अवधि का पालन करें और उनके नेता और कैडर ऐसा कोई कार्य न करें। सभी के हित में, विशेष रूप से मतदाताओं के हित में, सीईओ ने मीडिया से अनुरोध किया कि वे मतपत्र प्रणाली की गोपनीयता के बारे में विस्तार से बताते हुए मतदान के महत्व और स्वतंत्र और निर्भीक मतदान की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाए।

मुख्य चुनाव अधिकारी तेलंगाना

VOTE FOR VIBRANT DEMOCRACY

V.O.T.E VIGILANT - OBSERVANT - TRUTHFUL - ELECTOR

तेलंगाना विधानसभा चुनाव

मतदान तिथि: 30 नवंबर, 2023

क्या आप अपने मतदान केन्द्र को जानते हैं ?

जानने के लिए यहां स्कैन करें

Voter Helpline App

electoralsearch.eci.gov.in

या वोटर सहाय मित्र

चाटबोट व्दारा सीईओ तेलंगाना से

वेबसाइट: www.ceotelangana.nic.in पर जाएं

सिने अभिनेता--प्रियदर्शी

c-VIGIL

क्या आपने सी-विजिल ऐप डाउनलोड किया है ?

सतर्क मतदाता बनें, उपयोग करें

सी-विजिल ऐप, किसी भी आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन पर रिपोर्ट करने हेतु।

5 मिनिट्स: जिला निर्वाचन अधिकारी व्दारा शिकायत को सत्यापन के लिए फिल्ड युनिट को सौंपने की अवधि

15 मिनिट्स: कार्यक्रम स्थल पर फील्ड टीम पहुंचेगी

30 मिनिट्स: फील्ड टीम कार्रवाई निष्पादित कर, रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

50 मिनिट्स: कम्प्लेन्ट क्लोज करने में रिटर्निंग आफिसर की अवधि

प्रत्येक शिकायत का 100 मिनटों में जवाब

धन वितरण

मदिरा/नशीली दवाओं का वितरण

मुफ्त उपहार वितरण

संपत्ति विरूपण

सांप्रदायिक नफरत फैलानेवाला भाषण

झूठा समाचार

धमकी

पेड न्यूज

फायरआर्म्स या बंदूकों का प्रदर्शन

मतदाताओं का परिवहन

शिकायतों के लिए c-VIGIL Mobile App

Call 1950 Toll Free

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 28 नवंबर - 2023

नेपाल में फिर क्यों उठ रही हिंदू राष्ट्र और राजशाही की मांग ?

अशोक भाटिया

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में पिछले कुछ समय से धार्मिक तनाव बढ़ा है। यहां भारत की सीमा से लगे एरिया में कई हिंदू संगठन सक्रिय हैं और देश को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर अभियान चलाते रहते हैं। इन संगठनों में विश्व हिंदू परिषद और हिंदू स्वयंसेवक संघ बड़े नाम हैं। तराई क्षेत्र खासकर जनकपुर वाले हिस्से में इन संगठनों की सक्रियता ज्यादा नजर आ रही है और इनकी ओर से की गईं ऐसी कई चीजें आपको दिखेंगी जो बताती हैं कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित कराने के लिए यह लोग कितने सक्रिय हैं। पर बड़ा सवाल ये है कि आखिर धर्म निरपेक्ष से अचानक नेपाल 'हिंदू राष्ट्रवाद' की तरफ क्यों बढ़ने लगा ? इसको समझने के लिए पहले नेपाल के पुराने इतिहास को समझना जरुरी है । ईसा से करीब 1000 साल पहले नेपाल छोटी-छोटी रियासतों और कुलों के परिसंघों में बंटा था। गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने 1765 में नेपाल की एकता की मुहिम शुरू की और 1768 तक इसमें सफल हो गए। यहीं से आधुनिक नेपाल का जन्म हुआ। राजवंश के पांचवे राजा राजेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने नेपाल की सीमा के कुछ इलाक़ों पर क़ब्ज़ा किया। 1815 में लड़ाई छिड़ी, इसका अंत सुगौली संधि से हुआ। 1846 में राजा सुरेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में, जंग बहादुर राणा एक शक्तिशाली सैन्य कमांडर के रूप में उभरे। कुछ दिन बाद राजपरिवार ने उनके आगे घुटने टेक दिए और उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया गया। इसके साथ ही इस पद को वंशानुगत मान लिया गया। 1923 में ब्रिटेन ने नेपाल के साथ एक संधि की और इसकी स्वतंत्रता को स्वीकार किया। 1940 के दशक में नेपाल में लोगों ने देश में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। तब भारत की मदद से राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम शाह नए शासक बने। नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र के समय में नेपाल में राजशाही के खिलाफ व्यापक आंदोलन शुरू हुआ। सन 1959 में राजा महेंद्र बीर बिक्रम शाह ने लोकतांत्रिक प्रयोग को समाप्त कर पंचायत व्यवस्था लागू की। 1972 में राजा बीरेंद्र बिक्रम शाह ने राजकाज संभाला। 1989 में लोकतंत्र के समर्थन में जन आंदोलन शुरु हुआ और राजा बीरेंद्र बीर बिक्रम शाह को सांवैधानिक सुधार स्वीकार करने पड़े। फिर मई 1991 में पहली बहुदलीय संसद का गठन हुआ। वहीं 1996 में माओवादी आंदोलन शुरू हो गया। एक जून 2001 को नेपाल के राजमहल में हुए सामूहिक हत्या कांड में राजा, रानी, राजकुमार और राजकुमारियां मारे गए। अब राजा के भाई ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने फ़रवरी 2005 में राजा ज्ञानेंद्र ने माओवादियों के हिंसक आंदोलन के दमन के लिए सत्ता अपने हाथ में ली और सरकार को बर्ख़ास्त कर दिया। नेपाल में एक बार फिर जन आंदोलन शुरू हुआ और अब राजा को सत्ता जनता के हाथों में सौंपनी पड़ी और यहां संसद को बहाल करना पड़ा। 28 मई 2008 में संसद ने एक विधेयक पारित करके नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया। 20 अगस्त को, पूर्वी नेपाल के एक कस्बे धरान के दो स्थानीय लोगों ने गोमांस खाते हुए एक विडियो वायरल किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक महीने पहले ही नेपाल के इसी कस्बे धरान में बड़ा प्रोटेस्ट हुआ था क्योंकि एक मंदिर के पास चर्च का निर्माण किया गया जिससे हिंदूराष्ट्रवादी संगठन में आक्रोश फैला। अन्य धर्मों की आबादी बढ़ते देख हिंदू संगठन अब यहां ज्यादा सक्रिय हो गए हैं। यही नहीं, हर सरकार खुले या छिपे तौर पर नेपाल को हिन्दू राष्ट्र के तौर पर देखती है। नेपाली कांग्रेस में भी इसके समर्थन वाले लोग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2018 में 1,500 पार्टी प्रतिनिधियों में से लगभग आधे ने हिंदू राज्य के पक्ष में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में ₹हिंदू पहचान बहाल करने₹ के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। 20 हिंदू धार्मिक संगठनों ने मिलकर एक हिंदू राज्य की इच्छा जताई। नेपाल में 80 फीसदी हिन्दू और 1.76 फीसदी ईसाई हैं पर यहां पिछले कुछ साल में धर्मांतरण के मामले बढ़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा समय में दक्षिण कोरिया और पश्चिम बंगाल के अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन धर्मांतरण में लगे हैं। अभी नेपाल में ईसाई आबादी तेजी से बढ़ी है। नेपाल में 2021 में हुई जनगणना की रिपोर्ट से पता चलता है कि यहां मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ रही है । नेपाल के राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मुताबिक, नेपाल में तब 2.367 करोड़ हिन्दू हैं जबकि मुस्लिम 23.945 लाख हैं । प्रतिशत के हिसाब से देखें तो नेपाल में अभी 81.19% हिन्दू हैं, दूसरे नंबर पर 8.21% अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म दूसरे नंबर पर हैं. मुस्लिम आबादी में यहां तेजी से इजाफा हो रहा है और इनकी जनसंख्या का प्रतिशत 5.09% है.वहीं, 1.76% ईसाई हैं. 2011 में हिन्दुओं की जनसंख्या 81.3% थी, मतलब हिन्दुओं की जनसंख्या 0.19% कम हुई है. वहीं बौद्ध समाज जनसंख्या का 9% हिस्सा था, इस हिसाब से बौद्धों की संख्या भी 0.79% कम हुई है. वहीं 2011 में मुस्लिम आबादी 4.4% थी जो 0.69% बढ़ी है. ईसाई पहले 0.5% ही थे, जो अब 1.26% ज़्यादा हो गए हैं । अपने पिछले कार्यकाल के दौरान नेपाल के पीएम केपी ओली ने हिंदू राष्ट्रवादी भावना को खूब हवा दी। वह काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा करने वाले पहले कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री थे। उन्होंने मंदिर को 2. 5 मिलियन डॉलर का सरकारी धन भी दान दिया था। ओली ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर आयोजित पूजा समारोह के बाद मैडी में राम की मूर्ति स्थापित की। दूसरी तरफ नेपाली कांग्रेस में भी कई ऐसे नेता हैं जो धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में नहीं हैं। नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा ही जब भारत आए थे तो यहां उन्होंने वाराणसी का दौरा किया, जो एक प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल है। इसी तरह वर्तमान प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल ने अपनी भारत यात्रा के दौरान उज्जैन के एक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में ₹हिंदू पहचान बहाल करने₹ के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। लगभग उसी समय, अन्य 20 हिंदू धार्मिक संगठनों ने एक हिंदू राज्य के रूप में नेपाल की स्थिति को बहाल करने के लिए देवघाट में एक संयुक्त मोर्चा बनाया। भारत में हिंदुत्व कार्ड लगभग सभी पार्टियों द्वारा खेला जाना और फायदा मिलना भी एक कारण है कि नेपाल का हर नेता इस कॉनसेप्ट में विश्वास रखता है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, नेपाल में दंगा-रोधी पुलिस ने नेपाल के पूर्व राजा के हजारों समर्थकों को रोकने के लिए लाठियों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया जिन्होंने राजशाही की बहाली और देश की हिंदू राज्य की पूर्व स्थिति की मांग के लिए राजधानी के केंद्र तक मार्च करने का प्रयास किया था। प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के समर्थन में नारे लगाते हुए काठमांडू में एकत्र हुए और शहर के केंद्र की ओर बढ़ने का प्रयास किया हालांकि, दंगा-रोधी पुलिस ने उन्हें रोक दिया और बांस के डंडों से पीटने के साथ ही आंसू गैस और पानी की बौछार की जिसमें दोनों पक्षों को मामूली चोटें आईं। समाचारों के अनुसार यह अशांति नेपाल में लगातार चीनी हस्तक्षेप के कारण ही है। उन्होंने एक भी सरकार को टिकने नहीं दिया। नेपाल के लोग बेचैन हैं क्योंकि यह चारों तरफ से दूसरे देशों की जमीन से घिरा देश है और बाकी दुनिया पर निर्भर है। स्थानीय जनता राजनीतिक दलों और राजनेताओं के भ्रष्ट आचरण के कारण पीड़ित हैं। अब वे चीन जाने को जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो उनकी संस्कृति में फिट नहीं है। वहां की सरकार ने हवाई अड्डे और राजमार्ग चीन को बेच दिए हैं।

एलजी और सरकार में तकरार

दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच चल रही तकरार कोई नई नहीं है। अब तो यह तकरार इतनी बढ़ गई है कि उसका अंत होते नहीं दिख रहा है। दिल्ली सरकार का सीधा आरोप है कि उसके हर कदम पर एलजी की ओर से अवरोध उत्पन्न किया जाता है। मजबूरी में दिल्ली सरकार को कोर्ट के दरवाजे तक दस्तक देनी पडती है। यही सिलसिला वर्षों से चल रहा है। अब एक बार फिर मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर दोनों का टकराव सुप्रीम अदालत तक पहुंचा है। सर्वोच्च अदालत ने समाधान सुझाते हुए केंद्र सरकार और उपराज्यपाल से कहा है कि वे पांच अधिकारियों के नाम दिल्ली सरकार को सुझाएं, ताकि वह उनमें से किसी एक को मुख्य सचिव के रूप में चुन सके। पूरी संभावना है कि बुधवार तक नए मुख्य सचिव के नाम की घोषणा हो सकती है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने एक बार फिर पूछा कि एलजी और मुख्यमंत्री राजनीतिक कलह से ऊपर उठ कर ऐसी समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश करें। अब तो आप लोग ही कोई तरीका सुझाएं, जिससे सरकार सुचारू रुप से चलाई जा सके। देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच के आए दिन के झगड़ों से तंग आ चुका है। मुश्किल यह है कि केंद्र सरकार भी उपराज्यपाल के जरिए दिल्ली सरकार पर हर तरह से नकेल कसने का कानूनी इंतजाम कर रखा है। वर्तमान मुख्य सचिव का कार्यकाल इस महीने खत्म हो रहा है। उनकी जगह नए सचिव की नियुक्ति होनी है। दिल्ली सरकार ने वर्तमान मुख्य सचिव पर करोडों रुपए के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं और उससे संबंधित रपट भी एलजी के पास भेजी। एलजी ने रपट को राजनीतिक दुराग्रह से तैयार की गई बताते हुए उस पर कार्रवाई से इनकार कर दिया। इससे दिल्ली सरकार को लगा कि केंद्र सरकार कहीं वर्तमान मुख्य सचिव का कार्यकाल न बढ़ा दे। इसलिए उसने अदालत में गुहार लगाई। दिल्ली सरकार ने अपील की कि नए दिल्ली सेवा कानून को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है, इसलिए बिना दिल्ली सरकार से सुझाव लिए मुख्य सचिव के कार्यकाल में विस्तार या फिर नए मुख्य सचिव की नियुक्ति नहीं की जाए। नए कानून के मुताबिक मुख्य सचिव की नियुक्ति का अधिकार एलजी के पास है। बता दें कि जब यह नियम नहीं था, तब भी मुख्य सचिव की नियुक्ति में एलजी की ही मर्जी चलती थी। इससे पहले दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग के प्रमुख की नियुक्ति के मामले में भी सर्वोच्च न्यायालय को दखल देना पड़ा था। तब भी अदालत ने यही कहा था कि ऐसे मामलों को एलजी और मुख्यमंत्री मिल-बैठ कर सुलझाएं। बता दें कि जबसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तभी से एलजी और सरकार के बीच तकरार होती रहती है। इसके पहले जो भी एलजी आए, उनके साथ दिल्ली सरकार का तालमेल ठीक नहीं रहा। इसे लेकर दिल्ली सरकार ने अदालती लड़ाई भी लड़ी। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि चुनी हुई सरकार को ही नीतियों से संबंधित फैसले करने का अधिकार है। एलजी को उसमें दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। इसके बाद केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर सरकार की सारी शक्तियों को उपराज्यपाल में केंद्रित कर दिया। इसे संविधान की मूल भावना के विरुद्ध उठाया गया कदम बताते हुए चुनौती दी गई है। मगर इसके बाद से दोनों के बीच अंतहीन तकरार जारी है। जाहिर है इसका सीधा असर दिल्ली सरकार की सेवाओं और जनसामान्य पर पड़ना तय है।

सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

डॉ. सत्यवान सौरभ

पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है - हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नही है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद काग़ज़ के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नही अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

कांग्रेस से इतने नाराज़ क्यों नज़र आते हैं प्रधानमंत्री ?

श्रवण गर्ग

तेलंगाना के साथ संपन्न होने जा रहे पांच राज्यों के चुनाव नतीजे चाहे जैसे निकलें,एक बात तय मानकर चल सकते हैं कि तीन दिसंबर के तत्काल बाद प्रारंभ होने वाले लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान विपक्षी दलों(यहाँ गांधी परिवार ही पढ़ें) के ख़िलाफ़ सत्तारूढ़ दल भाजपा के हमलों की आक्रामकता पराकाष्ठा पर पहुँचने वाली है। विधानसभा चुनावों में भाजपा के धुआँधार प्रचार के दौरान देश की जनता ने प्रधानमंत्री के भाषणों में कांग्रेस के प्रति जिस तरह के क्रोध और वैचारिक हिंसा से भरे शब्दों से साक्षात्कार किया उसे लोकसभा चुनावों की रिहर्सल भी माना जा सकता है। चुनावों में पड़े मतों की तीन दिसंबर को होने वाली गिनती में सत्तारूढ़ दल को अगर उसकी 'अंदरूनी' उम्मीदों के मुताबिक़ भी कामयाबी नहीं हासिल होती है तो पार्टी में व्याप्त होने वाली निराशा उसकी विभाजन की राजनीति की धार को और तेज कर सकती है।

प्रधानमंत्री द्वारा राज्यों के चुनाव भी स्वयं का चेहरा ही सामने रखकर लड़ने की रणनीति को लोकसभा चुनावों के लिए व्यक्तिगत लोकप्रियता और जनता के बीच अपनी स्वीकार्यता पर प्रारंभिक जनमत-संग्रह भी माना जा सकता है। पाँचों राज्यों की आबादी भी लगभग पच्चीस करोड़ है और वे उत्तर-पूर्व (मिज़ोरम) से पश्चिम और दक्षिण(तेलंगाना) तक फैले हुए हैं। आत्मविश्वास से भरा एक ऐसा राजनेता जिसने पहले से घोषणा कर रखी हो कि लालक़िले से अगले साल भी तिरंगा वही फहराने वाला है ,विधानसभा चुनावों में पार्टी की पराजय को लोकसभा चुनावों के दौरान अपनी व्यक्तिगत जीत में बदल देने की सामर्थ्य भी प्रकट कर सकता है ! महाभारत के अर्जुन को जिस तरह मछली की आँख ही नज़र आती थी ,प्रधानमंत्री की दृष्टि भी भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और अपने आप को 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करने पर टिकी हुई है !

विधानसभा चुनाव-प्रचार के दौरान, विशेषकर राजस्थान के विभिन्न स्थानों यथा चित्तौड़गढ़, उदयपुर, भीलवाड़ा और बाड़मेर,आदि में मोदी द्वारा अपनाई गई आक्रामक भाव-भंगिमा और स्थान की ज़रूरत के मुताबिक़ दिए गए भाषणों की अगर निष्पक्ष शल्यक्रिया की जाए तो प्रधानमंत्री का एक ऐसा व्यक्तित्व उभरता है जो राजनीतिक विरोधियों के प्रति क्रोध से भरा हुआ है और समर्थकों-मतदाताओं को कुछ ऐसा करने के लिए प्रेरित करता नज़र आता है जैसा पिछले किसी भी चुनाव या उपचुनाव में नहीं देखा गया। देश के प्रधानमंत्री के इस स्वरूप का दर्शन कल्पना से परे माना जा सकता है जब माथे पर जोधपुरी साफ़ा धारण किए उन्होंने बाड़मेर के 'बायतु' की सभा में लोगों का आह्वान करते हुए कहा : भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो रही है तो कांग्रेस घबरा गई है। जिन्होंने प्रदेश को लूटा है उन्हें जेल जाना होगा। 'जैसे उन्हें फाँसी दे रहे हो न कमल के निशान पर ऐसे बटन दबाओ।'

कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने बाद में प्रतिक्रिया व्यक्त की कि प्रधानमंत्री की कांग्रेस के प्रति घृणा का सहज अंदाज़ा उनके बयान से लगाया जा सकता है। प्रधानमंत्री के पद पर बैठा कोई व्यक्ति वोट के ज़रिए फाँसी देने की बात कैसे कर सकता है ?

कमल के निशान वाले बटन को दबाते हुए फाँसी देने की बात उसी तरह के विचार की पुनराभिव्यक्ति है जो पार्टी के असहिष्णु मुख्यमंत्रियों/नेताओं द्वारा सांप्रदायिक आधार पर दी जाने वाली इस तरह की चेतावनियों में सामने आता रहा है कि : 'बुलडोज़र चलवा दूँगा', 'ज़मीन में गड़वा दूँगा' और 'देश के ग़द्दारों को, गोली मारी सालों को'। या फिर जो पिछले कुछ सालों में सड़कों पर देखी गई मॉब लिंचिंग की घटनाओं अथवा कथित 'धार्मिक संसदों' के उत्तेजक संबोधनों में प्रकट हो चुका है ! प्रधानमंत्री ने अपने प्रथम कार्यकाल की शुरुआत ही देश को कांग्रेस से मुक्त करने के नारे के साथ की थी। अब तीसरी पारी की शुरुआत के पहले देश की सबसे पुरानी पार्टी को चुनावी बटन के ज़रिए फाँसी देने का विचार देश में विपक्ष की ज़रूरत के प्रति उनके तीव्र विरोध को उजागर करता है। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री के भाषणों से जो ध्वनि निकली उसमें जनता से जुड़े मुद्दों पर संवाद के ज़रिए पार्टी को जीत हासिल कराने की कोशिशों के बजाय पराजय को किसी भी क़ीमत पर स्वीकार नहीं करने का भाव ही ज़्यादा मुखरता से व्यक्त हुआ। ठीक उसी तरह जैसे अत्यधिक आत्मविश्वास के बावजूद जब अमेरिकी जनता ने डॉनल्ड ट्रम्प को हरा दिया तो वे अपनी पराजय को इतने सालों के बाद आज तक भी स्वीकार नहीं कर पाए हैं।

यही कारण रहा कि उनके समर्थक भी हार मानने के लिए तैयार नहीं हुए और 6 जनवरी 2020 को वाशिंगटन स्थित अमेरिकी संसद पर जो कुछ हुआ उसे भारत सहित सारी दुनिया ने देखा। तीन दिसंबर की मतगणना के बाद मनोवैज्ञानिकों/ चुनावी विशेषज्ञों की किसी टीम को 'बायतु' के नतीजों का विश्लेषण करने के लिए रवाना किया जाना चाहिए।

वह टीम वहाँ पहुँचकर न सिर्फ़ इतने अधिक मतदान (83.44 प्रतिशत) के कारणों का पता लगाए, इस बात का विश्लेषण भी करे कि प्रधानमंत्री की 'फाँसी वाली' अपील का क्षेत्र के मतदाताओं के दिलो-दिमाग़ पर क्या प्रभाव पड़ा ? टीम द्वारा जुटाई जाने वाली जानकारी लोकसभा चुनावों की दृष्टि से देश के राजनीतिक दलों के लिए काफ़ी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है !

http://shravangarg1717.blogspot.com

चीन की नई बीमारी क्या फिर पड़ेगी दुनिया को भारी ?

ऋतुपर्ण दवे

एक बार फिर पूरी दुनिया चीन में बच्चों में फैली रहस्मय बीमारी को लेकर बेहद खौफजदा है। ढ़ीठ चीन पहले की तरह ऐंठा हुआ है कि किसी नई बीमारी के संकेत वहां नहीं मिले हैं। जो हैं सभी पहले से मालूम बैक्टीरिया-वायरस हैं जो बच्चों में फैल रहे हैं। इधर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जब रहस्यमयी बीमारी के बारे में पूछताछ की उसने बताया कि कुछ भी असामान्य नहीं है। यह साधारण बीमारी है। लेकिन उसकी चालबाजी यहीं समझ आती है कि जब बीमारी सामान्य है तो फिर क्यों विशेषज्ञ इसकी वजह कोविड पाबंदियों को हटाना, इन्फ्लूएंजा, बच्चों में एक आम जीवाणु संक्रमण यानी माइकोप्लाज्मा निमोनिया और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस यानी आरएसवी को बताते हैं? कहीं चीन बीमारी की सच्चाई जानकर भी दुनिया को दोबारा धोखा देने की फिराक में तो नहीं? क्यों विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लोगों से अपील कर रहा है कि साफ-सफाई का ध्यान रखें और श्वांस संबंधी किसी भी लक्षणों पर तुरंत डॉक्टर से मिलें! इधर पड़ोसी नेपाल ने न केवल अलर्ट जारी किया बल्कि बीमारी की जानकारी न देने पर चीन से नाराजगी भी जताई है। कोविड-19 सरीखे लक्षणों वाली नई बीमारी के चीन में जितने भी टेस्ट हुए हैं उनमें चीन ने कोरोना को खारिज किया गया है। लेकिन क्यों विशेषज्ञ इतने दिनों के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? बीमारी कैसे फैल रही है? पिछले दो-तीन बरसों में ऐसी क्यों नहीं फैली? इसे लेकर चीन खामोश है। इसी 13 नवंबर को उसके राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया था कि वहां एक नया संक्रमण तेज फैल रहा है। बच्चे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं। उत्तरी भागों में पिछले तीन बरसों के मुकाबले इस अक्टूबर मध्य से एकाएक फैल तेजी से पैर पसारा। इंफ्लूंएंजा अमूमन जल्द काबू आता है। अभी जब नहीं आया तब 21 नवंबर को तब सार्वजनिक रोग निगरानी प्रणाली (प्रोमेड) ने उत्तरी चीन में रहस्यमय न्यूमोनिया जैसी बीमारी सार्वजनिक की। देखते-देखते अस्पताल मरीजों ऐसे भरने लगे जो रुकने का नाम ही ले रहे। यहीं से चिंता और चीन के पुराने झूठ और दोगलेबाजी पर ध्यान जाने लगा? इधर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को चेताया कि बीमारी के जोखिम को कम करने खातिर टीकाकरण और मरीजों से जरूरी दूरी बनाकर क्वारांटाइन करें और ऐतिहातन जांच कराएं। मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथ धोने जैसी बातों का पालन हो। भारत सतर्क है लेकिन ज्यादा कुछ कहने से गुरेज कर रहा है। यह संक्रमण महामारी बनेगा या नहीं? यह भविष्य के गर्त में है। यह सही है कि पिछले दो-तीन माहों से भारत में बुखार का एक अजीब दौर दिख रहा है। जिसमें मरीज को पूरी तरह से ठीक होने में 10 से 15 दिन लगते हैं। ऊपर से पूरा शरीर टूटता है तथा जबरदस्त कमजोरी के साथ खांसी की शिकायत भी रहती है। चीन का रहस्यमय इन्फ्लूएंजा भी दूसरे लक्षणों को जोड़ तेज बुखार और प्रभावितों की सांस पर कोरोना सरीखे भारी पड़ रहा है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि ऐसी कोई भी बीमारी या मिलते-जुलते लक्षण दिखें तो तुरंत जांच व परामर्श लिया जाए क्योंकि संक्रमण तेजी से फैलता है और संपर्कियों को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। प्रायः वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण बुखार पैदा करता है जो ठंड में या दूसरे मौसम में भी संभव है। इसमें नाक बहना, खांसी, सांस की लघुता यानी शॉर्टनेस ऑफ ब्रीद(एसओबी), उल्टी और दस्त भी हो सकता है। सभी मामलों में जरूरी नहीं कि यही लक्षण हों। इसके कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं जैसे एडेनो वायरस, इन्फ्लूएंजा वायरस, एंटरोवायरस, राइनोवायरस और कोविड वायरस जैसे तमाम वायरस जिम्मेदार हैं।

वहीं कुछ सामान्य से बैक्टीरिया और कुछ असामान्य बैक्टीरिया जैसे स्पाइरोकेट्स जिससे सिफलिस और लाइम रोग तो लेप्टोस्पाइरा से नाक, मुंह, आंखों में जानवरों के मल-मूत्र से दूषित पानी या मिट्टी के चोटिल त्वचा पर लगने से फैल कर जीवन-घातक बीमारियों में बदल जाता है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अजीब चीनी निमोनिया को लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स और ग्लोबल संक्रामक रोग मॉनिटरिंग सर्विस की रिपोर्टों का हवाला दिया है। यह भी कहा है कि ये सभी सांस के संक्रमण के मामले नहीं हैं जो चिंताजनक है। वैज्ञानिक और रिसर्चर कड़ी निगरानी की बात कहते हैं। बीजिंग से करीब 700 किलोमीटर दूर लिओनिंग में तेजी से फैल रही बीमारी बच्चों को निशाना बना रही है। हालात बेकाबू हैं। अस्पतालों में जगह नहीं है। स्कूलों बन्द हो चुके हैं। चीन कुबूलता तो है कि बीमारी बढ़ी है। लेकिन कोरोना के सरीखे रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए है।

लाड़ली बहना गेम चेंजर नहीं गेम डेंजर

भूपेन्द्र गुप्ता

मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव में वोट डल चुके हैं। मशीन बंद हो चुकी है।विश्लेषण की दुनिया शुरू हो चुकी है और संभावनाओं की गरमा गरम बहस चल रही है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि लाड़ली बहना योजना ने गेम चेंजर का रोल अदा किया है । इस आधार पर वे एक इनकम्बेंट सरकार की वापसी का नरेटिव बनाने की चेष्टा कर रहे हैं । जबकि लाड़ली बहना योजना भाजपा सरकार के लिए गेम चेजर नहीं बल्कि गेम डेंजर योजना साबित होने वाली है ।अगर बारीकी से विश्लेषण करें तो मध्य प्रदेश में लगभग 2 करोड़ 73 लाख महिला मतदाता पंजीकृत हुए हैं जिनमें से सरकारी दावों के अनुसार एक करोड़ 31 लाख महिलाएं लाड़ली योजना की हितग्राही है ।जबकि एक करोड़ 42 लाख महिला मतदाता वे हैं जो लाड़ली बहना योजना की हितग्राही नहीं हैं। उन्हें अपात्र घोषित किया जा चुका है । कांग्रेस द्वारा घोषित नारी सम्मान योजना में पात्रता का बंधन न होने के कारण ये एक करोड़ 42 लाख महिला मतदाता नारी सम्मान योजना की आकांक्षी मतदाता हैं। वे अपात्रता के कारण इस योजना के विरुद्ध हैं।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन जिसमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, परित्यकता पेंशन ,दिव्यांग पेंशन आदि शामिल है ,के लगभग 49 लाख 20 हजार हितग्राही हैं। इनकी पेंशन विगत कई महीनों से रुकी हुई है।इनमें भी अधिकांश महिला मतदाता हैं जिनका मानना है कि उनकी पेंशन रोककर ही लाड़ली बहना योजना का भुगतान किया गया है। जिसे यह मतदाता समूह भाजपा की चालाकी मानकर नाराज है। माना जा सकता है कि उसने भाजपा के खिलाफ मतदान में लाड़ली को काउंटर किया है। लाड़ली बहना के हितग्राहियों में भी बहुत सारी महिलाओं का यह मानना है कि जब तक कमलनाथ जी ने 1500 रुपये की घोषणा नहीं की थी तब तक वे लाड़ली क्यों नहीं थीं? इस प्रश्न ने भी भाजपा के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। अगर उन पांच आदिवासी जिलों को देखें जहां पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की जनसंख्या अधिक है,तो वहां महिलाओं के मत प्रतिशत में औसतन 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है जिसका अर्थ है कि यह योजना आदिवासी अंचलों तक या तो नहीं पहुंची,या उन्हें आकर्षित करने में फेल हुई है। बड़ी मात्रा में युवाओं ने मतदान में हिस्सा लिया है।बीस से तीस वर्ष आयु के लगभग डेढ़ करोड़ मतदाता वे हैं जो एक या दो बार भाजपा सरकार को देख चुके हैं।वे बेरोजगारी का शिकार हैं।यह संख्या भी लाड़ली बहना के हितग्राहियों से अधिक है।जो भाजपा के खिलाफ सक्रिय लहर बनाने में उत्प्रेरक रहे हैं।इनमें 12 लाख पटवारी परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी एवं शिक्षक भर्ती में रोके गये पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण लगभग एक लाख युवा शामिल हैं ।कोविड काल का पैरा मेडीकल स्टाफ,कोरोना वारियर,एनआरएचएम भर्ती घोटाले एवं कान्स्टेबिल भर्ती के शिकार भी सरकार के खिलाफ बैठकें ले रहे थे। हालांकि चुनाव के पूर्व ही सरकार ने खाद वितरण की व्यवस्था कर ली थी ताकि किसान आक्रोश से बचा जा सके। एन मतदान के पूर्व ही 14 -15 नवंबर को खाद की किल्लत होने से किसान आक्रोशित हो गया और सरकारी प्रयास विफल हो गये। जबकि किसान पहले से ही जय किसान फसल ऋण माफी योजना से आश्वस्त था और भाजपा सरकार से नाराज था।

अब एक माह तक खूब बजाएं शंख

नहीं होगी धन की कमी, सेहत भी सुधरेगी

मार्गशीर्ष या अगहन मास में जानें शंख बजाने के फायदे। मार्गशीर्ष या अगहन मास में जानें शंख बजाने के फायदे। 28 नवंबर से मार्गशीर्ष या अगहन मास की शुरुआत हो रही है। श्रीकृष्ण को यह मास अत्यधिक प्रिय है।

श्रीकृष्ण के पाञ्चजन्य शंख की महिमा तो आप सबने सुनी होगी।

जैसे श्रीकृष्ण को पाञ्चजन्य शंख प्रिय है, वैसे ही उनको मार्गशीर्ष मास भी अति प्रिय है। मार्गशीर्ष मास को ही अगहन मास कहा जाता है। 27 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ ही कार्तिक मास का समापन हो जाएगा। वहीं 28 नवंबर से मार्गशीर्ष मास की शुरुआत हो जाएगी। इस माह में शंख बजाने से आर्थिक और शारीरिक दोनों तरह से उन्नति होती है।

मान्यता है कि अगहन मास में प्रतिदिन सुबह पूजा के बाद अपने लड्डू गोपाल से प्रार्थना करते हुए शंख बजाना चाहिए। ऐसा करने से श्रीकृष्ण प्रसन्न होंगे और आपकी प्रार्थना सुनेंगे। यदि आप सुबह-शाम दोनों समय शंख बजाएं तो घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने से मां लक्ष्मी, रिद्धि-सिद्धि का वास होता है। ऐसे में घर में धन की कमी दूर होती है। वहीं यदि आप शंख बजाना नियमित रखें तो ऐसा लाभ आपको मिलता रहेगा।

शंख बजाने के कुछ शारीरिक फायदे

– शंख बजाने से गुदाशय की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। मूत्रमार्ग, मूत्राशय, निचले पेट, डायाफ्राम, छाती और गर्दन की मांसपेशियों के लिए यह बेहतर साबित होता है।

– शंख बजाने से श्वास लेने की क्षमता में सुधार होता है। इससे हमारी थायराइड ग्रंथियों और स्वरयंत्र का व्यायाम होता है।

– जब हम शंख बजाते हैं तो हमारे चेहरे की मांसपेशियां में खिंचाव आता है, जिससे झुर्रियां घटती हैं।

– शंख में 100 प्रतिशत कैल्शियम होता है। रात को शंख में पानी भरकर रखें और सुबह उसे अपनी त्वचा पर मालिश करें। इससे त्वचा संबंधी रोग दूर हो जाएंगे।

– शंख बजाने से तनाव दूर हो जाता है, क्योंकि शंख बजाते समय दिमाग से सारे विकार चले जाते हैं।

– शंख बजाने से दिल के दौरे से भी बच सकते हैं। नियमित रूप से शंख बजाने वाले को कभी हार्ट अटैक नहीं आता। ब्लॉकेज खुल जाते हैं।

– नासा के अनुसार: शंख बजाने से खगोलीय ऊर्जा का उत्सर्जन होता है जो जीवाणु का नाश कर ऊर्जा व शक्ति का संचार करता है।

– शंख बजाने से सांस संबधी समस्याएं दूर होती हैं। गले और फेफड़ों में रोग नहीं होते। स्मरण शक्ति भी बढ़ती है।

– वैज्ञानिक मानते हैं कि शंख फूंकने से उसकी ध्वनि जहां तक जाती है, वहां तक के अनेक बीमारियों के कीटाणु ध्वनि-स्पंदन से मूर्छित हो जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं।

– शंख में कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस पाए जाते हैं। यह हड्डियों को मजबूत करने के लिए जरूरी होते हैं। शंख में रखें पानी का सेवन करें।

शंख बजाने के नियम

– घर में एक नहीं, 2 शंख रखें। बजाने वाले की शंख की पूजा न करें और पूजा करने वाले शंख को न बजाएं।

– पूजा वाले शंख से ही भगवान का अभिषेक करें। बजाने वाला शंख जूठा माना जाता है। उसे अलग रखें।

– भगवान के पास एक ही शंख रखें, जिसकी पूजा करनी हो।

– दूसरा शंख पूजा घर या मंदिर के आसपास सफेद रंग के कपड़े में लपेट कर रखें।

– शंख को बजाने से पहले उसे धो लें, अगर गंगाजल से धुलें तो अत्यंत श्रेष्ठ है।

– पूजा वाले शंख में जल भर कर ही रखें। नियमित रूप से पूजा के बाद घर में इस जल का छिड़काव करें।

– शंख सुबह और शाम के समय ही बजाना चाहिए। इसके अलावा किसी अन्य समय नहीं बजाना चाहिए।

– बजाने वाले शंख में भी जल भर कर रखें। उसका आप सेवन कर सकते हैं, शारीरिक विकार दूर होंगे।

ये रत्न बदला सकता है जिंदगी

बच्चे का पढ़ाई में लगेगा खूब मन

अक्सर देखा जाता है कि बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता या फिर उनका मन इधर-उधर बहुत भटकता है। कभी घूमने में तो कभी खेलने में।लेकिन एक घंटा भी बैठकर पढ़ना उनके लिए किसी पहाड़ तोड़ने से काम नहीं होता।इस वजह से उनके एग्जाम में मार्क्स भी खराब आते हैं।लेकिन आज हम आपको बताने वाले कैसे ऐसे रत्न के बारे में जिसको धारण करते ही आपके बच्चे का दिमाग घोड़े की तरह तेज दौड़ेगा।

बृहस्पति को मजबूत करता है पुखराज

संतोष चौबे ने बताया पुखराज विशेष तौर पर बृहस्पति ग्रह को मजबूत करता है। बृहस्पति ग्रह को गुरु ग्रह भी कहते

है। इसलिए आपकी कुंडली में जब गुरु दशा मजबूत होती है।तब गुरु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और फिर ज्ञान प्राप्त करना काफी आसान हो जाता है। कठिन से कठिन ज्ञान उसे व्यक्ति के लिए काफी आसान हो जाता है जिस पर गुरु की नजर पड़ती है। उन्होंने आगे बताया गुरु कमजोर होने की वजह से ही अक्सर पढ़ाई से मन भागता है। एक जगह मन नही लगता और लंबे समय तक एक चीज पर मन टिक नहीं पाता। यही कारण है कि बच्चे ज्ञान अर्जित नहीं कर पाते। लेकिन, पुखराज पहनते ही गुरु की दशा मजबूत होने लगती है। जिससे यह सारी समस्या धीरे-धीरे छूमंतर हो जाती है और बच्चे को पढ़ाई में मन लगने लगता है।

बड़े-बड़े ओहदे पर बैठते हैं ऐसे लोग संतोष बताते हैं जिस पर गुरु की विशेष कृपा होती है और जिनकी कुंडली में बृहस्पति मजबूत होता है।वह बड़े-बड़े ऊंचे पोस्ट पर बैठते हैं। बड़े अधिकारी बनते हैं और सरकारी कंपटीशन भी आसानी से क्रैक कर लेते हैं।क्योंकि उनके लिए एक जगह एक- दो साल तक मन को टीका कर रखना कोई बड़ी बात नहीं रह जाती। उन्होंने आगे बताया हालांकि, रत्न को धारण करने के पहले एक बार अपनी कुंडली ज्योतिष आचार्य के पास जाकर जरूर दिखा ले।कई बार रत्न लोगों को सूट नहीं करती। इसीलिए ऐसे ही कोई भी रत्न को धारण भूल कर भी ना करें। अन्यथा इसका दुष्प्रभाव भी झेलना पड़ सकता है।

दिन में तीन बार बदलता है मां का रूप

यहां स्थापित है 1000 साल पुरानी देवी प्रतिमा

माता मक्रवाहिनी के बारे में कहा जाता है कि वह दिन में तीन बार रूप बदलती हैं। जबलपुर शहर के बीच में कमानिया गेट के पास

ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती ने महाआरती कर मंदिर के महात्म्य को रेखांकित किया था। साथ ही इस मंदिर को मां मक्रवाहिनी तीर्थ का नाम दिया था। विश्व की एकमात्र सबसे प्राचीन मां त्रिपुर सुंदरी की तरह मक्रवाहिनी भी दिन में तीन बार अपना रंग बदलती हैं। इसकी पुष्टि मां नर्मदा के सभी अवतरण कथाओं से होती है। बताया जाता है कि यह प्रतिमा कलचुरी काल में सैंडस्टोन से बनवाई गई थी।

अलग-अलग स्वरूप में होते हैं माता के दर्शन

मंदिर में मौजूद लोगों का कहना है कि माता दिन में तीन बार अपना रंग बदलती है, अगर आप वहां रहेंगे तो आपको समझ में आएगा की माता का स्वरूप सुबह के वक्त कुछ और रहता है दोपहर और शाम के वक्त कुछ और। माता मक्रवाहिनी को माता नर्मदा का ही स्वरुप कहते हैं। माता मक्रवाहिनी के इस मंदिर के नीचे जो भी कुएं होते थे, इसके पानी का स्वाद नर्मदा जल जितना ही मीठा और स्वादिष्ट होता था।

मंदिर में आज भी पुराने जमाने के 7 कुएं

जिस जगह पर मंदिर बना है, वहां बताया जाता है कि उसके पहले 7 कुएं थे, जो आज भी मौजूद हैं। उनमें से एक के ऊपर माता मक्रवाहिनी स्वयं विराजित हैं। मंदिर प्रबंधक द्वारा उन सभी कुंओं को बंद कराकर उनके ऊपर मंदिर बना दिया गया है। सिर्फ एक ही कुएं को चालू रखा गया है। उस कुएं में आज भी पुराने जमाने के पत्थर लगे हैं। उसके ऊपर माता मक्रवाहिनी का मंदिर बना है।

मध्यरात्रि में होता है हवन

जबलपुर के बीचोबीच स्थित इस छोटी सी जगह में 7 कुएं एक साथ होना अपने आप में बड़ी बात है। मंदिर में माता का हवन भी मध्य रात्रि में शुरू होकर ब्रह्म मुहूर्त में खत्म होता है, साथी ही कई विशाल आरतियों के साथ इस मंदिर में हर साल ग्यारस के दिन महाआरती की जाती है।

विभीषण के डर से इस मंदिर में छुपे थे गणेश जी, 273 फीट चढ़कर पहुंचते हैं भक्त

भगवान गणेश के बहुत से प्राचीन मंदिर हैं, लेकिन एक मंदिर ऐसा है जो अपनी प्राचीनता के कारण ही नहीं, बल्कि गणपति जी की दंतकथा के कारण भी प्रसिद्ध है। तमिलनाडू के तिरुचिरापल्ली के रॉक फोर्ट पहाड़ी पर स्थिति भगवान का ये मंदिर बेहद खूबसूरत भी नजर आता है। इस मंदिर पर पहुंचने के लिए भक्तों को 273 फुट की ऊंचाई तय करनी होती हैं। मंदिर में करीब 400 सीढ़ियां हैं जिन्हें चढ़ कर गणपति जी के दर्शन किए जा सकते हैं। इस मंदिर के बनने के पीछे बेहद ही रोचक दंतकथा है और इस कथा से पता चलता हैं यहां इस मंदिर का निर्माण क्यों हुआ।

उच्ची पिल्लयार मंदिर

तमिलनाडू के तिरुचिरापल्ली का भगवान गणेश का उच्ची पिल्लयार मंदिर 7वी शताब्दी का है और ये मंदिर त्रिची के एक रॉक फोर्ट पर स्थित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश, विभीषण से छुपते हुए यहां आकर छुपे थे और बाद में

यहीं इनका मंदिर बना दिया गया। इस मंदिर में कहा जाता है कि दर्शन करने से भी मनुष्य के कई संकट दूर हो जाते हैं। विभीषण से छल कर गणपतिजी ने रंगनाथ की प्रतिमा जमीन पर रख दी थी रावण का वध के बाद भगवान श्रीराम ने अपना ही एक स्वरूप रंगनाथ की प्रतिमा विभिषण को दी थी और कहा था कि वह इस प्रतिमा को अपने साथ लंका ले जा कर स्थापति कर दें। यह बात जब देवताओं ने सुनी तो उन्होंने गणपति जी से कहा कि विभिषण लंका में भगवान रंगनाथ की प्रतिमा स्थापति कर देंगे और वे नहीं चाहते कि विभिषण ऐसा करें। भगवान श्रीराम ने विभिषण को प्रतिमा देते हुए कहा था प्रतिमा को जमीन जहां रखा जाएगा प्रतिमा वहीं रह जाएगी। विभीषण त्रिचि पहुंचे तो वहां पर कावेरी नदी में उन्हें स्नान का मन हुआ, लेकिन प्रतिमा जमीन पर रखी नहीं जा सकती थी। तभी उन्हें एक बालक गाय चराते हुए नजर आया और विभिषण ने प्रतिमा उसे पकड़ा कर जमनी पर न रखने का अनुरोध किया। यह बालक गणपति जी थे। विभिषण के स्नान के जाते ही वह प्रतिमा जमीन पर रख दिए। यह देख कर विभिषण क्रोधित हो उठे।

विभीषण से डर कर पर्वत पर भागे थे बप्पा

प्रतिमा जमीन पर से विभीषण ने उठाने का बहुत प्रयास किया लेकिन वह प्रतिमा वहीं रह गई। इससे क्रोध हो कर विभिषण बालक की ओर भागे। अपनी ओर विभिषण को आता देख भगवान गणेश भागते हुए पर्वत के शिखर पर पहुंच गए लेकिन आगे रास्त नहीं था। विभिषण भी गुस्से में वहां तक पहुंच आए और गणपति जी के सिर पर वार कर दिया। तभी गणपति जी ने अपने असली रूप को विभिषण के समक्ष पेश किया और तब विभिषण को ज्ञात हुआ कि ये तो गणपति जी है और उनसे उन्होंने क्षमा मांगी। विभीषण के वार से गणपति जी को चोट लगी थी वह उनकी प्रतिमा में आज भी नजर आती है।

मंदिर में छह बार होती है आरती

तिरूचिरापल्ली को इसके प्राचीन नाम थिरिसिपुरम के नाम से भी पुकारा जाता है। मान्यता है कि यहां के पर्वत की तीन चोटियों को पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश आज भी वास करते हैं। मंदिर में भगवान गणेश की पूजा के बाद 6 बार आरती की जाती है।

एक ऐसा मंदिर जहां काली माता ने चोरों से की थी खुद की रक्षा तेंदुए भी आते हैं दर्शन के लिए

जयपुर में स्थित 1071 साल पुराने कालक्या माता के मंदिर का वर्णन करते हुए, यहां एक अद्वितीय मंदिर है जो प्राचीन पहाड़ियों के बीच स्थित है। इस मंदिर को लोग दूर-दूर से आकर काली माता के दर्शन के लिए प्राप्त करने के लिए आते हैं। माता काली यहां अपने भक्तों को दो रूपों, शस्त्रधारी रूप रुद्र और करूण, में प्रकट करती हैं।

इस मंदिर में दो माताएं एक साथ हैं, जिनमें पहली माता एक हाथ में फरसा और दूसरे में खप्पर धारण करती हैं, जबकि दूसरी माता के हाथ में तलवार और त्रिशूल होते हैं। इन माताओं के चेहरे पर सिंदूर का चोला होता है, जिससे उनके शस्त्रों के दर्शन किसी को नहीं होते हैं। यह मंदिर झालाना सफारी क्षेत्र में स्थित है और यहां की विशेष मान्यता है कि दो बहनों का जोड़ा यहां विशेष रूप से माता के दर्शन के लिए जरूर आता है।

सफारी के तेंदुआ भी करते हैं माता के दर्शन

मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोगों के अनुसार, माता के मंदिर में कई बार सफारी के तेंदुए भी आते हैं और माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। यह तेंदुए, कई बार मंदिर के अंदर तक पहुंचे है, लेकिन आज तक किसी को उनसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि दरियाई नारियल का आधा पात्र, जिसमें साधु भिक्षा मांगने के लिए आते है, माता के मूर्ति के हाथ में रहता है और यहां के पुजारी के अनुसार, इस पात्र को भगवान शंकर ने माता को दिया था। यह पात्र मां शत्रुओं के खिलाफ युद्ध करती थीं, और इसे भरकर माता ने शत्रुओं का रक्तपान किया था। यहां के पुजारी बताते हैं कि माता रानी यहां दोनों रूपों में दर्शन देती हैं और कालक्या माता बावड़ी के ऊपर विराजमान हैं।

मंदिर में चोर आए तो माता समा गयी थी बावड़ी में

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि उनके पूर्वज, जब मंदिर में पूजा करते थे, तब मंदिर में पहले माता की तीन मूर्तियां स्थापित थीं। एक बार मंदिर में चोर आकर माता की सोने की मूर्ति चुरा ने के लिए आए, तब माता बावड़ी में समा गईं। दूसरे दिन पुजारी आए तो बावड़ी में से आवाज आई कि डकैत मुझे लूटने आए थे, इसलिए मैं बावड़ी में समा गई हूं। अब मेरी दो बहनों की मूर्तियां खेजड़ी के दो पेड़ों के नीचे हैं। बाद में मंदिर के पुजारी ने माताओं को फिर से मंदिर में स्थापित किया। वर्तमान समय में मंदिर में स्थापित मूर्तियां खेजड़ी से ही निकाली गईं थीं। कालक्या माता मंदिर अपनी विस्मयकारी वास्तुकल और जटिल नक्काशी और जीवंत चित्रों से सुसज्जित है, और यह मंदिर सर्वोत्कृष्ट राजस्थानी शैली का प्रदर्शन करता है।

मलाइका नहीं थीं छैंया-छैंया गाने की पहली पसंद

फराह खान बोलीं- रवीना, शिल्पा के ठुकराने के बाद शूटिंग से 2 दिन पहले हुई उनकी कास्टिंग

1998 की फिल्म दिल से के गाने छैंया-छैंया से मलाइका अरोड़ा को पॉपुलैरिटी मिली थी। गाना हिट रहा और मलाइका को छैंया-छैंया गर्ल नाम से पहचान मिल गई, हालांकि वो इस गाने के लिए पहली पसंद नहीं थीं। इस गाने में सबसे पहले रवीना टंडन को लिया जा रहा था और उनके बाद शिल्पा शेट्टी को। हालांकि किस्मत से ये गाना मलाइका के खाते में आया, जिन्हें उस वक्त तक कोई खास पहचान नहीं मिली थी। ये किस्सा गाने की कोरियोग्राफर फराह खान ने शेयर किया है।

फराह खान हाल ही में कोलकाता में हुए अल्फा नेटवर्क के ईवेंट में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने पॉपुलर गाने छैंया छैंया पर बात करते हुए कहा, मलाइका को हमने उस गाने में शूटिंग शुरू होने के महज 2 दिन पहले साइन किया था, क्योंकि उस गाने के लिए हर हीरोइन मना कर चुकी थी। इसलिए मैं कहती हूं कि इंसान को सही वक्त में सही जगह मौजूद होना चाहिए। उस समय कोई नहीं जानता था कि मलाइका अरोड़ा कोई मॉडल हैं। आगे फराह ने कहा, मैं उसे अरबाज खान के जरिए जानती थी। हालांकि मुझे तब तक ये भी नहीं पता था कि वो अच्छी डांसर है या नहीं। हमने शिल्पा शेट्टी, रवीना से लेकर न जाने कितनी हीरोइन्स को ये गाना ऑफर किया था। हर हीरोइन किसी न किसी वजह से वो गाना करने के लिए इनकार कर चुकी थी।

वीजे हुआ करती थीं मलाइका अरोड़ा

बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने एमटीवी इंडिया में बतौर वीजे पार्टिसिपेट किया था। इसके बाद वो क्लब एमटीवी के शो में लोगों का इंटरव्यू लिया करती थीं। आगे उन्होंने सायरस का शो लव लाइन और स्टाइल चेक को-होस्ट किया था। मलाइका ने बतौर वीजे पहचान बनाने के बाद मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। सबसे पहले वो बतौर एक्टर पॉपुलर सॉन्ग गुर नालो इश्क मीठा में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें असल पहचान 1998 में रिलीज हुई फिल्म दिल से के गाने छैंया छैंया से इंडस्ट्री में पहचान मिली थी।

आलिया भट्ट का बोल्ड डीपफेक वीडियो वायरल

आलिया भट्ट का एक डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सबसे पहले एनिमल एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो वायरल होने से सुर्खियों में आ गई थीं। उनका डीपफेक वीडियो बनाने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू हो चुकी है। अब आलिया का फेक वीडियो आने से फिर एक बार AI टेक्नोलॉजी को क्रिटिसाइज किया जा रहा है।

सामने आए आलिया भट्ट के डीपफेक वीडियो में एक लड़की व्हाइट एंड ब्लू फ्लोरल ड्रेस पहने बोल्ड पोज देती नजर आई है। वीडियो में इतनी सफाई से AI टूल की मदद से आलिया का चेहरा इस्तेमाल हुआ है कि एक नजर में वो लड़की आलिया भट्ट ही लगती है। हालांकि उसके एक्शन और बॉडी पोस्चर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वीडियो फेक है।

फिलहाल वीडियो में नजर आई रही असल लड़की की कोई पहचान नहीं हो सकी है। डीपफेक वीडियो में आलिया की तरफ से भी कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

रश्मिका के चेहरे को इन्फ्लूएंसर की बॉडी में मॉर्फ किया गया

हाल ही में रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद अमिताभ बच्चन, मृणाल ठाकुर, नाग चैतन्य जैसे कई सेलेब्स उनके सपोर्ट में उतरे थे। मामला बढ़ने के कुछ समय बाद उस लड़की जारा पटेल की पहचान की गई, जिसकी बॉडी में रश्मिका का चेहरा इस्तेमाल कर डीपफेक बनाया गया था। उस लड़की ने इस मामले में सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें अपने वीडियो का गलत रूप से इस्तेमाल किए जाने की कोई जानकारी नहीं थी।

दिल्ली पुलिस ने मेटा से मांगी आरोपी को पकड़ने के लिए मदद

रश्मिका का डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने शिकायत दर्ज की है। इसके साथ ही पुलिस ने मेटा कंपनी (फेसबुक-इंस्टाग्राम) से उस खाते का URL (यूनिफॉर्म रिर्सोस लोकेटर) मांगा है, जिससे एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का डीप फेक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था।

काजोल का भी कपड़े बदलते हुए वीडियो वायरल हुआ

कुछ समय पहले काजोल का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो कपड़े बदलती दिखी थीं। फैक्ट चेक में सामने आया कि वो एक डीपफेक वीडियो था, जिसे एक इन्फ्लूएंसर ने जून में बनाया था।

अंकिता की मां के साथ सास ने किया मिसबिहेव

विक्की जैन की मां ने अंकिता पर निकाला गुस्सा, बिग बॉस को करना पड़ा हस्तक्षेप

टेलीविजन का पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 17 पिछले कुछ दिनों से अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के झगड़ों के चलते चर्चा में था। अब रविवार को विक्की और अंकिता की मां शो में दोनों के झगड़ों पर उन्हें समझाने पहुंची थीं। विक्की जैन की मां रंजना ने बातचीत में विक्की के रोने का कारण अंकिता को बताया। एकतरफा बात करते हुए विक्की की मां रंजना ने अंकिता की मां वंदना को दो बार उनके बीच बोलने से रोक दिया। ये देखकर अंकिता लोखंडे ने भी चुप्पी साध ली। रंजना जैन के व्यव्हार को देखते हुए बिग बॉस को उन्हें टोकना पड़ा।

रविवार को वीकेंड का वार एपिसोड की शुरुआत में अंकिता लोखंडे की मां वंदना लोखंडे और विक्की की मां रंजना जैन को दिखाया गया। टाइगर्स डेन में पहुंचीं दोनों अपने-अपने बच्चों को देखकर पहले तो रो पड़ीं। फिर आगे रंजना जैन ने विक्की के परेशान रहने की वजह पूछी। विक्की ने उन्हें बताया कि शो में हर कोई उन्हें गलत समझता है। इस दौरान जब अंकिता की मां ने विक्की से पूछा कि आपको क्या गलत समझा जाता है, तो उतने में विक्की की मां ने मिसबिहेव करते हुए उन्हें टोक दिया और कहा कि हमें सुनने दो, हम उत्तर देंगे उसका। जब एक और बार अंकिता की मां विक्की से बात करने की कोशिश करती हैं तो रंजना जैन फिर उन्हें बुरी तरह चुप करवा देती हैं। रंजना ने शो में पहुंचकर अंकिता लोखंडे को भी खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने गुस्से में विक्की जैन से कहा कि तुमने अंकिता को बहुत छूट दे दी है। ये सुनकर अंकिता भी दंग रह गईं और पूछा कि क्या छूट दी है। रंजना ने ये भी कहा कि अंकिता उन्हें चप्पल फेंककर मारती है, लात मारती है, ये सब देखकर उन्हें ठेस पहुंची है। कुछ समय बाद जब अंकिता ने अपनी मां से पूछा कि गेम कैसा चल रहा है, तब भी विक्की की मां ने उन्हें बोलने से रोक दिया। इस बार बिग बॉस को इंटरफेयर कर बोलना पड़ा कि सवाल अंकिता की मां से पूछा गया है, जवाब भी वही देंगी। शो में उनका रवैया बिग बॉस के कई फैंस को पसंद नहीं आया। रंजना जैन की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग शुरू हो चुकी है। यही कारण है कि अंकिता लोखंडे रविवार को ट्विटर पर ट्रेंड कर रही हैं।

सोसायटी अचीवर्स अवॉर्ड में सेलेब्स दिखे सुनील शेट्टी, गीता बसरा, मधुर भंडारकर

रविवार की रात मुंबई में 'सोसायटी अचीवर्स अवॉर्ड' इवेंट हुआ। इस इवेंट में बी-टाउन सेलेब्स भी नजर आए। इवेंट में अहाना कुमरा शिमर स्लिट ड्रेस में दिखीं। डायरेक्टर मधुर भंडारकर फॉर्मल ब्लैक आउटफिट में नजर आए। सुनील शेट्टी और मधुर भंडारकर ने साथ में पोज दिया। पैपराजी ने सुनील शेट्टी को 'अन्ना' कहकर बुलाया। बिग बॉस 17 की एक्स कंटेस्टेंट सोनिया बंसल व्हाइट साड़ी में ग्लैमरस नजर आईं। बता दें, इस सीजन बिग बॉस 17 शो से बाहर निकलने वाली सोनिया पहली कंटेस्टेंट थीं। गीता बसरा ग्रे सिल्क साड़ी में नजर आईं। बाबिल खान भी फुल ब्लैक आउटफिट में दिखे। हाल ही में बाबिल 'द रेलवे मैन' वेब सीरीज में दिखे थे। ये वेब सीरीज यशराज बैनर तले 18 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

उत्कर्ष शर्मा पिता अनिल शर्मा और सिमरत कौर के साथ दिखे। इस साल 'गदर-2' में उत्कर्ष और सिमरत ने साथ काम किया था। सिमरत ब्लैक सैटिन साड़ी में दिखीं। वहीं उत्कर्ष कैजुअल लुक में स्पॉट हुए। सोनू सूद भी इस इवेंट में नजर आए। एक्टर अगले साल 'फतेह' फिल्म में दिखेंगे।

दीपक तिजोरी ने लगाया मोहित सूरी पर धोखाधड़ी का आरोप

बोले- मेरा आइडिया चुराकर भट्ट साहब को सुनाया, उसी पर बनी थी फिल्म जहर

'आशिकी', 'खिलाड़ी' और 'जो जीता वही सिकंदर' जैसी फिल्मों में नजर आए एक्टर दीपक तिजोरी ने फिल्म मेकर मोहित सूरी पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं।

एक इंटरव्यू में दीपक ने कहा कि जब वो फिल्म डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रहे थे तब मोहित ने उनका आइडिया चुराकर प्रोड्यूसर महेश भट्ट को सुना दिया था। इस बारे में उन्हें डायरेक्टर अनुराग बसु ने कॉल करके बताया था।

दीपक से जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि यह फिल्म जहर थी जो 2005 में रिलीज हुई थी। इमरान हाशमी स्टारर इस फिल्म से मोहित सूरी ने डायरेक्टोरियल डेब्यू किया था।

'कहानी सुनकर भट्ट साहब बोले- मजा नहीं आया'

बॉलीवुड ठिकाना को दिए एक इंटरव्यू में तिजोरी ने कहा, 'मैं बतौर डायरेक्टर महेश भट्ट के साथ काम करना चाहता था। मैं उन्हें एक फिल्म की कहानी सुनाने गया। वो ट्रेडमिल पर थे।

15-20 मिनट तक मेरी कहानी सुनने के बाद उन्होंने कहा- 'मुझे मजा नहीं आया, इस कहानी को भूल जाओ।'

तिजोरी ने बताया कि बेसिकली यह आइडिया डेंजल वॉशिंगटन स्टारर फिल्म 'आउट ऑफ टाइम' का ऑफिशियल रीमेक बनाने का था।

'पता चला फिल्म से मोहित को लॉन्च किया जाएगा'

तिजोरी ने आगे कहा, 'मैं भट्ट साहब के कमरे से बाहर निकला। वहां मोहित सूरी बैठा हुआ था। मैंने उससे कहा कि भट्ट साहब से बोलो कि वो यह फिल्म देखें। इसका रीमेक बहुत अच्छा बन सकता है।

हालांकि, 4 दिन बाद मेरे पास अनुराग बसु का कॉल आया और उन्होंने बताया कि भट्ट साहब ने यह फिल्म देखी। उन्हें पसंद आई और वो इस फिल्म के रीमेक से मोहित सूरी को लॉन्च करने का प्लान कर रहे हैं।

हाथों में ट्रॉफी लिए दिखीं एकता कपूर

एमी अवॉर्ड जीत कर वापस मुंबई आई, अनिल कपूर और रानी मुखर्जी भी एयरपोर्ट पर दिखे

आज यानी सोमवार को एकता कपूर मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। बता दें, 20 नवंबर को न्यूयॉर्क में इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया था। इस सेरेमनी में इंडियन फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर एकता कपूर को एमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। एकता कपूर एमी अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। एकता ने ट्रॉफी के साथ पोज दिया। पैपराजी ने भी उन्हें बधाइयां दी। अनिल कपूर को भी मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। अनिल डेनिम जैकेट पहने कैजुअल लुक में स्पॉट हुए। उन्होंने फैंस के साथ फोटोज भी क्लिक कराईं। बता दें, अनिल कपूर की आने वाली फिल्म 'एनिमल' है। इस फिल्म में अनिल कपूर रणबीर के पिता के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रानी मुखर्जी भी एयरपोर्ट पर नजर आईं। रानी लाइट ग्रे एंड मैरून सलवार सूट में दिखीं। उन्होंने मैचिंग हैंडबैग भी लिया हुआ था।

रानी को 'लगान' न करने का अफसोस

बोलीं- 6 महीने की डेट्स चाहते थे आमिर, दूसरी फिल्म के प्रोड्यूसर ने भी नहीं दी इजाजत

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी हाल ही में गोवा में चल रहे 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के मंच पर पहुंचीं। यहां रानी ने कहा कि आमिर खान स्टारर 'लगान' एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसका हिस्सा ना बन पाने का उन्हें मलाल है।

एक इंट्रेक्टिव सेशन के दौरान रानी ने बताया कि उन्होंने पहले से ही एक फिल्म साइन की हुई थी जिसकी 20 दिनों की शूटिंग बाकी थी। इस फिल्म के चलते वो 'लगान' का हिस्सा नहीं बन पाईं।

2001 में रिलीज हुई लगान साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। इसका क्लैश सनी देओल स्टारर 'गदरः एक प्रेम कथा' से हुआ था। रानी ने अपने करियर के शुरुआती दौर में आमिर के साथ फिल्म 'गुलाम' में काम किया था। यह रानी की तीसरी फिल्म थी। रानी ने अपने करियर के शुरुआती दौर में आमिर के साथ फिल्म 'गुलाम' में काम किया था। यह रानी की तीसरी फिल्म थी। आमिर चाहते थे सभी एक्टर्स सेट पर साथ रहें: रानी इवेंट में रानी ने कहा, 'एकमात्र फिल्म जिसका हिस्सा ना बन पाने का मुझे अफसोस है, वो है आमिर खान की 'लगान'। मैं उस समय एक दूसरी फिल्म कर रही थी जिससे लगान की डेट्स क्लैश हो रही थी।

फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड में सेलेब्स दिखे

आलिया बहन शाहीन के साथ स्पॉट हुई; सोनम कपूर, श्रुति हासन, दीया मिर्जा भी नजर आए

रविवार की रात मुंबई में फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स का इवेंट हुआ। यह इवेंट मुंबई के ताज लैंड्स में रखा गया। ये होटल मुंबई के फेमस 5 स्टार होटलों में से एक है और अक्सर यहां फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े इवेंट्स होते रहते हैं। इस इवेंट में बी-टाउन के काफी सेलेब्स नजर आए। आलिया भट्ट बहन शाहीन भट्ट के साथ ब्लैक फ्लेयर्ड गाउन में दिखीं। सोनम कपूर ओपरा ग्लव्स पहने ऑफ शोल्डर गाउन में स्पॉट हुईं। श्रुति हासन बहन अक्षरा के साथ नजर आईं। श्रुति गोल्डन एंड ब्लैक गाउन में ग्लैमरस दिख रही थीं। दीया मिर्जा पोनी बनाए फ्लोरल ड्रेस में नजर आईं। विजय वर्मा वेलवेट फॉर्मल आउटफिट पहने दिखे। विजय को फिल्म 'दहाड़' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। करिश्मा तन्ना, मानुषी छिल्लर भी नजर आए।

ममता ने नहीं काटा अडानी ग्रुप का पत्ता

ताजपुर पोर्ट प्रोजेक्ट के लिए अभी भी जारी है बातचीत

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कैश फॉर क्वेरी मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर छिड़े विवाद के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब इस मामले में बड़ा कदम उठाया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने अडानी ग्रुप से ताजपुर पोर्ट को विकसित करने का 25 हजार करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट छीन लिया है। ममता बनर्जी की ओर से साफ कहा गया था कि इसे लेकर जल्द नया टेंडर जारी किया जाएगा। ममता सरकार में मंत्री शशि पांजा ने रविवार को कहा कि पोर्ट परियोजना को लेकर राज्य सरकार और अडानी ग्रुप के बीच बातचीत जारी है।

शशि पांजा ने कहा कि परियोजना पर बहुत काम चल रहा है और अडानी ग्रुप के साथ बातचीत चल रही है। जब उनसे पूछा गया कि अडानी ग्रुप से बातचीत में कोई रुकावट आई है। इससे पर उन्होंने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पोर्ट के निर्माण के लिए केंद्र से अनुमति मांगी गई है और केंद्र सरकार ने कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं। पांजा ने कहा कि ताजपुर के विकास के लिए अस्थायी LoI था, यह सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को दिया गया। इसकी गृह मंत्रालय से सशर्त सुरक्षा मंजूरी दी गई है। पिछले साल आयोजित किए गए बिजनेस समिट में ताजपुर पोर्ट को विकसित करने का काम अडानी ग्रुप को दिया गया था। इसके कुछ समय बाद ममता सरकार ने ताजपुर बंदरगाह विकसित करने के लिए अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड को आशय पत्र (LOI) जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे अडानी ग्रुप को बंगाल में 25 हजार करोड़ के निवेश का रास्ता साफ हो गया था।

इसके उलट हाल ही में पश्चिम बंगाल में ममता सरकार द्वारा बुलाई गयी बिजनेस समिट 2023 में ममता बनर्जी ने कहा था कि ताजपुर पोर्ट के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। कोई भी कंपनी नीलामी में शामिल हो सकती है और बोली लगा सकती है। पर अब पश्चिम बंगाल की बहुचर्चित ताजपुर पोर्ट परियोजना को लेकर तमाम तरह की अटकलें जारी हैं।उस समय कहा जा रहा है कि ममता सरकार ने अडानी पोर्ट को सौंपे गए आशय पत्र (एलओआई) को रद्द करने का फैसला किया है। वहीं, इस साल बंगाल सरकार के बिजनेस इवेंट में अडानी ग्रुप से किसी ने हिस्सा नहीं लिया था।

अवैध रेत खनन की जांच के संबंध में ईडी के समन को चुनौती

चेन्नई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार और पांच जिला कलेक्टरों ने अवैध रेत खनन की जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी किए गए समन को चुनौती दी है। मद्रास हाई कोर्ट मंगलवार को राज्य सरकार और कलेक्टरों की इस याचिका पर सुनवाई करने वाली है।

अरियालूर, वेलोर, तंजावुर, करूर और तिरुचिरापल्ली के कलेक्टरों की तरफ से राज्य लोक विभाग सचिव के. नंथाकुमार ने याचिका दायर की थी। जस्टिस एस एस सुंदर और सुंदर मोहन की खंडपीठ ने सोमवार को 28 नवंबर के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे की दलीलें सुनने के बाद आदेश को सुरक्षित रख लिया। दुष्यंत दवे राज्य सरकार और पांच जिला कलेक्टरों की तरफ से दलीलें पेश कर रहे थे।

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद अर्श दल्ला गिरोह के दो शार्पशूटर पकड़े

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। गोलीबारी के बाद, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राष्ट्रीय राजधानी में गैंगस्टर से अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी बने और कनाडा स्थित अर्शदीप सिंह उर्फ अर्स दल्ला के दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान पंजाब निवासी राजप्रीत सिंह उर्फ राजा उर्फ बम्ब और वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी के रूप में हुई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोनों को सोमवार तड़के संक्षिप्त गोलीबारी के बाद मयूर विहार में समाचार अपॉर्टमेंट के सामने अक्षरधाम मंदिर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा,"मुठभेड़ के दौरान, आरोपी व्यक्तियों द्वारा पांच राउंड फायरिंग की गई, इसमें से दो राउंड पुलिस की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने छह राउंड फायरिंग की।" अधिकारी ने कहा।,"आरोपियों में से एक, वीरेंद्र के दाहिने पैर में गोली लगी। घटना के बाद दोनों आरोपियों को एलबीएस अस्पताल भेजा गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।"

अभियुक्तों के कब्जे से एक रिवॉल्वर .45 मिमी मय 06 जिंदा कारतूस और दूसरी .30 मिमी पिस्तौल 07 जिंदा कारतूस के साथ एक हैंड ग्रेनेड और चोरी की एक बाइक बरामद की गई है। अधिकारी ने कहा,"आगे दोनों आरोपी व्यक्तियों के खुलासे के आधार पर, उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर के डेयरी स्केनर में छापेमारी की गई और एक अन्य सहयोगी की पहचान सचिन भाटी के रूप में की गई, उसके पास भारी मात्रा में हथियार होने का संदेह है।"

पूछताछ के दौरान पता चला कि राजप्रीत और वीरेंद्र को अर्शदीप ने गायक एली मंगत की हत्या करने का काम दिया था, इसके लिए उन्होंने अक्टूबर 2023 में भटिंडा में प्रयास किया था, लेकिन असफल रहे। राजप्रीत वर्तमान में परमजीत सिंह की हत्या के मामले में वांछित था, जो जनवरी 2023 में हुई थी। परमजीत सिंह की हत्या डाला के इशारे पर आरोपी और उसके सहयोगियों ने की थी। वीरेंद्र वर्तमान में मोड़ मंडी पंजाब के प्रेम ज्वेलरी के सामने फायरिंग के एक आपराधिक मामले में वांछित था। अधिकारी ने कहा, "अर्शदीप के इशारे पर गोलीबारी की गई, क्योंकि उसने प्रेम ज्वैलर्स के मालिक से रंगदारी मांगी थी।"

बेमौसम बरसात के दौरान बिजली गिरने से 20 की मौत

अहमदाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में बेमौसम बरसात के दौरान बिजली गिरने की घटनाओं में 20 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह आंकड़ा जारी किया। घटना पर गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत-बचाव कार्यों में लगा है। राज्य के आपात अभियान केंद्र के अधिकारी ने बताया कि गुजरात के अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें कई लोगों की मौत हुई है।

गुजरात के दाहोद में सबसे ज्यादा चार लोगों की जान गई। वहीं भरूच में तीन, तापी में दो और अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोताड, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, सबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर, देवभूमि द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, फसलों के नुकसान के अलावा सौराष्ट्र के मोरबी जिले में सेरेमिक उद्योग को भी काफी नुकसान हुआ है, क्योंकि यहां तेज बारिश की वजह से फैक्ट्रियों को बंद कर दिया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि सोमवार को बारिश कम रहेगी और गुजरात के दक्षिणी इलाके और सौराष्ट्र में ही सीमित होगी। बताया गया है कि बेमौसम बरसात की वजह उत्तर-पूर्व अरब सागर में चक्रवाती तूफान है, जो कि सौराष्ट्र और कच्छ के क्षेत्र पर असर डाल रहा है।

प्रोजेक्ट 15बी के तीसरे युद्धक जहाज इंफाल का अनावरण आज

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। प्रोजेक्ट 15बी गाइडेड मिसाइल के तीसरे स्टील्थ ड्रिस्ट्रॉयर द क्रेस्ट ऑफ यार्ड 12706 (इंफाल) का कल अनावरण किया जाएगा। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह और रक्षा मंत्रालय और मणिपुर सरकार के कई शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

भारतीय नौसेना ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि युद्धक जहाज इंफाल लंबी दूरी की ब्रह्मोस मिसाइल दागने में भी सक्षम है। परीक्षण के दौरान इसका टेस्ट भी किया जा चुका है। गौरतलब है कि यह पहला युद्धक जहाज है, जिसका नाम उत्तर पूर्वी राज्य के शहर के नाम पर रखा गया है। 16 अप्रैल 2019 को राष्ट्रपति ने इसकी मंजूरी दी थी। भारतीय नौसेना ने बताया कि यह जहाज 23 दिसंबर 2023 को नौसेना में शामिल हो जाएगा।

क्यों है खास

द क्रेस्ट ऑफ यार्ड (इंफाल) प्रोजेक्ट 15बी गाइडेड मिसाइल ड्रेस्टॉयर सीरीज का तीसरा युद्धक जहाज है।

इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने नौसेना को 20 अक्तूबर 2023 को सौंप दिया था। जिसके बाद से इसके परीक्षण चल रहे थे। बता दें कि ये परंपरा रही है कि भारतीय नौसेना में जहाजों, पनडुब्बियों का नाम देश के प्रमुख शहरों, पर्वत श्रंख्लाओं, नदियों और द्वीपों के नाम पर रखे जाते हैं। इस युद्धक जहाज का डिजाइन भारतीय नौसेना के वारशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। भारत में बना यह जहाज दुनिया के आधुनिक युद्धक जहाजों में से एक है। इस जहाज में MR SAM, ब्रह्मोस SSM, तारपीडो ट्यूब लॉन्चर्स , एंटी सबमरीन रॉकेट लॉन्चर्स और 76एमएम री SRGM इस जहाज को दुश्मनों का काल बनाते हैं। युद्धक जहाज इंफाल की लंबाई 164 मीटर और वजन 7500 टन से ज्यादा है। इंफाल में 312 क्रू मेंबर ठहर सकते हैं। यह 55 किलोमीटर प्रतिघंटे से भी ज्यादा रफ्तार से चल सकता है। बता दें कि 15बी या कहें कि विशाखापत्तनम श्रेणी के युद्धक जहाज पहले की 15ए या कोलकाता श्रेणी के युद्धक जहाजों से ज्यादा आधुनिक और तकनीकी तौर पर शक्तिशाली हैं। विशाखापत्तनम श्रेणी का पहला युद्धक जहाज 21 नवंबर 2021 को कमीशन हुआ था और दूसरा जहाज मोरमुगाओ 18 दिसंबर 2022 को नौसेना में कमीशन हुआ था। तीसरा इंफाल 23 दिसंबर को कमीशन होगा और चौथे युद्धक जहाज सूरत का अभी निर्माण कार्य चल रहा है।

पुणे में पलटा एथिलीन ऑक्साइड से भरा टैंकर

गैस रिसाव से आग और धमाके का डर; फायर ब्रिगेड टीम पानी का छिड़काव कर रही

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे-अहमदनगर रोड पर एथिलीन ऑक्साइड ले जा रहा गैस टैंकर सड़क पर पलट गया। इस टैंकर से गैस का रिसाव हो रहा है, इस कारण आग लगने और धमाके का डर बना हुआ है। पुणे फायर डिपार्टमेंट की टीम मौके पर मौजूद है। उनके साथ रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स के एक्सपर्ट भी मौजूद हैं। धमाका न हो इसके लिए लगातार टैंक पर पानी छिड़का जा रहा है। टैंक को खाली करने की कोशिशें की जा रही हैं।

पहली बार भैंसों की कम्बाला दौड़

परंपरागत खेल देखने के लिए आए हजारों लोग, कांतारा मूवी से पूरे देश में फेमस हुई

बेंगलुरु, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 25 और 26 नवंबर को बड़ी तादाद में लोग कंबाला दौड़ देखने पहुंचे। बेंगलुरु में पहली बार ये ट्रेडिशनल भैंसों की दौड़ हुई। बेंगलुरु के सिटी पैलेस ग्राउंड्स में रेस आयोजित की गई। कंबाला दौड़ में एक आदमी भैंसों को दौड़ाता है। सबसे तेज दौड़ने वाला विजेता होता है। इतिहासकारों का मानना है कि कंबाला 16वीं सदी में शुरू हुआ। यह रेस कांतारा मूवी के बाद पूरे देश में फेमस हुई थी।

बेंगलुरु एयरपोर्ट में सिक्योरिटी चेक आसान होगा

लैपटॉप जैसे डिवाइसेज बैग से नहीं निकालने होंगे, ऐसा करने वाला भारत का पहला एयरपोर्ट

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु का केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (केआईए) देश का पहला एयरपोर्ट बनने वाला है जहां सिक्योरिटी चेक में मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज को अलग से ट्रे में नहीं निकालना होगा।

इसकी शुरुआत टर्मिनल 2 से होगी। इससे सिक्योरिटी चेक में लगने वाले समय में कमी आएगी और यात्रियों का प्लाइंग एक्सपीरियंस बेहतर होगा।

मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार टी2 पर सीटीएक्स (कंप्यूटर टोमोग्राफी एक्स-रे) मशीन का ट्रायल रन अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा। शुरुआत के लिए, नई प्रणाली केवल घरेलू यात्रियों के लिए है, और दिसंबर 2023 में चालू होने की संभावना है। शुरुआत में, नया सिस्टम केवल घरेलू यात्रियों के होगा। दिसंबर 2023 में इसके ऑपरेशनल होने की संभावना है। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सत्यकी रघुनाथ ने बताया कि टी2 पर सीटीएक्स मशीन का ट्रायल रन अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सीटीएक्स मशीन को ऑटोमैटिक ट्रे रिट्रीवल सिस्टम (एटीआरएस) और फुल-बॉडी स्कैनर के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा। टी2 पर तीन फुल-बॉडी स्कैनर लगाए गए हैं।

नवंबर 2022 में टी2 का उद्घाटन हुआ था

टी2 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2022 में किया था। इसकी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट लगभग 5,000 करोड़ रुपए है। डोमेस्टिक ऑपरेशन 15 जनवरी 2023 से जबकि इंटरनेशल ऑपरेशन 12 सितंबर से शुरु हुए थे।

इंदौर से हैदराबाद तक का सफर होगा आसान

अकोला हाइवे जुड़ने से दस घंटे में होगा सफर

इंदौर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बुरहानपुर से अकोला को जोड़ने के लिए 67 किलोमीटर की फोरलेन सड़क तैयार हो रही है।

इसके बनने से इंदौर से सीधे हैदराबाद की कनेक्टविटी हो जाएगी,क्योंकि इंदौर इच्छापुर हाइवे बुरहानपुर से होकर अकोला से सीधे जुड़ जाएगा और अकोला से हैदरबाद के लिए पहले ही एक्सप्रेस हाइवे आकार ले रहा है। पहले खंडवा-बुरहानपुर से होकर अकोला जाने में 237 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ती थी, लेकिन 67 किलोमीटर सड़क का हिस्सा तैयार होने से यह दूरी घटकर 146 किलोमीटर कम हो जाएगी। इसके बाद नार्थ-साउथ कॉरिडोर का रोड नेटवर्क मजबूत हो जाएगा। कोटा, इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर, इच्छापुर, अकोला से हैदराबाद जुड़ जाएगा। इस सड़क का दौरा इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने किया। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर से अकोला तक सड़क बनने का फायदा इंदौर को भी होगा। अभी सड़क मार्ग से हैदराबाद तक जाने में 20 से 25 घंटे लग जाते है, लेकिन फोनलेन कनेक्टविटी से आठ से दस घंटे में इंदौर से हैदराबाद आ जा सकेंगे। फिलहाल इंदौर से हैदराबाद की दूरी 800 किलोमीटर है, लेकिन बुरहानपुर में तैयार हो रहे फोरलेन के कारण यह दूरी 50 किलोमीटर घट जाएगी। इससे सफर और आसान हो जाएगा।

व्यापार के लिए फायदेमंद

नेशनल हाइवे रोड कनेक्टविटी से व्यापार को भी फायदा होगा। बुरहानपुर केला उत्पादन क्षेत्र है। केले व अन्य फल आसानी से साउथ की मंडियों कर पहुंचाए जा सकेंगे। एक से दो दिन के भीतर फल साऊथ में भेजे जाने से वे खराब भी जल्दी नहीं होंगे।

राउरकेला-पुरी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

टूटा शीशा; रेलवे ने घटना पर कही बडी बात

भुवनेश्वर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे जहां एक तरफ दशा और दिशा बदलने का प्रयास कर रहा है वहीं दूसरी ओर, अराजक तत्व लगातार उनके इस प्रयासों पर पलीता लगा रहे हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस के आने से रेलवे की परम्परागत छवि में बदलाव आया है। देशभर में वंदे भारत एक्सप्रेस का जाल बिछता जा रहा है। लेकिन रेलवे का विकास शायद कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। आए दिन कई राज्य में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव करने की खबरें आती रही है। रविवार रात राउरकेला-पुरी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया है। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने सोमवार को घटना की जानकारी दी।

यह घटना ढेंकनाल-अंगुल रेलवे खंड में मेरामंडली और बुधपंक स्टेशनों के बीच हुई। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं हैं। जारी बयान में कहा गया कि ट्रेन संख्या 20835 वंदे भारत एक्सप्रेस को भुवनेश्वर-संबलपुर रेल लाइन पर कुछ अराजक तत्वों ने पत्थरबाजी की। रेलवे के अधिकारी ने बताया इस घटना में एक्जीक्यूटिव क्लास की खिड़की का शीशा टूट गया। जिसके कारण ट्रेन 13 मिनट की देरी से पुरी पहुंची।

स्थानीय पुलिस को किया सूचित, कार्रवाई की मांग

अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना आरपीएफ के अधिकारी ने दी। ईसीओआर की सुरक्षा शाखा ने मामले को गंभीरता से लिया है और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क कर दिया है। साथ ही स्थानीय पुलिस को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। अधिकारी ने कहा, ईसीओआर की सुरक्षा शाखा स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों का पता लगाने का काम कर रही है। साथ ही अधिकारी ने बताया कि ईस्ट कोस्ट रेलवे लोगों को ट्रेनों पर पत्थर न फेंकने के लिए जागरूक कर रहा है। जिसके लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

सप्ताह के अंत तक देशभर में बढ़ेगी ठंड

अगले 24 घंटे में एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश में सर्दी ने दस्तक दे दी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु के कई शहरों में रविवार देर रात बारिश हुई है। कुछ राज्यों में बारिश अभी भी जारी है। इसके चलते इन राज्यों में अचानक से ठंड बढ़ गई है। राजस्थान में दिन का पारा 8 डिग्री और दिल्ली में 10 डिग्री तक लुढ़क गया है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में रविवार को तापमान शून्य डिग्री दर्ज किया गया है। इससे एक दिन पहले यहां पारा शून्य से एक डिग्री नीचे था।

गुजरात के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ ओले भी गिरे हैं। यहां बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 दाहोद, 3 भरूच, 2 तापी, अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोटाद, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, साबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर और द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात में अगले 24 घंटे में भारी बारिश की आशंका जताई है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली, UP, उत्तराखंड और देश के दक्षिणी राज्यों में अगले दो-तीन दिन बारिश की आशंका है। आईएमडी ने इस हफ्ते के अंत तक देश भर में ठंड बढ़ने की संभावना जताई है।

एक साथ चार सिस्टम एक्टिव होने से मौसम बदला

आईएमडी के मुताबिक, मौसम में यह बदलाव एक साथ चार मौसमी सिस्टम एक्टिव होने से हुआ है। देश के उत्तरी हिस्से में समुद्र तल से 5.8 किमी की ऊंचाई पर वेस्टर्न डिस्टरबेंस है। ऊपरी स्तर पर पूर्वी हवाओं के बीच एक ट्रफ लाइन बन गई है।

वहीं, पूर्वोत्तर अरब सागर, सौराष्ट्र और कच्छ तट पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बना हुआ है। पश्चिमी हवा और पूर्वी हवा में बनी ट्रफ लाइन के बीच टकराव हो रहा है। इसलिए आने वाले दिनों में ठंड बढ़ सकती है।

आईपीसी और सीआरपीसी जल्द होंगे खत्म

4 दिसंबर से शुरू शीतकालीन सत्र में ही लाया जाएगा बिल

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। यह 22 दिसंबर तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने 2 दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में शीतकालीन सत्र को लेकर सहमति बनाई जाएगी। आम तौर पर सर्वदलीय बैठक को सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाया जाता है। इस बार एक दिन पहले यानी 3 दिसंबर को 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं।

संसद सत्र में दिख सकता है असर

5 राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर संसद के शीतकालीन सत्र में दिखाई दे सकता है। महुआ मोइत्रा मामले को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है। इस मुद्दे को लेकर सदन में हंगामे के आसार हैं। इसी सत्र में एथिक्ट कमेटी की रिपोर्ट भी सदन में पेश की जा सकती है।

इन कानूनों पर लग सकती है मुहर

संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार भारतीय न्याय संहिता समेत तीन अहम विधेयक पेश करेगी। ये विधेयक आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस ऐक्ट की जगह लेंगे। इन तीनों विधेयकों को गृह मामलों की संसदीय समिति ने पहले ही मंजूरी दे दी है। इसके अलावा चीफ इलेक्शन कमिश्नर और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति वाला विधेयक भी संसद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

हम सभी को श्री गुरु नानक देव जी के दिखाए मार्ग व आदर्शों पर चलना चाहिए : बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर श्री गुरुद्वारा नाडा साहिब में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। प्रकाश पर्व के मौके पर राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव श्री रमनीक सिंह मान भी उपस्थित थे।

दत्तात्रेय ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे आज श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर नाडा साहिब गुरुद्वारा में आने व आशीर्वाद लेने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी सिख धर्म के संस्थापक, समाज सुधारक व महापुरुष थे। हम सभी को उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग व आदर्शों पर चलना चाहिए। इस अवसर पर हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव रमनीक सिंह मान व सदस्यों ने हरियाणा के राज्यपाल को सिरोपा पहनाकर व तलवार भेंट कर सम्मान किया।

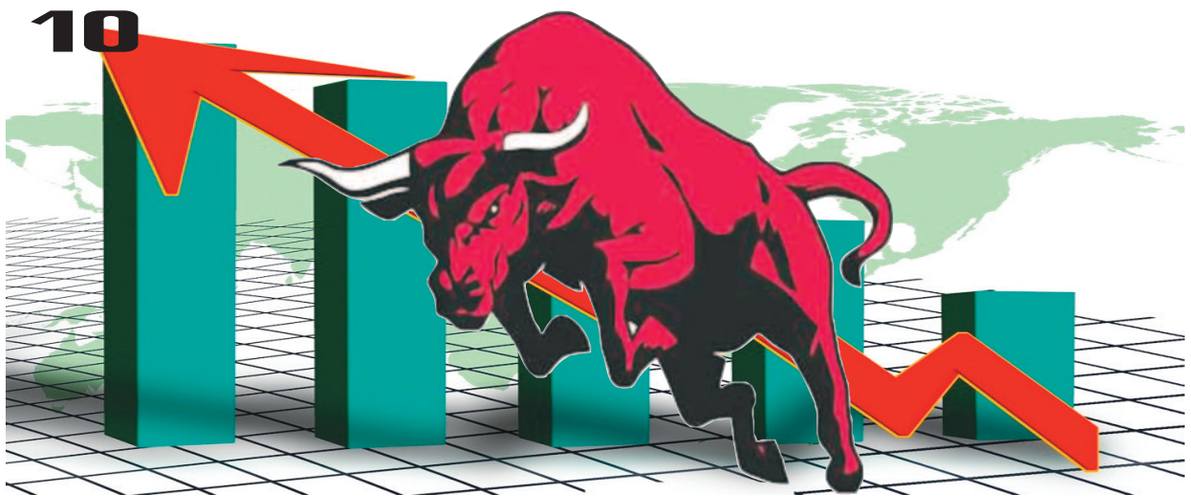

'स्वदेशी लड़ाकू विमान उत्पादन बढ़ाने पर विचार

नासिक में तीसरी लाइन'; सीबी अनंतकृष्णन ने दिए बड़े संकेत

बंगलूरू 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में लड़ाकू विमान के विनिर्माण की संभावनाओं पर लगातार मंथन हो रहा है। स्वदेशी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के चेयरमैन सीबी अनंतकृष्णन ने बताया कि एचएएल लड़ाकू विमान तैयार करने की क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रही है। उन्होंने हाल ही में पीएम मोदी के दौरे पर भी प्रतिक्रिया दी। अनंतकृष्णन के अनुसार बंगलूरू में एचएएल के केंद्र का दौरा करने पहुंचे प्रधानमंत्री ने इंजीनियरों के प्रयासों की सराहना की। हल्के लड़ाकू विमान यानी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस में पीएम मोदी की उड़ान पर एचएएल चीफ सीबी अनंतकृष्णन ने कहा, एचएएल में प्रधानमंत्री की मौजूदगी प्रेरित करने वाली है। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स में हो रहे कामकाज

से पीएम मोदी काफी संतुष्ट और खुश दिखे। अनंतकृष्णन ने कहा कि एचएएल के हैंगर का दौरा करने के बाद पीएम मोदी ने यहां काम करने वाले इंजीनियरों के प्रयासों की भी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री एचएएल के उत्पादों की सराहना करते हैं, तो इससे वास्तव में प्रेरणा मिलती है। एक साल में एचएएल कितने हल्के लड़ाकू विमान तैयार कर सकता है? इस सवाल पर एचएएल के अध्यक्ष ने कहा, वर्तमान में एचएएल की क्षमता 16 विमान तैयार करने की है। कंपनी अपनी क्षमता को 24 विमान तक बढ़ाना चाहती है। एचएएल प्रमुख ने बताया कि क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र के नासिक में तीसरी लाइन स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। एचएएल प्रमुख ने कहा, उत्पादन के लिए कुल मिलाकर, तीन स्वतंत्र लाइनें होंगी। हर लाइन पर 8 विमानों का उत्पादन किया जाएगा। 2025-26 से उत्पादन शुरू होने का अनुमान है। इसके बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड एक साल में औसतन 24 विमान तैयार और वितरित करने में सक्षम बन जाएगी। एचएएल प्रमुख अनंतकृष्णन के अनुसार, एचएएल तय समय से एक साल पहले 83 एलसीए तेजस मार्क 1ए विमान के ऑर्डर को पूरा कर लेगा, उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है।पीएम मोदी के एचएएल यूनिट दौरे पर अनंतकृष्णन ने बताया कि प्रधानमंत्री को एलसीए मार्क 1ए की निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया, एचएएल के अधिकारियों ने पीएम मोदी को इस विमान में लगे स्वदेशी इंजन के बारे में भी विस्तार से बताया। एचएएल प्रमुख के अनुसार, प्रधानमंत्री को स्वदेश में डिजाइन किए गए अलग-अलग हेलीकॉप्टर भी दिखाए गए। पीएम मोदी को एएलएच रुद्र का हथियारयुक्त संस्करण भी दिखाया गया। क्या हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करने में उद्योग जगत के साथ साझेदारी करनी चाहिए? इस सवाल पर एचएएल अध्यक्ष सीबी अनंतकृष्णन ने कहा, छठी पीढ़ी की अवधारणा और इसके लिए जरूरी क्षमताओं पर कोई स्पष्ट तथ्य मौजूद नहीं हैं।

पाकिस्तान में दाने-दाने को मोहताज हुई जनता

आटा 88 फीसदी तो चावल 76 फीसदी हुआ महंगा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हाल दिन पर दिन बद से बदत्तर होने लगे हैं। लोगों को 2 वक्त की रोटी बड़ी मुश्किल से नसीब हो रही है। पाकिस्तान में खाने-पीने से लेकर रोजमर्रा की चीजों के दाम आसमान छूने लगे हैं। पडोसी देश में महंगाई इस कदर बेकाबू हो गई है कि इनकी आसमान छूती कीमतों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। लगातार दूसरे हफ्ते भी पड़ोसी मुल्क की महंगाई दर 40 फीसदी के ऊपर रही है। इससे आम जनता की कमर टूट गई है। पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिक्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 23 नवंबर को खत्म हुए हफ्ते में देश की महंगाई दर 41.13 फीसदी दर्ज की गई। वहीं, पाकिस्तानी अखबार डॉन का कहना है कि गैस की बढ़ती कीमतों से महंगाई में जबरदस्त उछाल आया है। पाकिस्तान में गैस की कीमतें पिछले एक साल में 1,100 रुपये से ज्यादा बढ़ी हैं।

आटा-चावल से लेकर सिगरेट तक इतनी महंगी

पाकिस्तान में आटे के रेट में 88.2 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया है। वहीं, बासमती चावल 76.6 फीसदी महंगा हो गया है, सादा चावल 62.3 फीसदी, और इसके अलावा चाय पत्ती 53 फीसदी, लाल मिर्च पाउडर 81.70 फीसदी, गुड़ 50.8 फीसदी, आलू 47.9 फीसदी, सिगरेट 94 फीसदी, गेहूं का आटा 88.2 फीसदी और मिर्च पाउडर 81.7 फीसदी तक महंगा हो गया है।पाकिस्तानी मीडिया हाउस के मुताबिक, जो आटे की कीमत पहले 160 रुपए थी वो अब 88 फीसदी और महंगी हो गई है। इसी तरह चावल 146 रुपए किलो जो चावल था उसमे 62 फीसदी की तेजी आई है। जिस कारण यहां के लोगों को खाने के लाले पड़ गए हैं।बीते सप्ताह की तुलना मे पाकिस्तान मे 25 जरूरी चीजो के दाम मे इजाफा देखने को मिला है। 13 रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओ के भाव कम हुए हैं। हफ्ते-दर-हफ्ते जिन सामानों के दाम में बढ़ोतरी देखने को मिली है, उनमें गैस की कीमत 480 फीसदी, चाय पैकेट 8.9 फीसदी, चिकन 4 फीसदी, नमक पाउडर 2.9 फीसदी, गेहूं का आटा 2.6 फीसदी और आलू 2 फीसदी तक महंगा हुआ है। प्याज की कीमत सबसे ज्यादा 36 फीसदी गिरी है।

एक हफ्ते में 10% बढ़ी महंगाई दर

पाकिस्तान की शॉर्ट टर्म इंफ्लेशन में पिछले एक हफ्ते में 10 फीसदी तक उछाल आया है। यह 308.90 की तुलना में 309.09 फीसदी तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के 17 प्रमुख शहरों के 50 मार्केट्स में से 51 जरूरी चीजों के दाम को शामिल करके इस आंकड़े को तैयार किया जाता है।

छोटी कंपनियों पर नकेल, कॉरपोरेट गवर्नेंस और मजबूत हुआ

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छोटे और मझोले (एसएमई) प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध और वहां से मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने वाली कंपनियों के लिए नियम और सख्त हो गए हैं। अब इनको ज्यादा कॉरपोरेट गवर्नेंस का पालन करना होगा। ताजा मामले में बीएसई ने कहा है कि मुख्य प्लेटफॉर्म पर वही कंपनियां आ पाएंगी, जो तीन साल तक एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध रहेंगी। नियम एक जनवरी, 2024 से लागू होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने रविवार को कहा, एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने के लिए आवेदक के पास पिछले दो वित्त वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये की नेटवर्थ होनी चाहिए। बीएसई के मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने से पहले कंपनी के पास 250 पब्लिक शेयरधारक होने चाहिए। यह नियम पहले भी था, पर अब यह अनिवार्य हो गया है।

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी को तगड़ा झटका

इस कंपटीटर को देने होंगे 18 सौ करोड़

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को तगड़ा झटका लगा है। टीसीएस के ऊपर आरोप लगा है कि उसने अपने एक सॉफ्टवेयर को डेवलप करने में एक प्रतिस्पर्धी के सोर्स कोड की चोरी की। अब इस मामले में सबसे बड़ी भारतीय आईटी कंपनी को मोटा आर्थिक दंड भुगतना पड़ सकता है।

करना पड़ सकता है इतना भुगतान

अमेरिका की आईटी कंपनी डीएक्ससी, जिसे पहले सीएससी के नाम से जाना जाता था, का आरोप है कि टीसीएस ने अपने सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म टीसीएस बैंक्स को डेवलप करने के लिए उसके सोर्स कोड का इस्तेमाल किया। अब इस मामले में अमेरिका की ज्यूरी ने टीसीएस से से कहा है कि वह डीएक्ससी को 210 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,800 करोड़ रुपये का भुगतान करे।

इस डील से जुड़ा हुआ है विवाद

ज्यूरी का मानना है कि भारतीय आईटी कंपनी ने वास्तव में ट्रेड सीक्रेट को एक्सेस किया है। यह मामला करीब पांच साल पुराना है। टीसीएस और ट्रांसअमेरिका के बीच 2018 में 2.5 बिलियन डॉलर की एक डील हुई थी। वृहद आर्थिक परस्थितियों के चलते डील को जून 2023 में रद्द कर दिया गया। मुकदमा इसी डील से जुड़ा हुआ है।

डीएक्ससी ने लगाया है ये आरोप

डीएक्ससी ने इस संबंध में 2019 में मुकदमा किया था। डीएक्ससी के अनुसार, टीसीएस ने अपने बैंक्स प्लेटफॉर्म के डेवलपमेंट के लिए जिन कर्मचारियों को काम पर रखा था, उन्हें ऐसा सॉफ्टवेयर बनाने में दिक्कतें आ रही थीं, जो एक खास बीमा के मामले में रेट ऑफ रिटर्न कैलकुलेट कर सके। उन कर्मचारियों ने पाया कि वैंटेज सॉफ्टवेयर यह काम आसानी से कर रहा है। उसके बाद उन्होंने वैंटेज के सोर्स कोड को कॉपी कर उसका इस्तेमाल कर लिया। डीएक्ससी ने मुकदमे के साथ में टीसीएस के संबंधित कर्मचारियों के ईमेल के ब्यौरे भी दिए हैं।

मुकदमे को आगे ले जाएगी टीसीएस

वहीं दूसरी ओर टीसीएस का कहना है कि वह ज्यूरी के फैसले से असहमत है। टीसीएस ने बयान जारी कर कहा कि मामला अब कोर्ट के द्वारा तय होगा। कोर्ट ने दोनों पक्षों से अपनी बातें रखने को कहा है।

एफपीआई ने रोकी बिकवाली नवंबर में अब तक 378.2 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। नवंबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने शेयर बाजार से जारी अपने बिकवाली को रोक दिया और 378 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह निवेश अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेज गिरावट के कारण आया है।

पिछले महीने एफपीआई ने इतने करोड़ के बेचे थे शेयर

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। हालांकि निकासी से पहले, एफपीआई मार्च से अगस्त तक इन छह महीनों में लगातार निवेश किया था और इस अवधि के दौरान 1.74 लाख करोड़ रुपये बाजार में डाले थे। इस कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई ने 96,340 करोड़ रुपये का निवेश किया है।यस सिक्योरिटीज इंडिया में इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज रिसर्च के रणनीतिकार हितेश जैन ने कहा,

इस महीने एफपीआई ने अब तक कितना किया निवेश?

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (24 नवंबर तक) भारतीय शेयरों में 378.2 करोड़ रुपये का निवेश किया है। विदेशी निवेशक इस महीने चार दिन खरीदार रहे और शुक्रवार को 2,625 करोड़ रुपये की बड़ी खरीदारी की।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों को मिला एफडी से इतना ज्यादा रिटर्न, 3 दिन में पहली किस्त होगी मैच्योर

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड निवेशकों के लिए सुरक्षित व कई पारंपरिक साधनों से बेहतर रिटर्न देने वाला निवेश साबित हो रहा है। अभी चंद रोज बाद सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त मैच्योर होने वाली है। पहली किस्त के निवेशकों को हुई शानदार कमाई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को निवेश के बेहतर विकल्प के रूप में स्थापित कर दिया है।

शुकवार को होने वाला है मैच्योर

रिजर्व बैंक ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त साल 2015 में पेश की थी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मैच्यारिटी आठ साल में होती है। चूंकि पहली बार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को नवंबर 2015 में पेश किया गया था, इसी महीने उसके मैच्योर होने की बारी है। साल 2015 में पेश की गई पहली किस्त यानी एसजीबी 2015-I के मैच्योर होने की तारीख 30 नवंबर है।

इस कीमत पर जारी हुआ था बॉन्ड

पहले सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए इश्यू प्राइस 2,684 रुपये प्रति ग्राम की दर से तय हुआ था। इश्यू प्राइस को उस समय इब्जा के द्वारा 999 प्योरिटी वाले गोल्ड की जारी की गई कीमतों के एक सप्ताह के औसत के हिसाब से तय किया गया था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की गाइडलाइंस के अनुसार, मैच्योरिटी के रेट यानी रिडेम्पशन प्राइस को मैच्योरिटी की तारीख से ठीक पहले वाले सप्ताह की औसत कीमत के हिसाब से तय किया जाता है।

पहली किस्त के लिए प्राइस फाइनल

ईटी की एक रिपोर्ट में इब्जा के हवाले से बताया गया है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त के मैच्योर होने पर रिडेम्पशन प्राइस 6,132 रुपये प्रति यूनिट तय की गई है। यह दर मैच्योरिटी से ठीक पहले वाले सप्ताह यानी 20 से 24 नवंबर 2023 के दौरान सोने की औसत कीमत के हिसाब से निर्धारित की गई है।

इतनी हो गई निवेशकों की कमाई

इस तरह देखें तो सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त के निवेशकों को 128.5 फीसदी की कमाई हुई है। इसे सालाना रेट के हिसाब से देखें तो सीएजीआर यानी कम्पाउंड एनुअल ग्रोथ रेट 10.88 फीसदी बैठती है। इस रिटर्न में एसजीबी स्कीम के तहत मिलने वाला ब्याज शामिल नहीं है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में पैसे लगाने वालों को निवेश की शुरुआती रकम पर सालाना 2.75 फीसदी का ब्याज भी मिलता है।

इस पर कैसे बैठें: फ्लाइट में अपनी सीट देख पकड़ लिया माथा

हैरान करने वाला नजारा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। रोडवेज की बसों में सीटों से कुशन गायब होना आम बात है लेकिन हवाई जहाज में भी ऐसा हो सकता है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की एक फ्लाइट में ऐसा नजारा देखने को मिला। एक सवारी ने सीट से कुशन के गायब होने की तस्वीर और अपनी आपबीती सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है और यूजर इस पर तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने तो यहां तक कह दिया कि यह ट्रायल है और इंडिगो आने वाले दिनों में इसे कुशन के लिए 250 से 500 रुपये तक चार्ज कर सकती है। सुब्रत पटनायक नाम के एक यूजर ने एक्स (ट्विटर) पर इस घटना की तस्वीर और डिटेल पोस्ट की है। उनका कहना है कि उन्होंने रविवार को इंडिगो की पुणे से नागपुर की फ्लाइट संख्या 6ई 6798 में टिकट बुक कराई थी। उन्हें विंडो वाली सीट नंबर 10 अलॉट की गई। जब वह अपनी सीट पर पहुंची तो उन्होंने पाया कि सीट से कुशन गायब था। उन्होंने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर डाल दी। साथ ही उन्होंने लिखा कि यह प्रॉफिट बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है। फिर क्या था यूजर्स ने उसे हाथोंहाथ लिया और इंडिगो को आड़े हाथ लिया।

कंपनी ने क्या कहा

एक यूजर ने कमेंट किया, 'हो सकता है कि यह ट्रायल हो। देर-सबेर इंडिगो कुशन के लिए 250-500 रुपये चार्ज कर सकती है।'

एयरलाइन ने भी इसका जवाब देते हुए इसके लिए पटनायक से माफी मांगी है। इंडिगो ने एक्स पर कहा, 'सच में यह देखना अच्छा नहीं था।कई बार सीट कुशन उखड़ जाता है। क्रू की मदद से इसे दुरुस्त किया जा सकता है। आपका फीडबैक संबंधित टीम के साथ शेयर किया जाएगा। उम्मीद है कि भविष्य में हम आपको बेहतर सेवा देंगे।'

47% चढ़ा मामाअर्थ की पैरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर का स्टॉक

कंपनी के कर्मचारी तेजी को भुनाने की तैयारी में!

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। निराशाजनक लिस्टिंग के बाद शानदार वापसी करने वाली मामाअर्थ की पैरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड ने बीते दो हफ्ते में अपने आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को जोरदार रिटर्न दिया है। पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक में 42 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। शेयर में आई तेजी को अब कंपनी के एम्पलॉयज ने भूनाने का फैसला किया है। ईशॉप्स में मिले शेयर्स को कंपनी के कर्मचारी बेचने जा रहे हैं। होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के कर्मचारी ईशॉप के तहत मिले शेयर्स में से 150 करोड़ रुपये के शेयर्स इस हफ्ते ब्लॉक डील में स्टॉक एक्सचेंज पर बेचने जा रहे हैं। ये डील होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के मौजूदा प्राइस से 5 से 7 फीसदी डिस्काउंट पर होने की उम्मीद है।

7 नवंबर 2023 को मामाअर्थ की पैरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग हुई थी। फ्लैट लिस्टिंग के तीन दिनों बाद होनासा कंज्यूमर का स्टॉक अपने आईपीओ प्राइस से करीब 21 फीसदी नीचे गिरकर 256 रुपये पर जा लुढ़का। लेकिन ब्रोकरेज हाउस जेफ्फरीज के स्टॉक को अपग्रेड करने के बाद से शेयर में जोरदार तेजी देखने को मिली है।

निचले लेवल से स्टॉक 85 फीसदी तक चढ़ चुका है। यानि 256 रुपये के निचले लेवल से स्टॉक में 219 रुपये की तेजी आ चुकी है। 7 नवंबर 2023 को होनासा कंज्यूमर के आईपीओ की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग हुई थी। कंपनी ने आईपीओ के जरिए बाजार से 1700 करोड़ रुपये जुटाये थे। होनासा कंज्यूमर के महंगे आईपीओ प्राइस को लेकर सोशल मीडिया में सवाल उठते रहे थे। आईपीओ केवल 7.61 गुना ही सब्सक्राइब हुआ था तो रिटेल निवेशकों के रिजर्व कोटा केवल 1.35 गुना सब्सक्राइब हुआ। लेकिन स्टॉक में जैसी तेजी आई है कंपनी ने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। कंपनी की को-फाउंडर गजल अलघ ने लिस्टिंग से पहले ही सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर लिखा कि होनासा कंज्यूमर बाजार को जीतने में कामयाब होगा और कंपनी बाजार का दिल जीतने में कामयाब रही है।

गौतम सिंघानिया ने बिजनेस स्टेबिलिटी का भरोसा दिलाया

9 कारोबारी दिन में 13% गिरा शेयर, पत्नी संपत्ति में 75% हिस्सा चाहती हैं

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दिलाया:9 कारोबारी दिन में 13% गिरा शेयर, पत्नी संपत्ति में 75% हिस्सा चाहती हैं रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने अपने स्टॉफ और बोर्ड को बिजनेस स्टेबिलिटी का भरोसा दिलाया है। 13 नवंबर को उन्होंने अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने की जानकारी दी थी। इसके बाद से बिजनेस स्टेबिलिटी को लेकर अनिश्चितता जताई जा रही थी। अब गौतम सिंघानिया ने बोर्ड और एम्प्लॉइज को मेल भेजकर कहा, 'मीडिया मेरे निजी जीवन से संबंधित मामले की न्यूज से भरा

हुआ है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। मेरे लिए परिवार की गरिमा बनाए रखना सर्वोपरि है। मैं अपने सभी शेयर होल्डर्स के लिए वैल्यू बढ़ाने के साथ एम्प्लॉइज, कस्टमर्स और स्टेक होल्डर्स के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।उन्होंने कहा, 'मैं कंपनी और बिजनेस की स्मूथ फंक्शनिंग के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं इस कठिन समय में भी आपको यह विश्वास दिलाता हूं कि रेमंड में सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा है।'

पिछले 9 कारोबारी दिन से रेमंड ग्रुप के शेयर में लगातार रही गिरावट

पिछले 9 कारोबारी दिन से रेमंड ग्रुप के शेयर में लगातार गिरावट देखने को मिली है। यह 13.3% गिर चुका है। इस कारण शेयर होल्डर्स की संपत्ति में 1700 करोड़ की गिरावट आई है। बीते कारोबारी दिन शुक्रवार यानी 24 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में रेमंड ग्रुप का शेयर 1.43% की गिरावट के साथ 1,647 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	05-41 बजे
चंद्र-	वृष में	धनु.....	07-54 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	10-00 बजे
बुध-	वृश्चिक में	कुंभ...	11-52 बजे
गुरु-	मेष में	मीन --	13-28 बजे
शुक्र-	कन्या में	मेष--	15-05 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	16-50 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	18-50 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	21-02 बजे
		सिंह...	23-15 बजे
		कन्या..	01-21 बजे
		तुला....	03-30 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-31
सूर्यअस्त - 17-35
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 14 -05 - तक उपरान्त द्वितीया
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , मंगलवार 28 November
नक्षत्र - रोहिणी - 13- 31 - तक उपरान्त मृगशिरा
योग - सिद्ध - 22 - 02 - तक उपरान्त साध्य
करण- कौलव - 14 -05 - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गुरुवार को चतुर्थी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 16:15 से 17:38 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:31 - 07:52	अशुभ	शुभ	17:35 - 19:15	शुभ
चंचल	07:52 - 09:16	शुभ	अमृत	19:15 - 20:51	शुभ
लाभ	09:16 - 10:39	शुभ	चंचल	20:51 - 22:27	शुभ
अमृत	10:39 - 12:03	शुभ	रोग	22:27 - 24:04	अशुभ
काल	12:03 - 13:27	अशुभ	काल	24:04 - 01:40	अशुभ
शुभ	13:27 - 14:51	शुभ	लाभ	01:40 - 03:16	शुभ
रोग	14:51 - 16:15	अशुभ	उत्पात	03:16 - 04:52	अशुभ
उत्पात	16:15 - 17:35	अशुभ	शुभ	04:52 - 06:31	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वार्द्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है । आपको अपने निवेश के निर्णय चरणबध्द तरीके से लेने है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इंतजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है की ये चीज़ आपके मन और मस्तिस्क पर बुरा प्रभाव न डाले ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चों पर लगाम लगाएंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गुजरात की रानीबा, डॉन या बिजनेसवुमन

सैलरी मांगी तो दलित एम्प्लॉई के मुंह में रखी सैंडल, 4 दिन बाद सरेंडर

मोरबी, 27 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। एक खुले मैदान में 3 मेज पर 33 केक रखे हैं। हर केक पर एक लड़की की फोटो है। किसी केक पर पिस्तौल बनी है, तो किसी पर तलवार। बीच में रखे 6 केक पर अंग्रेजी के अक्षर लिखे हैं। इनसे मिलकर बनता है 'रानीबा'। पीछे लग्जरी गाड़ियां खड़ी हैं। तभी ब्लैक ड्रेस में एक लड़की हाथ में तलवार लेकर आती है और एक-एक करके केक काटती है। ये लड़की विभूति पटेल उर्फ रानीबा हैं। गुजरात के मोरबी में रहती हैं। रानीबा पर अपनी कंपनी के एक्स एम्प्लॉई को पीटने और उसके मुंह में सैंडल ठूंसने का आरोप है। घटना के 4 दिन बाद 27 नवंबर, सोमवार को रानीबा समेत 3 आरोपियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। रानीबा का केक काटने वाला वीडियो 3 सितंबर 2022 का है। दलित एम्प्लॉई को पीटने की घटना के बाद ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

रानीबा पटेल एक बड़ी सिरेमिक कंपनी की प्रमोटर बताई जा रही हैं। कंपनी का सालाना टर्नओवर 15 करोड़ रुपए से ज्यादा का है। हालांकि, सोशल मीडिया पर पोस्ट रानीबा के वीडियो कुछ और ही कहानी कहते हैं। ज्यादातर वीडियो में रानीबा ने खुद को लेडी डॉन की तरह पेश किया है। रानीबा आखिर हैं कौन, दलित एम्प्लॉई को पीटने का मामला क्या है, इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

मोरबी शहर की बिजनेसवुमन विभूति सीतापरा उर्फ रानीबा पटेल खुद को आंत्रप्रेन्योर बताती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 23 हजार फॉलोअर्स हैं। हालांकि, अपने एम्प्लॉई को पीटने की घटना के बाद उन्होंने अपना अकाउंट लॉक कर दिया है। इंस्टा अकाउंट पर पोस्ट ज्यादातर फोटो और वीडियो में रानीबा महंगी गाड़ियों के साथ दिखती हैं। बॉडीगार्ड लेकर चलती नजर आती हैं। स्पोर्ट्स बाइक की सवारी करती हैं। ज्यादातर वीडियोज में बैकग्राउंड में पंजाबी गाने सुनाई देते हैं। कुछ फोटो में वे तलवार और रिवॉल्वर के साथ भी दिख रही हैं।

टाइल्स के कारोबार से जुड़ी विभूति पटेल उर्फ रानीबा को सितंबर में सौराष्ट्र सम्मान मिला था। उनकी कंपनी का सालाना टर्नओवर 15 करोड़ रुपए है। कारोबार में उनके भाई भी पार्टनर हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, उसके प्रोडक्ट 37 देशों में सप्लाई होते हैं। वेबसाइट पर विभूति पटेल को फाउंडर और चेयरपर्सन बताया गया है। हालांकि विवाद के बाद उनकी कंपनी की ओर से कोई ऑफिशियल कमेंट नहीं आया है।

रानीबा की तलाश में मोरबी पुलिस की टीम दो बार उनके ऑफिस गई। स्टाफ से भी पूछताछ की। मामले की जांच कर रहे डिप्टी एसपी पीए जाला ने बताया कि विक्टिम नीलेश दलसानिया विभूति बेन पटेल के ऑफिस में काम करते थे। उनकी 20 दिन की सैलरी बाकी थी। इसके लिए वे लगातार विभूति बेन को कॉन्टैक्ट कर रहे थे। वे बहाना बनाकर उन्हें टाल रही थीं। उन्होंने आगे बताया कि विक्टिम का आरोप है कि 22 नवंबर को रात 8 बजे पैसे देने के नाम पर उन्हें ऑफिस में बुलाया गया और फिर पिटाई की गई। इसी के आधार पर हमने केस दर्ज किया है। इसमें विभूति बेन के अलावा 5 नामजद आरोपी हैं। 8 अन्य के खिलाफ अज्ञात में केस दर्ज किया है। नीलेश को पीटने के मामले में रानीबा के अलावा उनकी कंपनी के कर्मचारी ओम पटेल, राज पटेल, परीक्षित, डीडी रबरी और 8 अन्य के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इनमें राज और ओम पटेल रानीबा के साथ सरेंडर कर

चुके हैं। डीडी रबरी को रविवार शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। 5वां आरोपी परीक्षित पटेल अभी फरार है। उनके वकील जयदीप पंचोतिया कहते हैं, 'रानीबा की कंपनी का सालाना टर्नओवर 15 करोड़ रुपए से ज्यादा है। एफआईआर में उन पर लूट की धारा लगाई गई है, वो टिकती नहीं है।' इसी को आधार बनाकर हम हाईकोर्ट में एफआईआर रद्द करने की याचिका लगाने वाले है। ये धारा सिर्फ उन्हें गिरफ्तार करने के लिए लगाई है। इसके अलावा लगी धाराओं में 7 साल से कम सजा का प्रावधान है। ऐसे में कोर्ट के आदेश के बिना उन्हें अरेस्ट नहीं किया जा सकता था।

जयदीप पंचोतिया कहते हैं, 'मेरी क्लाइंट पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है, वो भी गलत है। उन्हें पता ही नहीं था कि वो शख्स दलित है। उसका सरनेम 'दलसानिया' है। ये सरनेम जनरल और ओबीसी कैटेगरी के लोग भी लगाते हैं। 26 नवंबर को मोरबी साइबर सेल ने रानीबा के खिलाफ गुजरात पुलिस एक्ट की धारा 268, 290, 135 और आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया है।

नीलेश की पिटाई का आरोप लगने के बाद सोशल मीडिया पर रानीबा और बीजेपी की महिला मोर्चा अध्यक्ष दीपिका सरदवा की फोटो वायरल हो रही है। इसमें रानीबा भगवा रंग का स्कार्फ डालकर सोफे पर बैठी हैं।

कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने 25 नवंबर को सोशल मीडिया पर लिखा कि जिस विभूति पटेल ने दलित युवक को जूता चटवाया, वो बीजेपी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में दलितों पर अत्याचार के मामलों में सजा की दर 36% है, यानी 100 मामलों में से सिर्फ 36 में ही सजा हो पाती है। गुजरात में ऐसे मामलों में सजा की दर सिर्फ 5% है।

दलित एम्प्लॉई नीलेश की कहानी

मोरबी के जनरल हॉस्पिटल में एडमिट 21 साल के नीलेश दलसानिया पूरा वाकया सुनाते हैं। कहते हैं, 'मैं रानी बा इंडस्ट्रीज में मार्केटिंग का काम करता था। 18 अक्टूबर तक काम किया। फिर घर में कुछ दिक्कतें थीं, इसलिए नौकरी छोड़ दी। मैं अक्टूबर के 15 दिन की सैलरी का इंतजार कर रहा था। पे-रोल के मुताबिक, 15 दिन की मेरी सैलरी 12 हजार रुपए बनती है।'

मैंने 6 नवंबर को कंपनी की मालकिन विभूति पटेल को फोन करके इस बारे में बताया। उन्होंने बात टाल दी। डेढ़ महीने हो गए, तब भी अकाउंट में सैलरी नहीं आई, तो कंपनी में फोन किया। अफसरों ने कहा कि पैसे लेने ऑफिस आ जाओ। मैं 22 नवंबर को ऑफिस पहुंचा, तो 5 कर्मचारियों ने मुझे पकड़ा और छत पर ले गए। सभी ने मुझे लात-घूंसों और बेल्ट से मारा। मुझे पीटने का वीडियो भी बनाया। उन लोगों ने मुझे आधे घंटे तक पीटा।'

'पिटाई के दौरान विभूति पटेल भी वहीं खड़ी थीं। उन्होंने मुझसे पहले अपनी सैंडल मुंह से उठाने और माफी मांगने के लिए कहा। मैंने ऐसा नहीं किया तो जबरन मेरे मुंह में सैंडल ठूंस दी। रानीबा ने मुझे गालियां भी दीं। पिटाई से मैं बेहोश हो गया। इसके बाद उन लोगों ने मुझे कंपनी के गेट पर फेंक दिया। मेरा साथी मुझे अस्पताल ले गया।'

नीलेश का आरोप है कि रानीबा के लोगों ने मुझसे जबरदस्ती कहलवाया कि मैं अपने दोस्त के साथ पैसे की उगाही कर रहा था। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं माफी मांगू। इसका वीडियो भी बनाया।' नीलेश ने आगे बताया कि रानीबा ने मुझसे कहा कि आगे से मैं रावापार सर्कल में न दिखूं। उनकी फैक्ट्री इसी एरिया में है। उन्होंने मुझे जान से मारने की धमकी दी और कहा कि आगे से मैं पैसे के लिए कॉल या मैसेज न करूं। फिलहाल नीलेश का इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स के मुताबिक, अब वे खतरे से बाहर हैं, लेकिन उनकी पीठ में गंभीर चोट है। पुलिस को अब तक उनकी पिटाई के वीडियो नहीं मिले हैं।

छत्तीसगढ़ में फिर दिखा नक्सलियों का कहर

50 से ज्यादा ने दिया घटना को अंजाम, कई ट्रकों में आग, मजदूर बने बंधक

जगदलपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के भांसी थाना क्षेत्र के डामर प्लांट में नक्सलियों ने बीती रात जमकर उत्पात मचाते हुए 16 ट्रकों को आग के हवाले करने के साथ ही प्लांट में मौजूद सुरक्षाकर्मी को बंधक भी बना लिया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी नक्सली जंगल के रास्ते भाग निकले, इस घटना को अंजाम देने के लिए 50 से ज्यादा नक्सली आए। जिसमें कुछ वर्दीधारी भी होने की बात कही जा रही है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा जिले के भांसी डामर प्लांट में नक्सलियों ने जमकर उत्पात मचाया। यहां निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी की खड़ी करीब 16 गाड़ियों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया। इस आगजनी से करोड़ों का ट्रक जलकर खाक हो गया है। वहीं प्लांट में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि करीब 50 से ज्यादा नक्सली यहां पहुंचे और सबसे पहले गाड़ियों के डीजल टैंक फोड़ने के साथ ही टंकियों में आग लगा दी।

सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि घटनास्थल से पुलिस थाना महज एक किमी दूर में यह डामर प्लांट स्थित है, देर रात नक्सली यहां जंगल के रास्ते पहुंचे थे। इनमें कुछ वर्दीधारी हथियाबंद भी थे, बताया जा रहा है कि प्लांट में मौजूद चौकीदार को बंधक बनाया गया, जिसके बाद एक-एक वाहनों के टैंक फोड़कर उसमें आग लगा दी। वारदात के बाद सारे नक्सली जंगल की तरफ चले गए, इस वारदात की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली तो रात में ही जवान मौके पर पहुंचे, वाहनों में लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई। पुलिस जवानों द्वारा इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि एन सी नहर रोड कांट्राक्शन कैंप में नक्सलियों ने गाड़ियों पर आग लगाया है। रोड कंस्ट्रेक्शन का काम दंतेवाड़ा से किरंदुल तक चल रहा है। जिसमें मुख्य रूप से हाईवा चार, पिकअप चार, जेसीबी एक, क्रेन एक, सिफ्टर ट्रक एक, पानी टैंक गाड़ी एक और एक मिक्सर गाड़ी शामिल है।

शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मी ने लोगों को कुचला

कोरबा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा शहर के बाल को जाने वाले मुख्य मार्ग डेंगूनाला के पास तेज रफ्तार कार के चालक पुलिसकर्मी ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए गौरा गौरी विसर्जन कर लौट रही भीड़ को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं एक सवारी ऑटो को भी ठोकर मार दिया इस हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और जमकर हंगामा हुआ। लोगों ने आरोपी चालक की जमकर पिटाई की। इस घटना की सूचना तत्काल 108 और सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई जहां मौके पर संजीवनी वहां की मदद से हादसे में घायल लोगों को अस्पताल के लिए रवाना किया गया, हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि चालक शराब के नशे में था जिसके चलते यह हादसा हुआ है ऐसे में पुलिसकर्मी ही इस तरह की हरकत करेंगे तो आम आदमी का क्या होगा, ऐसे पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

हत्या कर महिला और बच्चे के शव जलाए

पैरावट में लगी आग बुझाने पर मिली अधजली लाशें, मौके पर दिखे टायर के निशान

रायगढ़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक महिला और बच्चे की हत्या कर शव जलाने का मामला सामने आया है। जूट मिल थाना क्षेत्र के ग्राम नेतनागर में पैरावट में आग लगी थी। आग बुझाने पर ग्रामीणों को महिला और बच्चे की अधजली लाश मिली। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

बताया जा रहा है कि इन दोनों की हत्या कहीं और की गई है। इसके बाद कार में लाकर नेतनागर गांव की एक बाड़ी में रखे पैरावट में फेंककर आग लगा दी गई। फिलहाल, पुलिस शवों की पहचान में जुटी है। स्थानीय निवासी सतपाल बग्गा का कहना है कि रात ढाई बजे घटना की सूचना मिली कि दो लोगों को किसी ने पैरावट में डालकर आग लगा दी है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। गांव से कोई भी लापता नहीं है, इसलिए किसी दूसरी जगह से यहां आया शवों को लाया गया होगा। घटना स्थल पर कार के टायर के निशान मिले हैं। एसपी सदानंद कुमार का कहना है कि नेतनागर के हाईवे से लगी एक बाड़ी में आग लगी थी। गांव वाले उसे बुझाने के लिए पहुंचे तो दो शव दिखे। इसकी सूचना पर जूट मिल पुलिस फोरन मौके पर पहुंची। एफएसएल की टीम ने भी घटना स्थल की जांच की है। पंचनामे के बाद महिला और बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। अभी उनकी पहचान नहीं हुई है। आसपास के थानों में घटना की सूचना दी गई है, ताकी शवों की पहचान हो सके।

एसपी कहना है कि महिला से सिर पर चोट के निशान मिले हैं। इसलिए शुरुआती जांच में हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस को आशंका है कि हत्या कहीं और की गई और बाद में शवों को यहां लगाकर जला दिया गया है।

सरगुजा छोड़कर सभी संभागों में बारिश के आसार

रायपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खड़ी में बने चक्रवात की वजह से छत्तीसगढ़ के मौसम में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। पश्चिमी विक्षोभ के असर और बंगाल की खाड़ी से नमी आने के चलते सरगुजा संभाग को छोड़कर प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। ऐसे में अगले दो दिन तक तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। मौसम वैज्ञानिक एचपी चन्द्रा ने बताया कि प्रदेश में आने वाली हवाओं की दिशा बदली है , बंगाल की खाड़ी से अधिक मात्रा में हवा आने के कारण मौसम में नमी बढ़ी है। नमी की मात्रा तापमान को स्थिर कर लेती है, जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट कम हुई है।

संविधान मेले में 'प्रदूषित रामायण' किताब पर बवाल

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया सुपेला थाने का घेराव, किताब के लेखक-प्रकाशक पर केस दर्ज

भिलाई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भिलाई में लगे संविधान मेले में हिंदू धर्म विरोधी किताबें बेचने का मामला सामने आया है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध करते हुए सुपेला थाने का घेराव किया और मामला दर्ज करने की मांग की।

इसके बाद सुपेला पुलिस ने प्रदूषित रामायण नाम से पुस्तक लिखने वाले लेखक श्रीकांत शेट्ये और प्रकाशक के खिलाफ केस दर्ज किया है। बजरंग दल के विभाग संयोजक रवि निगम ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कोसा नाला के पास रेलवे की जमीन पर संविधान मेला लगा है। उस मेले में खुलेआम स्टॉल लगा कर हिंदू धर्म विरोधी आपत्तिजनक किताबें बेची जा रही हैं। ऐसा करके आयोजक हिंदू धार्मिक उन्माद को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, आयोजन समिति ने कहा कि किताब बेचने वाला बाहर से आया था, उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता आयोजन स्थल पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया।

इसके बाद उन्होंने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की। जब पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो बजरंगियों ने सुपेला थाने का घेराव कर दिया। टीआई दुर्गेश शर्मा ने एक टीम को मौके पर जांच के लिए भेजा। वहां से हिंदू धर्म विरोधी और धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली किताबें मिलीं। बजरंगियों के थाने का घेराव करने की सूचना पाकर सीएसपी मौके पर पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया तब बजरंगी शांत हुए। करीब 3 घंटे तक थाना परिसर में हंगामे के बाद प्रदूषित रामायण पुस्तक के लेखक श्रीकांत शेट्ये और प्रकाशक के खिलाफ धारा 295-ए के तहत केस दर्ज किया गया।

संविधान मेले में लगे बांधव प्रकाशन के स्टॉल में प्रदूषित रामायण के साथ ही हिंदू विरोधी किताबें बड़े पैमाने रखी गई थी। इनमें हिंदुइज्म धर्म या कलंक, भगवत गीता की बुद्धिवादी समीक्षा, आदिवासी हिंदू नहीं हैं, धर्म के नाम पर, पेरियार की विवादास्पद किताब सच्ची रामायण की चाबी और हिंदुत्व मुक्त भारत की ओर जैसी दर्जनों किताबें थी।

बजरंगियों ने पुलिस को चेतावनी दी है कि अगर इस तरह का कृत्य दोबारा हुआ तो वो किसी भी हालत में ऐसे लोगों को बख्शेंगे नहीं। बजरंग दल के विभाग संयोजक रवि निगम ने कहा कि बजरंग दल के कार्यकर्ता हिंदुत्व पर हुए आघात पर कुछ भी करने को तैयार बैठे हैं।

अवैध आरा मिल संचालन पर कार्रवाई

सात ट्रैक्टर सखुआ, मशीन और कार सहित कई सामान जब्त

कटकमसांडी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के ढोठवा पंचायत अंतर्गत ग्राम कोनहर में वन विभाग की टीम ने रविवार को अवैध रूप से आरा मिल संचालित होने की सूचना पर छापेमारी की। छापेमारी अभियान का नेतृत्व हजारीबाग सहायक वन संरक्षक पदाधिकारी एके परमार ने किया।

वन विभाग की पूरी टीम दलबल के साथ कोनहर लगभग पहुंची और कोनहर गांव निवासी संतोष राणा के घर में अवैध रूप से संचालित आरा मिल को घेर लिया।जांच के क्रम में टीम को मिली सूचना से अधिक सखुवा की लकड़ी व मिल देख कर हतप्रभ रह गयी। मिल में सात ट्रैक्टर सखुआ का बोटा सहित भारी मात्रा में लकड़ी का चीरा हुआ पटरा बरामद किया साथ ही टीम को लकड़ी चीरने का एक आरा मशीन एक जनरेटर तथा लकड़ी ढोने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक मारुति ओमनी भी मिला।

पता नहीं कब निकलेंगे, उत्तरकाशी स्थित सुरंग में फंसे मजदूरों के परिजन हताश

जताई चिंता

ओरमांझी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने का काम जारी है। लगातार बचाव दल द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है। फंसे मजदूरों में झारखण्ड के रहने वाले मजदूर भी शामिल हैं। इसी बीच, बचाव में देरी को लेकर झारखण्ड स्थित खीरबेड़ा के ग्रामीण खासा चिन्तित दिखाई दे रहे हैं। ड्रिलिंग करने वाली ऑगर मशीन के ब्लेड मलबे में फंस गए, जिसके कारण बचाव कार्य में लगे दल को अन्य विकल्प पर विचार करना पड़ा। कयास यह लगाए जा रहे हैं कि 41 मजदूरों के बाहर निकलने में अभी भी देरी है।

देरी पर उठाए सवाल, परिवार वाले होने लगे हताश

सुरंग के फंसे राजेंद्र के पिता श्रवण तक जब देरी की बात पहुंची तो खासा हताश दिखाई दिए। बता दें श्रवण के पिता लकवाग्रस्त। बता दें राजेंद्र के अलावा गांव के अन्य मजदूर भी दो सप्ताह से सुरंग के अंदर फंसे हुए हैं। वहीं अन्य मजदूर सुखराम के मां को जब इस बारे में पता चला तो वह गमगीन हो गई हैं। वहीं अनिल की मां घटना की सूचना के बाद से बीमार है।

परिजन बोले, पता नहीं ओर कितना समय लगेगा

सुरंग में फंसे अनिल के भाई सुनील ने कहा कि हर दिन, सिर्फ दो घंटे ही सुनने के लिए मिल रहा है। हमें नहीं पता कि इसमें कितना समय लगेगा। हम बस उनके आने की दुआ ही कर रहे हैं। सुनील घटना के बाद से ही घटना स्थल पर मौजूद हैं, जहां रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं सुरंग में फंसे सुखराम की बहन खुशबू ने कहा, घटना के बाद से ही पूरा गांव सदमे में है। हर कोई बचाव अभियान की जानकारी के लिए लगातार संपर्क कर रहे हैं।

बता दें घटना में बचाव कार्य 12 नवंबर से शुरु हुआ। यह निर्माणाधीन सुरंग चारधाम मार्ग का एक हिस्सा है लेकिन भूस्खलने के बाद इसका एक हिस्सा ढह गया। जिसके कारण मौजूद मजदूर भीतर ही फंस गए।

डीसी ने जानकारी राज्य सरकार को दी

रांची, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने चार एसटी छात्र-छात्राओं के खिलाफ पांच साल पहले लालपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी वापस ले ली है। कैबिनेट के निर्णय के बाद गृह विभाग ने इससे संबंधित संकल्प जारी किया है। आरोपी स्टूडेंट्स पर इस मुकदमे के अलावा केस डायरी में कोई अन्य आपराधिक इतिहास अंकित नहीं होने का हवाला दिया गया है, कहा गया है कि इस केस के कारण चारों का करियर खतरे में था। डीसी ने चारों के भविष्य को देखते हुए प्राथमिकी वापस लेने की अनुशंसा गृह विभाग से की थी। अप्रैल 2018 में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम में संशोधन के विरुद्ध कुछ संगठनों ने भारत बंद बुलाया था।

आदिवासियों के विरुद्ध हो रहे अपराध

झारखंड आदिवासी बहुल, फिर भी एसटी/एससी के विरुद्ध बढ़े अपराध, अकेले रांची में तीन साल में 351 मामले हुए दर्ज

रांची, 27 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है। इसके बाद भी राज्य में हर साल आदिवासियों के विरुद्ध अपराध बढ़ते जा रहे हैं। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो सिर्फ रांची जिले में 351 अपराध एसटी/एससी के विरुद्ध हुए हैं। वहीं, राज्यभर में पिछले तीन साल में 3,387 मामले एसटी/एससी के विरुद्ध सामने आए। सबसे अधिक अपराध हर साल रांची जिले में हो रहे हैं। 2021 में रांची में 130 और राज्यभर में 958, वर्ष 2022 में रांची में 111 व राज्य में 1496 और 2023 में सितंबर तक रांची में 110 व राज्य भर में 933 अपराध एसटी/एससी के विरुद्ध हुए हैं। यह चिंता का विषय है कि आदिवासी बहुल राज्य होने के बाद भी आदिवासियों के विरुद्ध अपराध बढ़ रहे हैं।

आदिवासियों के विरुद्ध हो रहे अपराध में उन्हें न्याय भी जल्द नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि एसटी/एससी मामले में अनुसंधान की जिम्मेदारी अभी तक डीएसपी स्तर के अधिकारियों को ही है। नियम में संशोधन के बाद अब एसटी/एससी आईओ इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी भी हो सकते हैं। डीएसपी स्तर के पदाधिकारियों की संख्या कम होने से एसटी/एससी मामलों के अनुसंधान में भी देरी होती थी। डीएसपी स्तर के अधिकारियों पर इनके अलावा अन्य मामलों के सुपरविजन का दायित्व भी होता है। इस वजह से एसटी/एससी के मामले लंबे अवधि तक लंबित रह जाते हैं। एसटी/एससी के विरुद्ध वर्ष 2022 में देवघर जिले में सिर्फ चार महीने में 274 मामले सामने आए। देवघर जिले में सितंबर में 81, अक्टूबर में 78, नवंबर में 63 और दिसंबर महीने में 52 मामले सामने आए, जो कि पिछले तीन माह में सबसे अधिक हैं।

पाकुड़ जिले में मलेरिया का प्रकोप बढा

पाकुड़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले में मलेरिया फैल रहा है। जोरडीहा पंचायत के 23 गांवों में यह पूरी तरह फैल गया है। बड़ा कुटलो गांव में ब्रेन मलेरिया से पांच बच्चों की मौत हो गयी। इन मौत की खबर के बाद प्रशासन जागा और इसकी जांच के आदेश दिए गये। मलेरिया के लक्षण कई लोगों में पाये गये हैं। डीसी मृत्युंजय बर्णवाल ने स्वास्थ्य विभाग को सभी प्रभावित गांवों में सर्वे कराने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांवों में शिविर लगाकर लोगों की जांच कर रही है। जो मलेरिया से संक्रमित पाए जा रहे हैं उनकी जांच की जा रही है। स्वास्थ्यकर्मियों ने डीसी को जानकारी दी है कि लोग मलेरिया को लेकर जागरुक नहीं है और कम लोग ही शिविर में आकर जांच करा रहे हैं। डीसी ने ग्राम प्रधान बिरजू हांसदा व मुखिया जोसेफ मालतो की मौजूदगी में ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि यह जांच आपके लिए है। अगर गांव के लोगों ने जांच नहीं कराई तो बड़ा रूप ले सकती है और कई लोगों की जान जा सकती है।

गाजा पहुंचे इजराइली पीएम नेतन्याहू

सैनिकों से मिले, हमास ने तीसरे बैच में 17 बंधकों को छोड़ा, इजराइल से 39 फिलिस्तीनी कैदी रिहा

यरुशलम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के तीसरे दिन इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा पहुंचे। उन्होंने नॉर्थ गाजा में मौजूद सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने कहा- हम अपने बंधकों को वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- जंग में हमारे तीन लक्ष्य हैं। पहला- हमास का खात्मा, दूसरा- बंधकों की वापसी और तीसरा- यह सुनिश्चित करना कि गाजा फिर से इजराइल के लिए खतरा न बने।

इस बीच हमास ने आज बंधकों के तीसरे बैच में 13 इजराइलियों को आजाद कर दिया। इसमें एक रूसी नागरिक है। बदले में इजराइल ने भी 39 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया।

वेस्ट बैंक में 2 फिलिस्तीनियों को मारकर खंभे पर लटकाया

इधर, वेस्ट बैंक में शुक्रवार की रात भीड़ ने 2 फिलिस्तीनियों को गोली मारकर बिजली के खंभे से लटका दिया। टाइम्स ऑफ

इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक उन पर इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप लगे थे।

एक फिलिस्तीनी पत्रकार ने टाइम्स ऑफ इजराइल को बताया कि भीड़ ने पहले तो दोनों को पीटा, उन्हें गोली मारी और उनके शवों को लातें मारीं। सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल हुए हैं। इनमें सैकड़ों लोग दिखाई दे रहे हैं। जबकि कुछ लोग मारे गए फिलिस्तीनियों को बिजली के खंभे पर लटका रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ लोगों ने दोनों फिलिस्तीनियों को इजराइली इंटेलिजेंस के लोगों से मिलते देखा था। आरोप है कि उन्हें इंटेलिजेंस शेयर करने के बदले हजारों डॉलर भी दिए गए थे। मारे जाने के बाद भीड़ ने उनके शवों को खंभे से उतारकर कचरे में फेंक दिया। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इस घटना के दौरान वहां फिलिस्तीनी अथॉरिटी मौजूद थी या नहीं।

यमन के अदन तट पर अज्ञात लोगों ने इजराइली शिप को हाईजैक कर लिया है। हालांकि अब तक किसी संगठन ने ऐसा करने की जिम्मेदारी नहीं ली है। दरअसल, 19 नवंबर को यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाइजैक कर लिया था। ये जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाइजैक किया था।

सीजफायर के दूसरे दिन हमास ने शनिवार देर रात इजराइली बंधकों के दूसरे बैच को रिहा कर दिया। बदले में 39 फिलिस्तीनियों को इजराइली जेलों से छोड़ा गया। इजराइली सेना का कहना है कि युद्धविराम समझौते के तहत अदला-बदली के दूसरे दौर में हमास ने 13 इजराइलियों और चार विदेशियों को रिहा किया। ये चारों थाईलैंड के नागरिक हैं।

हमास की कैद से छूटी 4 साल की अनाथ

7 अक्टूबर के हमले में मारे गए थे माता-पिता रिहा हुए बंधक बोले- हमें खाना नहीं मिला

यरुशलम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास के बीच सीजफायर डील के तीसरे दिन इजराइल ने 39 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया। जबकि हमास ने 13 इजराइली छोड़े हैं। इसमें एक 4 साल की अनाथ बच्ची भी है। इसका नाम एविगेल एदान है। एविगेल के माता-पिता 7 अक्टूबर को हुए हमास के हमले में मारे गए थे। एविगेल को हमास के लड़ाके पड़ोसी के घर से उठा कर ले गए थे। रविवार रात जब वो वापस इजराइल पहुंची तो वहां उसका इंतजार करने के लिए माता-पिता नहीं थे। अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक कई कैदियों ने बताया है कि हमास ने उन्हें भूखा रखा। रोज खाना नहीं दिया, जो दिया वो काफी नहीं था। ठीक से खाना नहीं मिलने की वजह से कई बंधकों का वजन 5 किलो तक कम हुआ है। हालांकि, रिहा हुए बंधकों को कहीं चोट के निशान नहीं हैं, उन्हें इजराइल ने स्वस्थ बताया है। वहीं, इजराइल और

हमास के बीच सीजफायर की सीमा बढ़ भी सकती है। इसके लिए अमेरिका, मिस्र और कतर इजराइल पर दवाब डाल रहे हैं। वेस्ट बैंक में रह रहे इजराइली लोग वहां के फिलिस्तीनी लोगों की जमीन छीन रहे हैं और उन पर कब्जा कर रहे हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनियों के घरों को जलाया जा रहा है। वहां हिंसा की जा रही है। जेनिन के पास रह रहे एक शख्स ने बताया कि इजराइली सेटलर्स उनके इलाके में अपने मवेशी छोड़ देते हैं। उनके पेड़ काट देते हैं। हथियारबंद इजराइलियों का उन्हें निहत्थे रहते हुए सामना करना पड़ता है।

जंग के बाद से इजराइली सेना वेस्ट बैंक में रेड कर रही है। इसी बीच वहां रह रहे इजराइली फिलिस्तीनियों के साथ मारपीट भी कर रहे हैं। रेड की वजह से लोगों और सैनिकों के बीच झड़पें हुईं। इसमें वेस्ट बैंक में रह रहे 237 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। वहीं 2800 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। वहीं, हमास ने सीजफायर के तीसरे दिन यानी 26 नवंबर को बंधकों के तीसरे बैच में 13 इजराइलियों को आजाद किया। इसमें एक रूसी नागरिक है। आजाद हुए 13 इजराइलियों में 4 साल की अमेरिकी-इजराइली एविगेल इदान और 84 साल की अल्मा अब्राहम भी शामिल हैं।

इजराइली सेना के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने रविवार देर रात एक बैठक की। इस दौरान सीजफायर के बाद की कार्रवाई पर चर्चा हुई। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, युद्धविराम खत्म होने के बाद इजराइली सेना दोबारा गाजा पर हमले करेगी। बैटल प्लान तैयार हो गया है। इसके अप्रूवल पर बैठक में चर्चा हुई।

दुबई कोप 28: जलवायु परिवर्तन रोकने की रफ्तार सुस्त

एमिशंस गैप रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, संकट में दुनिया

दुबई/नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इस महीने के अंत में दुबई में सुल्तान अहमद अल-जबर की अध्यक्षता शुरू होने जा रहे जलवायु परिवर्तन महा सम्मेलन- कोप28 के ठीक पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने अपनी एमिशन गैप रिपोर्ट जारी की है। इसमें दुनिया को चेतावनी दी है की अगर वक्त रहते सभी देश अपने उत्सर्जन में कटौती करने की प्रतिबद्धताओं को बढ़ाकर और ज्यादा नहीं करते हैं तो सदी के अंत तक ग्लोबल वार्मिंग पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2.5-2.9 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगी।

दुबई में 2023 जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले जारी की गई एमिशन गैप रिपोर्ट 2023: ब्रोकेन रिकॉर्ड' नामक यह रिपोर्ट बताती है कि दुनिया का तापमान नई ऊंचाई पर पहुंच गया। अगर सिर्फ पेरिस समझौते के तहत मौजूदा प्रतिज्ञाओं को बरकरार रखा जाता है, तो दुनिया खतरनाक तापमान वृद्धि के रास्ते पर चली जाएगी। जब तक दुनिया के सभी देश अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं से आगे नहीं बढ़ेंगे, सदी के अंत तक ग्लोबल वार्मिंग पूर्व औद्योगिक स्तर से केवल 3 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रह सकती है। इस तरह के परिणाम जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तीव्र प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हैं। यूएनईपी के कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन ने जलवायु परिवर्तन के सार्वभौमिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, दुनिया का कोई भी इंसान या अर्थव्यवस्था जलवायु परिवर्तन से अछूता नहीं है, इसलिए हमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, वैश्विक तापमान में वृद्धि और चरम मौसम जैसी बातों के संदर्भ में रेकॉर्ड स्थापित करना बंद करना होगा। इससे बचने के लिए, रिपोर्ट मौजूदा दशक में मिटिगेशन यानी उत्सर्जन की रोकथाम करके दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग से बचाने के प्रयासों को पर्याप्त रूप से मजबूत करने का आह्वान करती है। इन प्रयासों की प्रभावशीलता एमिशन गैप को कम करने, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के अगले दौर में साल 2035 के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को सक्षम करने में निहित है। ऐसे उपायों से नेट जीरो प्रतिज्ञा प्राप्त करने की संभावना भी बढ़ जाती है, जो वर्तमान में लगभग 80% वैश्विक एमिशन को कवर करती है। यह रिपोर्ट कुछ चिंताजनक आंकड़े प्रस्तुत करती है, जिसमें इस वर्ष अक्टूबर तक पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाले 86 दिनों का रिकॉर्ड भी शामिल है। सितंबर अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया है, जिसमें वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.8 डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच गया।

साल 2021 से 2022 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 1.2% की वृद्धि हुई, जो 57.4 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य के एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। ग्लोबल वार्मिंग के मौजूदा हालात के असर को हम सब जानलेवा गर्मी, बेतहाशा बेमौसम बारिश, बाढ़, बारिश के दिनों में एक-एक बूंद को तरसना, सूखा, फसलों का नष्ट होना जैसे प्रभावों के रूप में हम सब देख चुके हैं।

इस परिदृश्य से बचने के लिए, रिपोर्ट मौजूदा दशक में मिटिगेशन प्रयासों को पर्याप्त रूप से मजबूत करने का आह्वान करती है। इन प्रयासों की प्रभावशीलता एमिशन गैप को कम करने, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के अगले दौर में 2035 के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को सक्षम करने में निहित है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी जंगी जहाज पर किया मिसाइल हमला

यूएस आर्मी का दावा

वॉशिंगटन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उसके जंगी जहाज यूएसएस मेसन पर रविवार की रात हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले यमन के इलाके से बैलेस्टिक मिसाइल से हमला किया गया। जंगी जहाज पर दो बार मिसाइल हमला हुआ। हालांकि इस हमले में कोई नुकसान नहीं हुआ है। अमेरिका सेना ने बताया कि दोनों मिसाइलें अदन की खाड़ी में जहाज से 11 मील दूर गिरीं।

यूएसएस मेसन आइजनहावर कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एम/वी सेंट्रल पार्क नामक एक व्यापारिक जहाज को अगवा करने की कोशिश हुई थी। इसकी सूचना मिलने पर यूएसएस मेसन सेंट्रल पार्क जहाज की रक्षा के लिए

पहुंचा था। यूएसएस मेसन को देखकर व्यापारिक जहाज का अपहरण करने वाले समुद्री लुटेरे वहां से भागने लगे लेकिन यूएसएस मेसन ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद जब यूएसएस मेसन ऑपरेशन पूरा कर वापस लौट रहा था, तभी अदन की खाड़ी में उस पर मिसाइलों से हमला हुआ।

सेंट्रल पार्क जहाज एक टैंकर शिप है, जो फास्फोरिक एसिड लेकर जा रहा था और जिस वक्त पर उस पर हमला हुआ, जहाज पर क्रू के 22 सदस्य थे। सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। बता दें कि जिस जहाज का अपहरण करने की कोशिश की गई, वह लंदन स्थित जोडिएक मेरीटाइम कंपनी का है और यह इस्राइली अरबपति एअल ओफेर को जेडिएक ग्रुप का हिस्सा है। यमन के हूती विद्रोहियों ने अभी तक अमेरिकी जहाज पर मिसाइल हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं यमन की सरकार ने आरोप लगाया है कि हूती विद्रोहियों ने ही ये हमला किया था।

चुनाव आयोग का पीटीआई को जवाब- इमरान राजनीतिक कैदी नहीं

साइफर लीक सहित कई मामलों में हैं आरोपी

इस्लामाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 'राजनीतिक कैदी' नहीं हैं। ईसीपी ने कहा कि उन्हें जेल में इसलिए रखा गया है कि वह गोपनीय राजनयिक केबल के दुरुपयोग सहित विभिन्न मामलों में आरोपी हैं।

देश में आठ फरवरी को आम चुनाव होने हैं। उससे पहले इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने चौबीस सूत्रीय मांगों के साथ ईसीपी को एक पत्र भेजा। इस पत्र में उन्हें राजनीतिक कैदी बताया गया। इसके जवाब में ही ईसीपी की ओर से यह टिप्पणी सामने आई है।

पीटीआई के महासचिव उमर अयूब खान द्वारा छह नवंबर को ईसीपी को भेजे गए पत्र में पार्टी प्रमुख खान को 'राजनीतिक कैदी' बताया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि पार्टी को एक राजनीतिक इकाई के रूप में प्रताड़ित किया जा रहा है और सताया जा रहा है।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, हालांकि ईसीपी ने इस आरोप को खारिज कर दिया और कहा कि इस कथित उत्पीड़न में उसकी कोई भूमिका नहीं है। ईसीपी ने 22 नवंबर को पत्र पर अपने जवाब में कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गोपनीय राजनयिक केबल लीक मामले सहित विभिन्न मामलों में जेल में हैं।'

'राजनीतिक कैदी' ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जिसे उन राजनीतिक विचारों को रखने के लिए जेल में डाल दिया गया है जो उस राज्य में बर्दाश्त नहीं किया जातें हैं जिसमें वह रहता है। क्रिकेटर से नेता बने खान विभिन्न मामलों में 26 सितंबर से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। ईसीपी ने पीटीआई के उस दावे को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि उसके नेताओं को पार्टी के खिलाफ इंटरव्यू व बयान देने और उससे अलग होने के लिए मजबूर किया गया था। आयोग ने कहा कि इसमें उसकी कोई भूमिका नहीं है। उसने स्पष्ट किया कि वह किसी भी राजनीतिक नेता को किसी भी पार्टी में शामिल होने या छोड़ने से नहीं रोक सकता।

पीटीआई के इस दावे पर कि उसे समान अवसर नहीं मिल रहे हैं, ईसीपी ने कहा कि उसने कार्यवाहक सरकार को सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए पहले ही निर्देश जारी कर दिए हैं।

जब पीटीआई ने कहा कि आम चुनाव संवैधानिक रूप से निर्धारित 90 दिनों की अवधि के भीतर नहीं हो रहे हैं, तो ईसीपी ने कहा कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा विचार-विमर्श किया गया था। ईसीपी ने कहा कि उसने अदालत के आदेश पर राष्ट्रपति के परामर्श से चुनाव की तारीख आठ फरवरी, 2024 तय की है।

श्रीलंका और थाईलैंड के बाद इस देश में भारतीयों को मिलेगा मुफ्त वीजा

राष्ट्रपति ने खुद की घोषणा

कुआलालंपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। आर्थिक वृद्धि के लिए मलयेशिया अब श्रीलंका और थाईलैंड की राह पर चल पड़ा है। मलयेशिया ने भी भारतीय नागरिकों को 30 दिनों के लिए मुफ्त वीजा देने की बात कही है। हालांकि मलयेशिया ने एक दिसंबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चीनी नागरिकों के लिए भी खोला है। बता दें भारतीय नागरिकों को मुफ्त वीजा देने वाला मलयेशिया तीसरा एशियाई देश है। अभी मलयेशिया में सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, तुर्की, जॉर्डन के नागरिकों को यह सुविधा मिलती है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के एक बयान ने साफ किया है कि कि यह मुफ्त वीजा छूट सुरक्षा मंजूरी के अधीन होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि आपराधिक रिकॉर्ड और हिंसा के जोखिम वाले लोगों को इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा देश के गृह मंत्री सैफुद्दीन नसुशन इस्माइल जल्द ही वीजा छूट से जुड़ी अधिक जानकारी आपके साथ साझा करेंगे।

दूसरे देशों में घुसकर दुश्मनों को मारने वाला अमेरिका

सद्दाम, लादेन, अल-जवाहिरी से बदला लिया, लेकिन पन्नू को बचाने के लिए भारत से क्यों टकराया?

ओटावा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। 18 सितंबर, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपनी संसद में कहा- हमारे नागरिक और सिख एक्टिविस्ट हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ था। इस आरोप के 2 महीने 4 दिन बाद ही ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स में एक रिपोर्ट छपी।

इसमें दावा किया गया कि अमेरिका ने भारत पर उसके नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू को मरवाने की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। अमेरिका ने भारत को डिप्लोमेटिक वॉर्निंग भी दी है। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की दोहरी नागरिकता है। दोनों देशों के लिए पन्नू एक सिख एक्टिविस्ट है, जबकि भारत ने इसे 1 जुलाई 2020 को आतंकी घोषित कर दिया था। अमेरिका और कनाडा में बैठकर पन्नू भारत के खिलाफ हमलों की साजिश रचता है।

ऐसे में सवाल उठता है कि

भारत के आतंकी को अमेरिका क्यों बचा रहा है। जबकि खुद अमेरिका ने दूसरे देशों में अपने दुश्मनों को मारने के लिए कई ऑपरेशन चलाए हैं। इस स्टोरी में सद्दाम हुसैन से लेकर ओसामा बिन लादेन के मारे जाने तक के किस्सों के बारे में जानेंगे। आतंकी हमले के बाद सीआईए लगातार अलकायदा सरगना लादेन को खोजने में जुट गई। 2005 में अमेरिका को लादेन के डाकिए की जानकारी मिली। इसका नाम था- अबू अहमद अल-कुवैती। सीआईए ने इसका पीछा करना शुरू किया।

जुलाई 2010 में अमेरिका की सुरक्षा एजेंसी ने लादेन के डाकिए के सैटेलाइट फोन की लोकेशन को ट्रैक कर लिया। इससे पता चला कि लादेन पाकिस्तान के एबटाबाद इलाके में रहता है। डाकिए के जरिए लादेन के घर का भी पता चल गया।

पन्नू को क्यों बचा रहा अमेरिका?

विदेश मामलों के जानकार राजन कुमार के मुताबिक कनाडा और अमेरिका में कई गैंग ऑपरेट करते हैं। जो आपस में एक-दूसरे के खिलाफ काम करते हैं। ऐसा हो सकता है कि पन्नू पर हमले में भारत का कोई रोल नहीं हो और किसी गैंग के किए अपराध का इल्जाम भारत पर लगा हो।

पन्नू को बचाने के पीछे 2 वजह हो सकती हैं

1) अमेरिका ने खुद दूसरे देशों में ऑपरेशन चलाकर अपने दुश्मनों को मरवाया है। हालांकि, वो भारत से उम्मीद करता है कि एक लोकतांत्रिक देश होने के नाते वो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करे। यही वजह है कि अमेरिका ने पन्नू को बचाने की कोशिश की है और भारत को डिप्लोमेटिक वॉर्निंग दी है।

2) पन्नू के पास कनाडा के अलावा अमेरिका की भी नागरिकता है। ऐसे में सभी देश अपने नागरिकों को सुरक्षा की गारंटी देते हैं। इस वजह से भी पन्नू को बचाने के लिए अमेरिका आगे आया।

आप चाहे एलन मस्क हैं या फिर कोई और

यहूदी विरोध को लेकर भड़के ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक

लंदन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक बार फिर यहूदी विरोध की तीखी आलोचना की है। इस दौरान ऋषि सुनक ने मशहूर उद्योगपति एलन मस्क की भी आलोचना की। हालांकि उन्हें बहुत संभले हुए शब्दों में एलन मस्क पर निशाना साधा। दरअसल एक मीडिया चैनल से बात करते हुए सुनक ने कहा कि मैं बेशक यहूदी विरोध के खिलाफ हूं।

सुनक ने एलन मस्क पर साधा निशाना

बातचीत के दौरान सुनक से जब एलन मस्क के चर्चित ट्वीट को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा 'इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आप एलन मस्क हैं या फिर कोई सड़क पर किसी

को गाली गलौज करने वाला व्यक्ति, यहूदी विरोध हर तरीके से गलत है।' बता दें कि बीते दिनों एलन मस्क अपने एक ट्वीट को लेकर आलोचकों के निशाने पर आ गए थे और उन पर यहूदी विरोधी भावना को भड़काने का आरोप लग रहा है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने पोस्ट लिखकर दावा किया कि यहूदी लोग, गोरों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने लिखा कि 'आपने असली सच बोला है।'

इस ट्वीट के बाद से ही मस्क की आलोचना हो रही है और अमेरिका की सरकार ने भी मस्क की आलोचना की। इसके बाद ही कई बड़ी कंपनियों ने मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया कंपनी एक्स पर अपना मार्केटिंग कैंपेन बंद कर दिया।

संसद में मस्क की आलोचना करने से कर दिया था इनकार

गौरतलब है कि बीते दिनों सुनक ने एक कार्यक्रम में एलन मस्क के साथ मंच भी साझा किया था। इसे लेकर भी सुनक की आलोचना हुई थी।

बीते हफ्ते हाउस ऑफ कॉमन्स में चर्चा के दौरान विपक्षी सांसद ने ऋषि सुनक से सदन में मस्क की आलोचना करने को लेकर सवाल किया था लेकिन सुनक ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था और उल्टे विपक्षी सांसद पर ही देश की अर्थव्यवस्था में तकनीकी कंपनियों की अहमियत को नहीं समझने का आरोप लगा दिया था।

बेसहारा बुजुर्ग महिला पर लटकी निर्वासन की तलवार, समर्थन में आए हजारों लोग

लंदन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक बुजुर्ग सिख महिला पर निर्वासन की तलवार लटकी है। गौरतलब है कि महिला बेसहारा है और ब्रिटेन के गुरुद्वारे में सेवा करके जीवन जी रही हैं। ऐसे में महिला के निर्वासन का बड़ी संख्या में लोग विरोध कर रहे हैं। ब्रिटेन की अदालत में एक सामाजिक संगठन ने याचिका दायर कर महिला का निर्वासन रोकने की अपील की है।

खास बात ये है कि इस याचिका पर 65 हजार लोगों के हस्ताक्षर हैं। याचिका में लिखा गया है कि महिला गुरमीत कौर का ना ब्रिटेन में और ना भारत के पंजाब में कोई परिवार है। वह स्मेथविक इलाके में स्थित गुरुद्वारे में सेवा करती हैं और वहीं रहती हैं। गुरमीर ने ब्रिटेन में ही रहने की अपील की थी लेकिन वह अपील ठुकरा दी गई। याचिका में कहा गया है कि गुरमीत कौर बेहद ही दयालु महिला हैं और वह गुरुद्वारे में सेवा करके अपनी जीवन जीती हैं। यहां तक कि ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान के दौरान भी उन्होंने लोगों की सेवा की थी। याचिका के अनुसार, गुरमीत कौर साल 2009 में एक शादी में शामिल होने अपने परिवार के साथ ब्रिटेन आईं थी और उसके बाद से ही स्मेथविक इलाके में रह रही हैं। उनके पास वापस जाने के लिए भी पैसे नहीं थे। इसलिए वह अपने बेटे के पास ही रह रही थीं। गुरमीत कौर के पति की मौत हो चुकी है और अब उन्हें उनके बच्चों ने भी छोड़ दिया है।

भाजपा ने जनता को भड़काया...

सीएम गहलोत ने बताया राजस्थान में कैसे रिपीट होगी सरकार?

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो चुकी है। इस बार राज्य के लोगों ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव की वोटिंग ने साल 2018 का रिकोर्ड तोड़ दिया है। राजस्थान में चुनाव खत्म होने के बाद सीएम अशोक गहलोत चुनाव प्रचार तेलंगाना रवाना हो गए है। हालांकि, तेलंगाना के लिए निकलने से पहले सीएम अशोक गहलोत ने मीडिया ने बात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा पर जमकर हमला किया। सीएम गहलोत ने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा ने सिर्फ जनता को भड़काने का काम किया है।

राजस्थान में रिपीट होगी सरकार

राज्य में सरकार विरोधी लहर को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में लोगों के वोटिंग प्रतिशत से एक बात तो साबित होती है कि राज्य में सरकार विरोध में किसी तरह की कोई लहर नहीं है। बड़े-बड़े एक्सपर्ट मानना है कि राजस्थान देश का पहला राज्य है जहां चुनाव के अंदर एन्टी इनकंबेंसी बिल्कुल नहीं है और मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई पॉइंट ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी कई राज्यों में गया, कहीं भी ऐसी स्थिति नहीं देखी, जहां मुख्यमंत्री की पापुलैरिटी इतनी ज्यादा एक्स्ट्राऑर्डिनरी रही हो। सीएम ने कहा कि यहीं, वो 2 मजबूत फेक्टर जो हमारे पक्ष में हैं, ऐसे में भला राज्य के फिर से हमारी सरकार क्यों नहीं बनेगी।

भाजपा ने जनता को भड़काया

चुनाव में केंद्रीय मंत्रियों की भाषण को लेकर सीएम गहलोत ने कहा कि भाजपा ने धर्म और सनातन का कैंपेन चलाकर लोगों को भड़काने की कोशिश की थी। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और राजस्थान के नेताओं ने खूब धार्मिक कार्ड खेला, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री तक सभी चुनावी रैली में भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि, लोग उनके भड़काने में नहीं आए और सब कुछ शांति से निपट गया। इसके लिए मैं अपने प्रदेश की जनता का आभारी हूं।

चीन में फैली रहस्यमयी बीमारी को लेकर राजस्थान में अलर्ट

मशीनरी की जांच समेत ऑक्सीजन बेड और दवाइयों का इंतजाम करने के निर्देश

जयपुर

चीन में कोरोना जैसी रहस्यमय बीमारी फैलने की स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार की एडवाइजरी के बाद राज्य सरकार ने भी सभी मेडिकल कॉलेज और जिलों के सीएमएचओ को निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त ऑक्सीजन, दवाइयां और बेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। 28 नवंबर को खुद एसीएस शुभ्रा सिंह ने इसका रिव्यू करने के लिए वीसी बुलाई है।

हेल्थ डिपार्टमेंट के डायरेक्टर की ओर से जारी एडवाइजरी में हॉस्पिटलों में दवाइयां, ऑक्सीजन के अलावा जांच के पर्याप्त इंतजाम करने और उनकी मशीनरी की जांच करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही 29 नवंबर को सभी मेडिकल कॉलेजों और हॉस्पिटल के अधीक्षक, प्रिसिंपल को हॉस्पिटल में मॉक ड्रिल करने के भी निर्देश दिए।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से चीन में बच्चों में एक रहस्यमयी बीमारी फैलने लगी। तेज बुखार के साथ फेफड़े फुला देने वाली इस बीमारी की वजह से हर रोज हजारों बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं।

ये हैं चीन में फैल रही इस बीमारी के लक्षण हैं

खांसी
गले में दर्द या खराश
बुखार
फेफड़े में सूजन
सांस नली में सूजन

दो इंच से ज्यादा बरसातः बाड़मेर में सबसे ज्यादा 60मि.मी पानी बरसा; दिन का तापमान 20 डिग्री से नीचे आया

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण एक इंच से ज्यादा बरसात हुई। सोमवार सुबह जयपुर, उदयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में बादल छाए रहे और बारिश हुई। सबसे ज्यादा बरसात बाड़मेर में 60MM हुई। बारिश, ओलावृष्टि के कारण बाड़मेर में कल दिन का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे रहा, जो इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा।

जयपुर में सुबह चारदीवारी, दिल्ली रोड, आदर्श नगर के एरिया में हल्की बारिश हुई। इससे पहले दिनभर बादल छाने से जयपुर में अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। बादल छाने और बारिश से नमी के कारण रात में तापमान कंट्रोल रहा और सर्दी थोड़ी कम रही।

बाड़मेर में दिन में रात जैसी सर्दी

बाड़मेर में हुई बारिश, ओलावृष्टि के बाद पूरे दिन बादल छाने से दिन का तापमान केवल 3 डिग्री सेल्सियस ऊपर गया। न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस था, जो पूरे दिन में केवल 3 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 17.9 डिग्री सेल्सियस तक ही गया। ये इस सीजन में अब तक किसी भी शहर में इतना कम तापमान नहीं रहा।

बांसवाड़ा में एक इंच से ज्यादा बरसात

राज्य के दक्षिण हिस्से में कल देर शाम अच्छी बारिश हुई। बांसवाड़ा शहर के अलावा केसरपुरा में 30, कुशलगढ़ में 38, जगपुरा-घाटोल में 29-29MM बारिश हुई। इसके अलावा झालावाड़, चित्तौड़गढ़, बारां, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, डूंगरपुर, सिरोही समेत कई जिलों में भी अच्छी बारिश हुई। चित्तौड़गढ़ के कपासन में 25MM यानी एक इंच पानी बरसा।

दिन का तापमान सामान्य से नीचे आया

बारिश और बादल छाने से शहरों में दिन में सर्दी बढ़ गई। सभी शहरों में कल दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। सबसे ज्यादा ठंडा दिन कल बाड़मेर में रहा, जहां अधिकतम तापमान 17.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। उदयपुर में भी कल दिन का तापमान सामान्य से 7 डिग्री, जैसलमेर में सामान्य से

वोट नहीं देने पर बुजुर्ग के हाथ-पैर तोड़े समर्थकों ने किया लाठी-डंडों से हमला

बसपा प्रत्याशी बोले- पार्टी का लेना-देना नहीं

बाड़ी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। वोट नहीं देने पर बुजुर्ग को नेता जी के समर्थकों ने जमकर पीटा। उनके हाथ-पैर तोड़ दिए। आरोप है कि ये बसपा प्रत्याशी के समर्थक थे। घटना से गुस्साई भीड़ ने सड़क जाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मामला धौलपुर के कंचनपुर इलाके का है। उधर, बसपा प्रत्याशी जसवंत सिंह गुर्जर ने कहा- सिकरौंदा गांव में जो झगड़ा हुआ, वह उन लोगों का पुराना मामला है। मेरा या मेरी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। सभी लोग मेरे अपने हैं।

घर के पास ही हमला बोला

कंचनपुर थाना अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया सुबह 10 बजे की घटना है। घायल किसान सुरेश ठाकुर (60) पुत्र होतम सिंह को इलाज के लिए बाड़ी के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल सुरेश के बेटे कलुआ ने बताया- पिता जी सुबह 10 बजे सिकरौंदा गांव से बाड़ी के लिए निकले थे। इस दौरान वे अपने गांव से 100 मीटर दूर मुख्य सड़क पर पहुंचे ही थे कि बीएसपी प्रत्याशी समर्थक बंटी, पंजाब सहित 10 लोगों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने अपने प्रत्याशी को वोट नहीं देने की बात कहकर हमला कर दिया। पिता जी भागकर 150 मीटर दूर गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में पहुंचे। छुट्टी होने की वजह से उसे वहां कोई नहीं मिला। पीछा कर रहे बसपा प्रत्याशी के समर्थकों ने घेर लिया। लाठी-डंडों और सरिए से मारपीट की। इसके बाद घायल हालत में उन्हें वहीं पर छोड़कर फरार हो गए।

गांव वालों ने दी बेटे को सूचना

सुरेश के बेटे कलुआ ने बताया- शोर सुनकर मौके पर पहुंचे गांव वालों ने मुझे घटना की जानकारी दी। इसके बाद मैं मौके पर पहुंचा। घायल पिता को बाड़ी हॉस्पिटल ले गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हम उन्हें लेकर आगरा के लिए रवाना हुए। मारपीट में बुजुर्ग का एक हाथ और एक पैर फ्रैक्चर है। घटना के बाद बाड़ी के विधायक गिर्राज मलिंगा पिता का हाल जानने हॉस्पिटल पहुंचे।

ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

घटना की जानकारी गांव में फैलने के बाद लोग गुस्सा गए। सिकरौदा सहित आसपास के गांव के लोगों ने बाड़ी-सैपऊ मार्ग पर गुर्जर कला गांव की मढ़ी के पास विरोध-प्रदर्शन का प्रयास किया। घटना के बाद कंचनपुर और सैपऊ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाया और आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद होगी कार्रवाई

कंचनपुर थाना अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया- मामले की जानकारी मिलते ही उन्होंने मौके पर पहुंचे लोगों को समझाया। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर विरोध-प्रदर्शन किया था। अब स्थिति नियंत्रण में है। किसी प्रकार का कोई विरोध नहीं है। जो घायल हुआ है, उसे अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। घायल के अनुसार जो भी रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। उसके आधार पर कार्रवाई होगी।

बाघ-बाघिन की फाइट : पहले पीछा किया और फिर दहाड़ते हुए करने लगे एक-दूसरे पर हमला

सवाई माधोपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में इन दिनों टाइगर्स की लगातार साइटिंग हो रही है। इसी बीच बाघ और बाघिन के बीच लड़ाई का वीडियो सामने आया है। दोनों की इस लड़ाई को देख साइटिंग में मौजूद टूरिस्ट काफी रोमांचित हुए। बाघ-बाघिन की ये लड़ाई टाइगर रिजर्व के जोन नंबर दस की है, जो 25 नवंबर को हुई थी। बताया जा रहा है कि ये टेरिटोरियल फाइट थी।

दरअसल, इस बार लॉन्ग वीकेंड के चलते काफी संख्या में टूरिस्ट सवाई माधोपुर के रणथम्भौर पहुंचे हैं। शनिवार को भी जोन नंबर 10 में सुबह के समय करीब 15 से 20 पर्यटक साइटिंग पर थे। इस दौरान बाघ 108 और बाघिन ऐश्वर्या की ये फाइट देखने को मिली।

जैसे ही बाघ 108 ने बाघिन ऐश्वर्या को अपनी टेरिटरी में देखा तो वह उसके पीछे दौड़ा और इसके बाद दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। इस दौरान दोनों ने दहाड़ते हुए एक-दूसरे को पंजा मारना शुरू कर दिया। करीब डेढ़ मिनट तक चली इस जंग का वहां मौजूद लोगों ने वीडियो बना लिया और शेयर किया। इसी दिन शाम की साइटिंग में बाघ को शिकार करते देख वहां मौजूद टूरिस्ट रोमांचित हो गए। बाघ टी-108 जय को एक भैंस का शिकार करते देख पर्यटक खासे रोमांचित दिखाई दिए। बाघ जय ने महज तीन मिनट में ही अपने से ज्यादा वजनी एक भैंस को अपना शिकार बना लिया। इस दौरान भैंस ने अपनी जान बचाने की कई नाकाम कोशिश भी की। इसी तरह जोन नम्बर दो में रविवार शाम की पारी में बाघिन नूरी टी-105 की फिमेल शावक और बाघ टी-60 के बीच भी टेरिटोरियल फाइट देखने को मिली। हालांकि फाइट निर्धारित रूट से ज्यादा दूर होने के कारण इस फाइट का वीडियो नहीं बना सके।

रणथम्भौर में अक्टूबर से टूरिज्म सीजन शुरू हो जाता है और यह सीजन दिसम्बर में अपने पीक पर होता है। हर साल की तरह इस बार भी रणथम्भौर में टूरिज्म अपने परवान पर पहुंच चुका है। यहां रोजाना करीब तीन हजार पर्यटक रणथम्भौर में टाइगर सफारी का लुत्फ उठा रहे हैं। इस दौरान यहां हो रही अच्छी टाइगर साइटिंग पर्यटकों की खुशी में चार चांद लगा रही है। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व देश के बेहतरीन टाइगर रिजर्व में शुमार है। राजस्थान में सर्वाधिक बाघ, बाघिन और शावक है। राजस्थान के सभी टाइगर रिजर्व में यहीं के बाघ-बाघिन है। फिलहाल रणथम्भौर में करीब 80 के आस पास बाघ, बाघिन और शावक है।

मौत से पहले स्टेटस लगाया था- दफनाने तो आओगे न

चार दोस्तों की दो बाइकें सड़क पर भिड़ीं; स्टेटस वाले की मौत

झुंझुनूं, 27 नवंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं में रविवार रात चार दोस्तों की दो बाइकें आपस में भिड़ गईं। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, दूसरे को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। बाकी दो दोस्तों का झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार चारों दोस्त मो. शोएब (20), आसिफ, जहीर खान (38) और जावेद (20) रविवार रात दो बाइकों पर किसी काम से चूरू बाइपास रोड गए थे। रात 9 बजे लौटते वक्त एक बाइक के टायर के नीचे पत्थर आने से संतुलन बिगड़ गया और बाइक साथ चल रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दोनों बाइकों का संतुलन बिगड़ा और बाइक सवार चारों युवक सड़क पर गिर पड़े।

एक गंभीर घायल जयपुर रेफर

इस हादसे में वार्ड 41 मुगलान मोहल्ले में रहने वाले मोहम्मद शोएब पुत्र मुबारक की गंभीर चोट लगने के कारण मौत हो गई। झुंझुनूं जिला हॉस्पिटल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शोएब का साथी आसिफ पुत्र सरवर रंगरेज को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है।

दूसरी बाइक पर सवार फुटला बाजार निवासी जहीर खान पुत्र मोहम्मद मुंशी और दरभंगा बिहार निवासी मोहम्मद जावेद पुत्र अब्दुल हमीद का बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सदर कोतवाल राम मनोहर ठोलिया ने बताया- हादसे की सूचना मिली थी। एक युवक की मौत हो गई थी। बाकी तीन का इलाज चल रहा है। मृतक का शव को बीडीके अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

शोएब ने दो दिन पहले लगाया था स्टेटस

मृतक मोहम्मद शोएब ने हादसे से दो दिन पहले अपने इस्टाग्राम पर स्टेट्स लगाया था। वीडियो में डायलॉग था- चुपचाप स्टेटट देखने वालों, दफनाने तो आओगे न। युवक की मौत के बाद उसके इस स्टेटस को देख परिवार, रिश्तेदार और दोस्त अपने आंसू नहीं रोक पा रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 2 की मौत

1 घायल, पुलिस ने किया मामला दर्ज

जैसलमेर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पोकरण क्षेत्र के ऊजला गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के अनुसार गुजरात के मेहसाणा जिला अंतर्गत नागलपुर से पैदल जातरुओं का जत्था बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन के लिए आ रहा था।

इस दौरान ऊजला गांव के पास माड़वा की तरफ से एक अज्ञात वाहन आया और पैदल चल रहे 2 जातरुओं को टक्कर मार दी। जिससे नागलपुर निवासी दिनेशभाई (40) पुत्र बैलजीभाई व भीखी बहन (60) पत्नी कृष्णभाई को गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और

शवों को अपने कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जिनका सोमवार को सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा।

एक व्यक्ति को मारी टक्कर

बता दें कि हादसे के बाद वाहन मौके से भाग गया। इसी वाहन ने आगे ऊजला गांव में राह चल रहे बख्ताराम (35) पुत्र बुधराम मेघवाल को टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। जिसे पोकरण के राजकीय अस्पताल लाकर भर्ती करवाया गया। यहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश के लिए क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई।

बाइक समेत गड्ढे में गिरे 2 दोस्त, एक की मौत

7 महीने पहले हुई थी शादी; गांव में घूमकर कहा था- वोट जरूर डालना

पाली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाली में खारड़ी गांव के पास सड़क निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में बाइक समेत दो युवक गिर गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद दोनों को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टर ने 24 साल के युवक प्रताप को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने बताया- मारवाड़ जंक्शन के पास खारड़ी गांव निवासी प्रताप देवासी पुत्र पेमाराम देवासी अपने दोस्त प्रकाश (32) पुत्र रामलाल चौधरी के साथ बाइक लेकर खाना खाने गया था। दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इस दौरान खारड़ी गांव के पास सड़क निर्माण को लेकर खोदे गए गड्ढे में बाइक गिर गई। अंधेरे के कारण गड्ढा नजर नहीं आया।

करीब 6 फीट गहरे गड्ढे में गिरने से प्रताप और प्रकाश गंभीर घायल हो गए। इलाज के लिए दोनों को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। डॉक्टर ने प्रताप देवासी को मृत घोषित कर दिया। प्रकाश चौधरी का इलाज बांगड़ हॉस्पिटल में जारी है।

प्रताप देवासी की शादी 1 मई 2023 को हिरावास गांव (सोजत) निवासी रिंकू से हुई थी। प्रताप को रिंकू ने कॉल किया था। तब प्रताप ने कहा था कि वह दोस्त के खाना खाने आया है, कुछ देर में घर आ रहा है। इसके बाद प्रताप की मौत की खबर आई।

परिजन ने बताया- प्रताप ने बीपीएड किया था। वह प्रतियोगिता परीक्षा की तैयार कर रहा था। शनिवार को गांव में लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए उनके घर तक गया था। सभी से वोट करने की अपील की।

मतदान के बाद जीत-हार पर शुरू हुई चर्चा

चौराहे के 'चाणक्यों' ने किया चुनावी गुणा भाग

दौसा, जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मतदान के अगले दिन यानी कई प्रत्याशी आराम के मूड में नजर आए। दौसा जिले सहित राजस्थान में विधानसभा चुनाव शनिवार को संपन्न हुए हैं, जिनका परिणाम 3 दिसंबर को जारी किया जाएगा। लेकिन उसके पहले ही महवा विधानसभा सहित तमाम विधानसभाओं में चुनावी गुणा भाग लगना शुरू हो चुके हैं।

दौसा जिले के हर क्षेत्र के हर गली, नुक्कड़ और चाय की थड़ियों पर अपने आप को राजनीति के चाणक्य मानने वाले लोग आमजन के साथ अपनी अपनी ओर से प्रत्याशियों के हार जीत के आंकड़े बिठाने में चाय की चुस्कियां के साथ व्यस्त रहे। इधर, छुट्टी का दिन होने के कारण सरकारी कर्मचारी शांतिपूर्ण मतदान के साथ मतपेटिया जमा होने के बाद अपने आप को आराम की मुद्रा में देखने को मिले। गौरतलब है कि बीते दिन शनिवार को ही महुवा विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं और सुबह से ही चाय की थड़ी, गली मुहल्ले और नुक्कड़ों पर चुनावी चर्चाओं ने नए नए रंग लेना शुरू कर

क्या मोदी के इस भरोसे से बदल जाएगी बाजी?

तेलंगाना की लड़ाई में 18, 12, और 13 वाला दांव

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 30 नवंबर को चुनाव होने हैं। लेकिन इन चुनावों से पहले सियासी दशा और दिशा को बदलने वाले समीकरणों को साधने की सभी राजनीतिक चालें चली जा रही हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि तेलंगाना में दलित, आदिवासी के साथ-साथ मुसलमानों के वोट से सत्ता का रास्ता तय किया जाता है। बीते दो चुनावों में तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर के हिस्से इन तीनों प्रमुख समुदाय के मिले वोट से सत्ता की गद्दी हासिल हुई थी। यही वजह है कि कांग्रेस ने दलित, आदिवासी और मुसलमानों पर एक साथ सियासी दांव आजमाने शुरू किए हैं। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी ने दलितों और आदिवासियों के सहारे राज्य में सत्ता पाने की अपनी जुगत लगाई है।

तेलंगाना की सियासत में दलित आदिवासी और मुस्लिम समुदाय का प्रमुख योगदान होता है। इन तीनों समुदायों के 43 फ़ीसदी वोट तय करते हैं कि तेलंगाना में सरकार किसकी बनेगी। आंकड़ों के मुताबिक तेलंगाना में 18 फ़ीसदी दलित और 12 फीसदी आदिवासी समुदाय के साथ-साथ 13 फीसदी मुस्लिम मतदाता शामिल हैं। बीते दो चुनाव में तो इन तीनों प्रमुख समुदायों पर केसीआर का ही बड़ा हक बना था। नतीजतन वह 2014 और 2018 में तेलंगाना की सत्ता में काबिज हुए। इस बार फिर सभी राजनीतिक दल इन्हीं सियासी समीकरणों के माध्यम से जातीयता के आधार पर तेलंगाना में सत्ता पाने का रास्ता तैयार कर रहे हैं।

सियासी जानकारों का कहना है कि 2014 के विधानसभा चुनावों में 19 आरक्षित सीटों में केसीआर की पार्टी बीआरएस को 16 सीटें हासिल हुई थीं। इसी तरह 2018 के चुनाव में भी आरक्षित सीटों में केसीआर की पार्टी की हिस्सेदारी तकरीबन बराबर ही रही थी। 2014 और 2018 के चुनाव में केसीआर ने 18 फ़ीसदी दलित, 12 फ़ीसदी आदिवासी और 13 फ़ीसदी मुसलमानों के वोट बैंक से 2014 की बनी सरकार की नीतियों के चलते वोट बैंक में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की। अब दो चुनावों के बाद कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी को तेलंगाना में सत्ता पाने का वह नुस्खा पता चल गया है, जिसके आधार पर केसीआर राज्य में सत्ता पाते आए हैं। यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी दलित और आदिवासियों की योजनाओं को आगे कर और कांग्रेस दलित, आदिवासी और मुसलमान की योजनाओं के सहारे तेलंगाना की सियासत में बड़ा दांव लगा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना में माडिगा समुदाय को जिस तरीके से सरकार बनने पर उनके हित और हिस्सेदारी की बात की है, वह दलित समुदायों के लिहाज से एक बड़ा दांव माना जा रहा है। तेलंगाना की 119 सीटों में से तकरीबन 28 सीटें ऐसी हैं जो माडिगा समुदाय के प्रभाव में आती हैं। प्रधानमंत्री के आश्वासन के बाद सिर्फ माडिगा समुदाय ही नहीं, बल्कि माला समुदाय को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सियासी तौर पर साधा है। आरक्षण की लड़ाई लड़ने वाले मडिगा और माला समुदाय के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना में दलितों की सियासत को आगे कर रही है। तेलंगाना के तकरीबन 6 जिलों में तो 24 फीसदी आबादी दलितों की है। जिसमें नागरकोइल्, जनगांव भूपालपल्ली और मंचिर्याल जैसे जिले प्रमुखता से शामिल हैं। इसलिए सभी सियासी दल तेलंगाना में दलितों को अपने साथ जोड़ने के लिए इन जिलों में मजबूती से सियासी दांव पेंच आजमाते हैं।

भाजपा जहां दलितों और आदिवासियों को लुभाने के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं को आगे कर रही है, वहीं केसीआर अपनी बीती दो सरकारों की योजनाओं के माध्यम से दलितों आदिवासियों और मुसलमानों को उनसे जोड़कर तीसरी बार सत्ता पाने की राह बना रहे हैं। कांग्रेस भी अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रमुख दलित नेता मल्लिकार्जुन खरगे को आगे कर दलितों की सियासत में मजबूती से खुद को आगे रखने की बात कर रही है।

तकरीबन साढ़े तीन करोड़ आबादी वाले तेलंगाना राज्य में 13 फीसदी आबादी मुस्लिम है। 119 विधानसभा सीटों में एक तिहाई से ज्यादा सीटें मुस्लिम प्रभावित हैं। यानी तेलंगाना की करीब 46 सीटों पर मुस्लिम मतदाता हार जीत का फैसला करते हैं।

अगर राज्य की सभी सीटों का आकलन करें, तो हैदराबाद की 10 सीटों पर औसतन 40 फ़ीसदी मुसलमान प्रभावी रूप से न सिर्फ मतदाता हैं, बल्कि हार-जीत उसके वोट पर ही निर्भर करती है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के अलावा 20 सीटें ऐसी हैं, जहां पर औसतन 20 फीसदी मुसलमान निर्णायक मतदाता के तौर पर पहचाना जाता है। जबकि राज्य की 16 सीटों पर औसतन 14 फ़ीसदी मतदाता मुसलमान हैं और यही हार जीत का फैसला भी करते हैं।

यही वजह है कि कांग्रेस और बीआरएस मुस्लिम समुदाय को अपने साथ जोड़ने के लिए सियासी योजनाओं को आगे रख रही है।

'दीया सबको जोड़ता है' : उत्तरकाशी सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के लिए प्रार्थना की अपील

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में कोटी दीपोत्सवम में भाग लिया। उन्होंने कहा, आज कार्तिक पूर्णिमा और कार्तिक सोमवार है। उन्होंने कहा, इस पवित्र अवसर पर आपके सामने आना और कोटी दीपोत्सवम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। कोटी दीपोत्सवम से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर हैदराबाद के ही अमीरपेट में गुरुद्वारे का दौरा भी किया।

कोटी दीपोत्सवम में पीएम मोदी ने कहा, वह काशी से सांसद हैं। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी की भव्य देव दीपावली का बखान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज भगवान शिव की काशी में देव दीपावली मनाई जा रही है। इस बार मैं वहां नहीं जा सका लेकिन जो कमी मुझे महसूस हुई, वह आज यहां पूरी हो रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प, तेज विकास और विरासत, दोनों को मिलाकर ही सशक्त होंगे।

पीएम मोदी ने दीपोत्सवम की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा, दीया सबको जोड़ता है, सबको रास्ता दिखाता है। इसलिए जब 100 वर्ष का सबसे बड़ा संकट आया, तो हम भारतीयों ने मिलकर दीप जलाया। उन्होंने कहा, हमने वो दीप जलाया और आज भारत विजयी होकर, विकास की नई गाथा लिख रहा है। बता दें कि कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री ने देशभर की जनता से दीया जलाने का आह्वान किया था।

भारत की संस्कृति का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, किसी पर्व पर जब हम कुछ भी स्वदेशी खरीदते हैं, तो हम न जाने कितने परिवारों के घर में समृद्धि का दीप जलाने का काम करते हैं। बीते दो हफ्ते से अधिक समय से उत्तराखंड की सुरंग में फंसे मजदूरों पर भी प्रधानमंत्री ने बयान दिया। उन्होंने कहा, आज जब हम देवी-देवताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, मानवता के कल्याण की बात कर रहे हैं, तो हमें अपनी प्रार्थना में उन श्रमिक भाईयों को भी स्थान देना है, जो बीते करीब दो सप्ताह से उत्तराखंड की एक टनल में फंसे हुए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 5.0 का उद्घाटन हुआ

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोषण केंद्र (न्यूट्रीहब), भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के द्वारा 27-28 नवंबर, 2023 के दौरान आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 5.0 का आज एचआईसीसी, हैदराबाद में उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर श्री ताकायुकी हैगीवार, भारत में खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के प्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में एवं डॉ. सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), भाकृअनुप अध्यक्ष के रूप में तथा डॉ. डी के यादव, सहायक महानिदेशक (बीज), भाकृअनुप, डॉ. विक्टॉर, इक्रिसेट, सुश्री एलिसाबेथ फैउरे, कॉन्ट्री निदेशक, विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) भारत सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र की शुरुआत डॉ. बी दयाकर राव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, न्यूट्रीहब, भाश्रीअनुसं के द्वारा स्वागत संबोधन से हुई। तत्पश्चात डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 5.0 के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य श्री अन्न को मुख्यधारा में शामिल करना है। डॉ. डी के यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मिलेट का श्री अन्न के रूप में नाम परिवर्तन के पश्चात ज्यादा लोगों का ध्यान आकृष्ट हुआ है और पूरे विश्व में श्री अन्न पर विशालतम अनुसंधान केंद्र के रूप में भारत उभरा है। डॉ. विक्टॉर ने कहा कि हमें हमारे भूले-बिसरे महत्वपूर्ण एशियन अनाजों का पूरी तन्मयता के साथ प्रचार-प्रसार करना है। सुश्री एलिसाबेथ ने बताया कि पूरा विश्व पोषण संकट से गुजरा रहा है तथा जलवायु परिवर्तन एक ज्वलंत समस्या बनकर हमारे समक्ष खड़ा है और इन सबके समाधान का एक ही विकल्प-श्री अन्न हैं। तत्पश्चात डॉ. बी दयाकर राव ने न्यूट्रीहब की यात्रा एवं विविध क्षेत्रों में उसके प्रभाव के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि इससे कितने नवोद्यमी, उद्योगपति आदि लाभान्वित हुए और किस तरह से यह किसानों को ज्यादा आय प्रदान करने में सक्षम रहा है। डॉ. सुरेश कुमार चौधरी ने श्री अन्न का ऐतिहासिक महत्व बताते हुए कहा कि महाभारत काल में भी श्री कृष्ण कहते हैं कि "श्री अन्न के एक दाना, देता मुझे आनंद मनमाना'। इससे इन अनाजों का महत्व स्वयं ही उद्घाटित हो रहा है। डॉ. ताकायूकी ने उक्त आयोजन हेतु भाश्रीअनुसं को बधाई दी और कहा कि पूरे विश्व में भारत श्री अन्न का नेतृत्व कर रहा है और केवल ये ही फसलें है जो जलवायु परिवर्तन में हमारा साथ दे सकती है। सतगुरु मधुसूदन साईं ने भी श्री अन्न के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन समारोह के दौरान प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

भाई-बहन के अमर प्रेम का पर्व सामा-चकेबा आयोजित

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मिथिला सांस्कृतिक परिषद की महिला शाखा द्वारा मिथिला क्षेत्र में भाई-बहन के अमर प्रेम का प्रतीक पर्व सामा-चकेबा का भव्य आयोजन किया गया। कार्तिक शुक्ल पंचमी से पूर्णिमा तक आयोजित होनेवाले इस पर्व में माना जाता है कि इस अवधि में कृष्ण पुत्री श्यामा अपने भाई-साम्ब के घर आती हैं और उसके दीर्घायु एवं कुशलता की कामना करती हैं। मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा इस वर्ष यह त्योहार हैदरशाकोट स्थित केंद्रीय विहार आवासीय परिसर मे मनाया गया जिसमे शहर के हर क्षेत्र की महिलाओं ने भाग लिया। वरिष्ठ सदस्या श्रीमती सुनीता झा के मार्गदर्शन मे परिषद की उपाध्यक्षा पूनम झा, संयुक्त सचिव सरोज झा, सदस्य अर्चना झा, विभा झा, ममता मिश्र, कंचन झा, नीलम मिश्र, अर्चना मिश्र, शबनम, मधु चंदा झा, अमृता ठाकुर, निवेदिता झा, शिम्पी झा, सावित्री, शीला झा आदि बहनों ने सपरिवार उपस्थित होकर सम्पूर्ण वातावरण को मिथिलामय बनाते हुए समवेत पारम्परिक गीतों के साथ भाइयों को चूड़ा और गुड़ का उपहार जिसे फाँड़ भरना कहा जाता है, दिया। मिथिला क्षेत्रमे बेटी विदाइ के समय गाये जाने वाले समदाओन गीतों ने सबका मन द्रवित कर दिया। विदाई गीतों के बाद सामूहिक गायन के संग सामा-चकेबा का विसर्जन एवं चूड़ा-दही और गुड़ का प्रसाद वितरित किया गया। हैदरशाकोट मे रहने वाले अन्य प्रदेशों की महिलाएं भी पूरी उत्सुकता के साथ कार्यक्रम देखने पहुँची।

'भारत पुनरुत्थान की ओर' विषय पर चिन्तन गोष्ठी आज

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तिष्ठ भारतेय (राष्ट्रवादी विचारधार का संगठन) एवं श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 28 नवंबर को दोपहर 1.45 बजे से श्री श्याम मंदिर, वीरन्नागुट्टा, काचीगुड़ा, हैदराबाद में 'भारत पुनरुत्थान की ओर' विषय पर चिन्तन गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा भाग लेंगे। सभी राष्ट्रवादी विचारधारा के नागरिकों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की गई है।

मंदिर में सामूहिक रूप से हुई श्री सत्यनरायण पूजा

मदनूर , 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल सलबतपुर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सचिव श्रीधर ने बताया कि हर वर्ष की तरह देवदया धर्मदया शाखा के ओर इस वर्ष प्रत्येक सोमवार समय प्रातः11 बजे शास्त्रयुक्त तरीके से सामूहिक 250 श्री सत्यनारायण पूजा का आयोजन किया गया है। कार्तिक मास के पावन अवसर पर सत्यनारायण व्रत में आए सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर कार्यालय कर्मचारी वेणु , कल्पना, पुरोहित अरविंद, शैलेंद्र, विजय देशपांडे महाराज के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

चिंतला रामचंद्र रेड्डी को भाषाई अल्पसंख्यकों का समर्थन : जाजू

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के भाषाई अल्पसंख्यक चुनाव प्रभारी व वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के नेता सतीश कुमार जाजू ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि चिंतला रामचंद्र रेड्डी एक अत्यंत ही सेवाभावी व हर समय जनता के काम आने वाले लोकप्रिय नेता है। वे 2014 में इसी क्षेत्र से भारी बहुमत से जीतकर भारतीय जनता पार्टी के विधायक बने थे। उन्होंने कई विकास कार्यों को इस क्षेत्र में बीआरएस सरकार से लड़कर पूरा किया था। लेकिन 2019 में आप इसी क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की विधायक नहीं बन पाए, क्योंकि बी आर एस की सरकार ने झूठा प्रचार कर जनता को गुमराह किया व झूठे वादे किए, जो आज तक पूरे नहीं किए गए। इस बात को यहां की जनता अब अच्छी तरह समझ चुकी है। अतः अब बीआरएस की हार निश्चित है। साथ ही इस बार खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र में हिंदी भाषी व आसपास के प्रदेशों के प्रवासियों के पूर्ण समर्थन की आशा से चिंतला रामचंद्र रेड्डी की जीत निश्चित लग रही है।

सीसीएमबी का 36 वां स्थापना दिवस मना

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले ने भाषण दिया। अपने व्याख्यान में, डॉ. गोखले ने भारत में जीवन विज्ञान में एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में विकसित होने के लिए सीसीएमबी को बधाई दी। उन्होंने शोधकर्ताओं को वर्तमान समय, उपलब्ध उपकरणों और अवसरों और उन कमियों के साथ जुड़े रहने की आवश्यकता पर भी जोर दिया जहां शोधकर्ता आज प्रासंगिक बने रहने के लिए बदलाव ला सकते हैं। डॉ. गोखले ने अप्रकाशित अध्ययनों के बारे में भी बताया कि कैसे कोलाइटिस के दौरान आंत और यकृत के बीच अंतर-अंग क्रॉस-टॉक महत्वपूर्ण है, और यकृत की सूजन को नियंत्रित करने से जलन के लक्षण कम हो सकते हैं। इसके अलावा, दिन के कार्यक्रम में सीसीएमबी निदेशक, डॉ. विनय के नंदिकूरी ने पिछले वर्ष में संस्थान के कार्यों और उपलब्धियों का सारांश दिया। सीसीएमबी ने शहर में ऐसी संस्कृति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जहां वैज्ञानिक और कलाकार एक-दूसरे को प्रेरित करते हुए सह-अस्तित्व में रह सकें। आज की दुनिया में जहां हमें अपने सामने आने वाली जटिल समस्याओं के लिए रचनात्मक समाधान की आवश्यकता है, अब समय आ गया है कि हम इस पर फिर से विचार करें। गौरतलब है कि सीसीएमबी का उद्घाटन 26 नवंबर, 1987 को हुआ था।

मिधानि ने मनाया स्वर्ण जयंती उत्सव

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के तहत भारत सरकार का उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड ने आज अपनी स्थापना की 50 वीं वर्षगांठ गर्व से मनाई, जो भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डॉ. संजय कुमार झा, सीएमडी, मिधानि, श्री एन. गौरी शंकर राव, डी(एफ), श्री टी. मुथुकुमार, डी (पी एंड एम) और डॉ. उपेन्द्र वेन्नम, सीवीओ, द्वारा मिधानी के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर मिधानि के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. आरवी ताम्हणकर की प्रतिमा का अनावरण तथा वाइड प्लेट के लिए नई पिक्लिंग सुविधा का उद्घाटन करके इस मिधानि के ऐतिहासिक दिन को अविस्मरणीय बना दिया। इस संदर्भ में, मिधानि के सीएमडी डॉ. संजय कुमार झा, ने कर्मचारियों की सभा को संबोधित करते हुए कहा है कि मिधानि ने मिश्र धातु के क्षेत्र में एक शानदार इतिहास रचा है। यह प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के अमूल्य योगदान के कारण अस्तित्व में आया है। संस्थापक निदेशक डॉ. आर.वी. तम्हणकर प्रसिद्ध धातुविज्ञानी और रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) के ने भारत सरकार के सामने एक दूरदर्शी प्रस्ताव पेश किया।

दीपावली मिलन एवं अन्नकूट कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)।अग्रवाल समाज तेलंगाना ज्ञानबाग़ कॉलोनी शाखा द्वारा आयोजित दीपावली मिलन एवं अन्नकूट कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिसमें शाखा के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, भूतपूर्व केंद्रीय समिति सदस्य दीनबंधु अग्रवाल, केंद्रीय शाखा सदस्य राधेश्याम अग्रवाल,अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिव शंकर गोयल, मानद मंत्री राकेश अग्रवाल, सह मंत्री निखिल चौधरी, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्ष प्रीति गोयल, उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, मंत्री सौम्या चौधरी, सह मंत्री रजनी गोयल, कोषाध्यक्ष रजनी अग्रवाल, केंद्रीय सदस्य वर्षा अग्रवाल, कार्यकारी सदस्य कीर्ति अग्रवाल, आदि दोनों शाखा के सदस्य उपस्थित थे। शाखा के मंत्री राकेश अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद दिया और सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगे के भी शाखा द्वारा जो भी कार्यक्रम आयोजित होंगे उन्हें इसी तरह प्रेम पूर्वक सफल बनाएं।

दो ऑटो की टक्कर में पांच घायल

निर्मल, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के भैंसा मंडल के देगाम गांव में दो ऑटो के टक्कर होने से पांच लोग घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब तानूर मंडल के जौला (बी) गांव के कई लोग अंतिम संस्कार के लिए भैंसा मंडल सूंकली गांव जा रहे थे। देगाम की ओर से यात्री ऑटो, और भैंसा की ओर से दूध ऑटो की आपस में देगांव पर टक्कर हो गई, जिसमें पांच घायल हो गए। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी को भैंसा क्षेत्रीय अस्पताल में स्थानांतरण किया गया और एक को निजामाबाद रेफर किया गया।

पीएम के कार्यक्रम के दौरान लगा जाम

हैदराबाद, 27 नवबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीआर स्टेडियम में आयोजित दीपदान कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाग लेने के कारण घंटो लोग जाम में फंसे रहे। एयरपोर्ट, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेडियम में भाग लेने वालों के वाहन की संख्या अधिक हो गई। सड़क पर वाहनों का लंबा ताता लगा रहा। डीबीआर मिल से स्टेडियम और स्टील पुल से टैंक बंड तक गाड़ियों की लंबी कतार लगी रही। आवश्यक कार्य से निकले लोग इस जाम में फंसे रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मुंबई में शामिल हुए हार्दिक पंड्या

जीटी और एमआई के बीच डील, एमएस धोनी सीएसके की कप्तानी करेंगे

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग-2024 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते नजर आएंगे, जबकि पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस सीजन में भी चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करेंगे।

आईपीएल फ्रेंचाइजी कंपनियों ने अगले सीजन के लिए अपने रिटेन और रिलीज्ड खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है। रिटेन और रिलीज विंडो की आखिरी डेट थी। आरसीबी ने जोश हेजलवुड और वानिंदु हसरंगा, सीएसके ने अंबाती रायडू, केकेआर ने शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और लॉकी फर्ग्यूसन और एमआई ने जोफ्रा आर्चर को रिलीज किया है।

लीग की 10 फ्रेंचाइजी में कुल 173 खिलाड़ी रिटेन किए हैं, जबकि 89 प्लेयर्स रिलीज किए। कोलकाता नाइट राइडर्स ने सबसे ज्यादा 12 खिलाड़ी और पंजाब किंग्स ने सबसे कम 5 खिलाड़ियों को रिलीज किया।

इन सभी को 19 दिसंबर को होने जा रहे ऑक्शन में उतरना पड़ेगा। इंग्लिश क्रिकेटर बेन स्टोक्स और जो रूट पहले ही खेलने से मना कर चुके हैं। वे इस सीजन किसी भी टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

सूत्रों का दावा- 2-3 दिन में ऐलान, दोनों फ्रेंचाइजी में डील साइन

गुजरात फ्रेंचाइजी के टॉप मैनेजमेंट से जुड़े एक सूत्र ने भास्कर को बताया कि दो-तीन दिन में पंड्या को लेकर ऐलान हो सकता है।

वहीं, क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने लिखा है कि हार्दिक

पंड्या को लेकर मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच डील साइन हो चुकी है। यह ऑल कैश डील है, यानी कि इसमें कोई खिलाड़ी इनवॉल्व नहीं होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक इस डील पर मुहर नहीं लगाई है।

फ्रैंचाइजीज का पर्स 5 करोड़ बढ़कर 100 करोड़

मिनी ऑक्शन के लिए टीमों का पर्स 5 करोड़ रुपए बढ़ाकर 100 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसका मतलब है कि पिछले साल तक टीमें अपने दल में कुल 95 करोड़ रुपए तक की कीमत के खिलाड़ी रख सकती थीं और अब 100 करोड़ रुपए तक रख सकेंगी। आगामी नीलामी में खिलाड़ी खरीदने की क्षमता रिटेन्शन विंडो से तय होगी।

अगर कोई टीम 10 करोड़ रुपए की कीमत के खिलाड़ी रिलीज करती है, तो वे ऑक्शन में 15 करोड़ (10 करोड़+ 5 करोड़ अतिरिक्त पर्स) के साथ हिस्सा लेगी।

केकेआर टीम में सबसे ज्यादा जगह

प्लेयर्स के रिलीज करने के बाद कुल 10 टीमों में कुल 77 स्लॉट खाली हुए हैं। यानी ऑक्शन में प्लेयर्स के पूल में से कुल 77 खिलाड़ी इन टीमों से जुड़ेंगे। कोलकाता में 12 खिलाड़ियों की जगह रिक्त है। जबकि, एसआरएच और एलएसजी में सबसे कम 6-6 स्लॉट खाली हैं।

सीएसके ने रायडू, प्रिटोरियस और जेमिसन को रिलीज किया

डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने बेन स्टोक्स, अंबाती रायडू, डेवोन प्रिटोरियस, काइल जेमिसन और सिसांडा मगाला जैसे खिलाड़ियों को रिलीज किया है।

आरआर ने रूट, होल्डर और मैकॉय को रिलीज किया

राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अगले सीजन के लिए जो रूट, जेसन होल्डर और ओवेड मैकॉय को रिलीज किया है, जबकि कप्तान संजू सैमसन, शिमोरन हेटमायर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी उसकी रीटेन लिस्ट में हैं।

केकेआर ने 12 खिलाड़ी रिलीज किए, 6 विदेश और 6 भारतीय खिलाड़ी

केकेआर ने अपने 12

एम एस धोनी, CSK, रिटेन

खिलाड़ियों को रिलीज किया है, इनमें 6 विदेशी और 6 भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। कोलकाता ने शाकिब अल हसन, लिट्टन दास, डेविस वीसा, लॉकी फर्ग्यूसन, जॉनसन चार्ल्स और टिम साउदी जैसे विदेशी खिलाड़ियों को रिलीज किया है। फ्रेंचाइजी के रिलीज भारतीय खिलाड़ियों में आर्या देसाई, नारायण जगदीशन, मंदीप सिंह, कुलवंत खेजरोलिया, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव शामिल हैं।

पीबीकेस से राजअंगद बाबा और शाहरुख खान बाहर हुए, राजपक्षे भी रिलीज

पंजाब किंग्स ने राजअंगद बाबा और शाहरुख खान को रिलीज किया है। टीम के रिलीज खिलाड़ियों में भानुका राजपक्षे भी हैं। फ्रेंचाइजी ने सिर्फ 5 प्लेयर्स को रिलीज किया है।

एलएसजी से उनादकट और करन शर्मा बाहर

लखनऊ सुपर जायंट्स ने 8 प्लेयर्स रिलीज किए है। इसमें जयदेव उनादकट और करन शर्मा बड़े नाम है। उनादकट का लखनऊ के साथ 2023 सीजन अच्छा नहीं रहा, उन्हें 3 मैच में खेलने का मौका मिला जिसमें उन्हें कोई भी सफलता नहीं मिली।

मुंबई इंडियंस ने 11 प्लेयर्स रिलीज किए, आर्चर भी शामिल

मुंबई इंडियंस ने कुल 11 प्लेयर्स रिलीज किए हैं। इसमें 6 विदेशी प्लेयर शामिल है, जिसमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शामिल है। आर्चर चोट की वजह से पिछले सीजन 1 भी मैच नहीं खेल सके।

दिल्ली से सरफराज खान बाहर

दिल्ली कैपिटल्स ने टीम से कुल 11 प्लेयर्स रिलीज किए हैं। टीम से बड़े नाम जैसे राइली रूसो, सरफराज खान और रोवमैन पॉवेल रिलीज कर दिए गए हैं। सरफराज खान डोमेस्टिक क्रिकेट में टॉप प्लेयर्स में से एक हैं। पिछले सीजन सरफराज को 4 मैच खेलने का मौका मिला जिसमें वे कुल 53 रन ही बना सके।

6 करोड़ के मावी गुजरात से बाहर

गुजरात ने तेज गेंदबाज शिवम मावी को टीम से रिलीज कर दिया है।

2022 सीजन में 6 मैचों में 5 विकेट लेने वाले मावी को आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस ने एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं दिया। पिछले सीजन टीम ने 6 करोड़ रुपए में उन्हें शामिल किया था। दूसरी ओर रिंकू सिंह के खिलाफ 5 बॉल में 5 सिक्स खाने वाले बॉलर यश दयाल को भी टीम ने रिलीज कर दिया है।

एसआरएच ने 13.25 करोड़ के ब्रूक को रिलीज किया

सनराइजर्स हैदराबाद ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर हैरी ब्रूक को रिलीज कर दिया। टीम ने 2023 सीजन में ही हैरी ब्रूक को 13.25 करोड़ रुपए में शामिल किया था। अपने पहले ही सीजन में ब्रूक खास प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने 11 मैच में 21.21 की औसत से सिर्फ 190 रन बनाए थे।

आरसीबी ने हर्षल पटेल को रिलीज किया, 2021 सीजन में 35 विकेट लिए थे

आरसीबी ने तेज गेंदबाज हर्षल पटेल को रिलीज कर दिया है। हर्षल टीम के टॉप बॉलर रहे हैं। हर्षल 2012 से 2017 तक आरसीबी का हिस्सा थे। 2018 से 2020 तक दिल्ली कैपिटल्स में रहने के बाद सीजन 2021 में उन्होंने आरसीबी में वापसी की और 15 मैचों में 32 विकेट लिए।

हर्षल ने इस सीजन के बाद टीम इंडिया के लिए टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू भी किया था। इसके बाद हर्षल का परफॉर्मेंस टीम में लगातार गिरता चला गया।उन्होंने 2022 सीजन में 15 मैचों में 19 विकेट, फिर 2023 में 13 मैचों में 14 विकेट ही लिए।

एशिया की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट चुनीं गई शीतल

एशिया पैरालंपिक समिति ने किया सम्मानित

नई दिल्ली

एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पूरी दुनिया को अपने जज्बे का कायल बनाने वाली बिना बाजुओं की तीरंदाज शीतल देवी को एशिया की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट चुना गया है। एशियाई पैरालंपिक समिति ने रियाद (सउदी अरब) में उन्हें एशिया के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। शीतल ने तिरंगे को लपेटकर कोच अभिलाषा के साथ इस पुरस्कार को ग्रहण किया।

जन्म से नहीं हैं दोनों हाथ

वल्ड आर्चरी (तीरंदाजी की सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय संस्था) के अनुसार बिना बाजुओं के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीरंदाजी करने वाली शीतल दुनिया की पहली महिला तीरंदाज हैं। शीतल पहली बार सुर्खियों में तब आईं जब उन्होंने इस वर्ष विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में पदक जीता, लेकिन दुनिया की नजरों में वह हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतकर छाईं। उनका स्वर्ण पदक पर निशाना साधते हुए वीडियो जमकर वायरल हुआ। जन्म से हाथ नहीं होने के बावजूद शीतल पैर, कंधे और मुंह के सहारे धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाकर निशाना लगाती हैं।

एशियाई तीरंदाजी में दो स्वर्ण समेत जीते कुल 3 पदक

जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र की रहने वाली वाली 16 शीतल को सेना की ओर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड तीरंदाजी अकादमी में लाया गया था। यहां आने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। एशियाई पैरा खेलों के बाद उन्होंने 23 नवंबर को बैंकॉक में समाप्त हुए एशियाई पैरा तीरंदाजी में स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। शीतल का कहना है कि वह यह अवार्ड जीतकर गौरवान्वित महसूस कर रही हैं और इसे देशवासियों को समर्पित करती हैं।

पैर से बोतल को उछालकर जमीन पर खड़ा किया

शीतल का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पानी की बोतल को अपने पैर की अंगुलियों से उठाकर उसे उछाल रही हैं, जो वापस जमीन पर पहले की तरह स्थापित हो जाती है। वहीं, उनकी साथी हाथ से भी बोतल को उछालकर ऐसा नहीं कर पा रही हैं।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स: केंद्रीय खेल मंत्री ने पहले पैरा गेम्स का शुभंकर-लोगो किया लांच, खिलाड़ियों को संदेश

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आगामी खेलो इंडिया पैरा गेम्स खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करेगा जिससे उन्हें सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। पहली बार हो रहे खेलो इंडिया पैरा गेम्स का आयोजन यहां 10 से 17 दिसंबर तक होगा। इन खेलों के शुभंकर उज्ज्वला और लोगो को लांच करते हुए खेल मंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया एक क्रांति बन चुकी है। आप चाहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स को देखो या विंटर गेम्स को इनसे हमें काफी एथलीट मिले हैं। अब हम खेलो इंडिया पैरा गेम्स की शुरुआत कर रहे हैं ताकि पैरा एथलीटों को एक

राष्ट्रीय स्तर का मंच मिल सके। जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और टॉप्स का हिस्सा बन सकें। टूर्नामेंट में 300 एथलीट और सपोर्ट स्टाफ हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि सरकार आम और पैरा एथलीटों में कोई अंतर नहीं करती। आम खिलाड़ियों को जो सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहीं सुविधाएं पैरा एथलीटों को भी मिल रही हैं।

खेल मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि खेलो इंडिया को घर-घर में जाना जाता है।

खेलो इंडिया अब योजना से एक आंदोलन में तब्दील हो चुका है। पिछले कई वर्षों से इसमें पैरा गेम्स की कमी महसूस हो रही है। वर्ष 2018 से अब तक 11 खेलो इंडिया गेम्स हो चुके हैं। इनमें पांच खेलो इंडिया गेम्स, तीन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और तीन खेलो इंडिया विंटर गेम्स शामिल हैं।

हमें इस बात की खुशी है कि इस साल पैरा गेम्स भी इसमें सम्मिलित हो गए।

समारोह में भारत की पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त, , महिला रेसलर सरिता मोर, पूर्व मुक्केबाज अखिल कुमार भी उपस्थित थे। इसके अलावा पैरा एथलीटों में प्रमोद भगत, भाविना पटेल, अवनि लेखड़ा, सुमित अंतिल भी समारोह में शामिल थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी चाइना मास्टर्स के फाइनल में हारी

चौथा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल खेल रही थी वर्ल्ड नंबर-1 लियांग-वांग की चीनी जोड़ी चैंपियन बनी

स्पोर्ट्स डेस्क, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की भारतीय मेंस डबल्स पेयर को चाइना मास्टर्स 750 टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। चीन के शेन्जेन शहर में खेले गए फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी ने हराया।

सात्विक और चिराग की एशियन गेम्स की चैंपियन जोड़ी को एक घंटे 11 मिनट तक चले फाइनल में दुनिया की नंबर-1 जोड़ी से 19-21 21-18 19-21 से मात झेलनी पड़ी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का

चौथा फाइनल खेल रही थी। इस जोड़ी ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 के खिताब जीते हैं।

सेमीफाइनल में जी टिंग और रेन जियांग यू को हराया

भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले में चीन के शेन्जेन शहर में हे जी टिंग और रेन जियांग यू के चीनी जोड़ी को सीधे गेम में 21-15, 22-20 से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

क्यों जरूरी था चाइना मास्टर्स 700

बैडमिंटन में सालभर अलग-अलग देशों में टूर्नामेंट होते हैं, और इन टूर्नामेंट के पॉइंट्स पर्सनल रैंकिंग में एड होते है। चाइना मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का हिस्सा है और यह लेवल 3 का टूर्नामेंट है। इसमें जीतने वाले विनर को 11,000 पॉइंट्स मिलते हैं जो कि रैंकिंग में एड होता है।

डेविस कप फाइनल में इटली ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

47 साल बाद टाइटल जीता; भारत तीन बार रनर-अप रहा है

स्पोर्ट्स डेस्क, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इटली ने टेनिस का वर्ल्ड कप कहे जाने वाला- डेविस कप 2023 का खिताब जीत लिया है। उसने स्पेन के मलागा में खेले गए फाइनल मुकाबले में 28 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया। इटली का 1976 से यह पहला डेविस कप खिताब है।

123 साल पुराने इस टूर्नामेंट में इटली दूसरी बार चैंपियन बनी है। वहीं इटली छह बार उपविजेता भी रही है।

फाइनल में इटली का परफॉर्मेंस

यानिक सिनर ने एलेक्स डि मिनोर को फाइनल के दूसरे सिंगल मुकाबले में 6-3, 6-0 से हराकर इटली की 2-0 से जीत कन्फर्म की। मातियो अर्नाल्डी ने पहले सिंगल मैच में एलेक्सेई पोपिरिन को 7-5, 2-6, 6-4 से हराकर इटली को 1-0 की बढ़त दिलाई थी।

अगले साल फिर अंतिम आठ स्टेज की मेजबानी करेगा मलागा

इससे पहले, शनिवार को सर्बिया के खिलाफ सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी 22 साल केसिनर ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवोक जोकोविच को सिंगल्स और डबल्स दोनों मुकाबलों में हराया था। मलागा को अगले साल एक बार फिर डेविस कप फाइनल्स के अंतिम आठ स्टेज की मेजबानी का मौका मिलेगा।

भारत 3 बार रनर-अप रहा

डेविस कप 1966 में भारत उपविजेता रहा था। 1974 में भी उपविजेता रहे। इसके अलावा भारत 1987 में भी फाइनल तक पहुंचा था। तब हमें स्वीडन के खिलाफ हार मिली थी।

123 साल पहले शुरू हुआ था डेविस कप

इस टूर्नामेंट के इतिहास पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि इसकी शुरुआत ओलिंपिक गेम्स शुरू होने के चार साल बाद, यानी की 1900 में हुई थी। अब तक 16 टीमें चैंपियन बनी हैं। सबसे ज्यादा 32 खिताब अमेरिका ने जीते हैं।

लिवरपूल ने मैनचेस्टर सिटी का विजय अभियान रोका

अंक तालिका में आर्सेनल शीर्ष पर

मैनचेस्टर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हॉलैंड ने केवल 48 मैच में 50 गोल करके प्रीमियर लीग में नया रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन उनका यह प्रयास सिटी को जीत नहीं दिला पाया। आर्सेनल के 13 मैच में 30 अंक हो गए हैं जबकि सिटी के इतने ही मैचों में 29 अंक हैं।

एर्लिंग हॉलैंड के रिकॉर्ड गोल के बावजूद लिवरपूल ने मैनचेस्टर सिटी को 1–1 से बराबरी पर रोककर उसके विजय अभियान पर रोक लगाई, जबकि आर्सेनल ने ब्रैंटफोर्ड को 1-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबाल प्रतियोगिता की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। लिवरपूल के ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नोल्ड और आर्सेनल के काई हैवर्ट के गोल ने सिटी को अंक तालिका में शीर्ष से हटा दिया।

हॉलैंड ने केवल 48 मैच में 50 गोल करके प्रीमियर लीग में नया रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन उनका यह प्रयास सिटी को जीत नहीं दिला पाया। आर्सेनल के 13 मैच में 30 अंक हो गए हैं जबकि सिटी के इतने ही मैचों में 29 अंक हैं। लिवरपूल 13 मैच में 28 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। इस बीच न्यूकासल ने एक अन्य मैच में चेल्सी को 4-1 से करारी शिकस्त दी। यह लगातार दूसरा मैच है जबकि चेल्सी पर चार गोल हुए। इससे पहले उसने इस महीने के शुरू में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ मैच 4-4 से ड्रॉ खेला था।

फ्रांसेस्को कैमार्डा: 15 साल के कैमार्डा सिरी ए में खेलने वाले सबसे युवा फुटबालर बने, विजडम एमी का रिकॉर्ड तोड़ा

मिलान, 27 नवंबर (एजेंसियां)। एसी मिलान के 15 वर्षीय फॉरवर्ड फ्रांसेस्को कैमार्डा इटली की फुटबॉल लीग सेरी ए में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। कैमार्डा शनिवार को जब मिलान की फियोरेंटीना पर 1-0 की जीत के दौरान 83वें मिनट में मैदान पर उतरे तो उनकी उम्र 15 साल, दो महीने और 16 दिन थी। इटली की लीग में इससे पहले सबसे कम उम्र में पदार्पण करने का रिकॉर्ड विजडम एमी के नाम पर था, जो 2021 में बोलोग्ना के लिए पदार्पण करते समय 15 वर्ष, 274 दिन के थे।

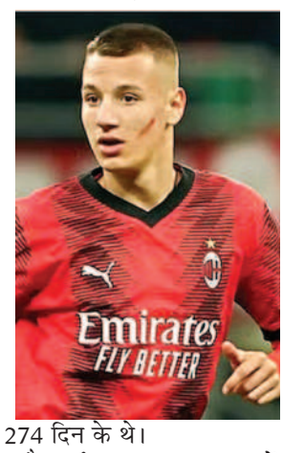

कैमार्डा का जन्म 2008 में हुआ था। उन्हें लुका जोविच की जगह मैदान में उतारा गया था। वह इटालियन फुटबाल के नए गोल्डन बॉय हो सकते हैं। उन्होंने यूथ स्तर पर 13 मैचों में सात गोल किए हैं। वह अकादमी में अपनी अवधि के दौरान फाइव ए साइड, सेवन ए साइड और ऐट ए साइड मैचों में लगभग 400 गोल कर चुके हैं। ब्राजील के पूर्व धुरंधर रोनाल्डो नजारियो उनके आदर्श रहे हैं। कैमार्डा ने साल की शुरुआत में कहा था कि रोनाल्डो के उनके पिता भी बड़े फैन थे और उन्होंने भी उनके काफी वीडियो देखे हैं।

पेरिस पैरालिंपिक: सोनीपत में अभ्यास करना चाहते हैं सुमित, कहा- यूरोप जाने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व रिकॉर्डधारी भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि वह अगले साल वहां होने वाले पैरालंपिक खेलों की तैयारी के लिए विदेश में नहीं बल्कि अपने शहर हरियाणा के सोनीपत में ही अभ्यास करना चाहते हैं। पेरिस के मौसम और माहौल में अनुकूलन के लिए जहां अधिकांश खिलाड़ी यूरोपीय देशों में अभ्यास पर जोर दे रहे हैं, वहीं कई बार विश्व रिकॉर्ड बना चुके सुमित को इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। सुमित ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अभ्यास के लिए यूरोप जाने की जरूरत है। मैं अपने शहर सोनीपत में अभ्यास करना चाहता हूं। पेरिस मेरे लिए अच्छा रहा है।

सीएम केसीआर ने रैतू बंधु को बाधित करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा

शादनगर में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित किया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने किसानों के खातों में रैतू बंधु निधि जमा करने से रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला है। सोमवार को रंगारेड्डी जिले के शादनगर में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के फैसले पर प्रतिक्रिया दी, जिसने रैतू बंधु योजना के तहत धन के वितरण की अनुमति वापस ले ली। केसीआर ने रैतू बंधु योजना के तहत धन के वितरण के खिलाफ ईसीआई में शिकायत दर्ज कराने के लिए कांग्रेस नेताओं की आलोचना की और किसानों से आगामी विधानसभा चुनावों में इसके खिलाफ वोट देकर कांग्रेस को उचित सबक सिखाने की अपील की।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सभी शरारती हथकंडे अपना रहे हैं और अपनी साजिशों के तहत, उन्होंने रैतू बंधु के तहत किसानों के खातों में पैसा जमा करने में बाधा डाली है। "मैं सभी किसानों से पूछ रहा हूं। क्या आप उस कांग्रेस का समर्थन करते हैं जिसने रैतू बंधु को आपके खातों में जाने से रोका है? अगर कांग्रेस गलती से जीत जाती है, तो स्थिति भयानक होगी और राज्य अंधेरे दिनों में वापस चला जाएगा। ताकि, केसीआर ने कहा, "लोगों को उम्मीदवार और उम्मीदवारों के पीछे की पार्टियों को ध्यान से देखते हुए अपने वोट का प्रयोग करना चाहिए।" इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वादा किया कि वह शादनगर में मेट्रो रेल कनेक्टिविटी लाने की जिम्मेदारी लेंगे।

केसीआर ने कहा, "अगर मेट्रो यहां तक आती है, तो आपकी जमीन की कीमतें तीन गुना बढ़ जाएंगी और आने वाले दिनों में क्षेत्र में और अधिक विकास होगा।"

शिक्षक संघों ने सीईओ से मुलाकात की और मतदान के लिए डाक मतपत्र की मांग की

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षक संघों के प्रतिनिधियों ने आज सीईओ विकासराज से मुलाकात की और उनसे चुनाव कर्तव्यों में भाग लेने वाले सभी शिक्षकों को डाक मतपत्र प्रदान करने का अनुरोध किया। सोमवार को विकासराज से मिलने वालों में एसटीयू अध्यक्ष सदानंद गौड़, पीआरटीयू तेलंगाना अध्यक्ष चेन्नैया और अन्य शामिल थे। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव कर्तव्यों में भाग लेने वाले लगभग एक लाख शिक्षकों को वोट डालने के लिए उचित डाक मतपत्र नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि केवल 50 प्रतिशत मतदाताओं को डाक मतपत्र प्राप्त हुए हैं और बाकी मतदाताओं को डाक मतपत्र नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि मेडक और नलगोंडा जिलों में चुनाव ड्यूटी में भाग लेने वाले शिक्षकों को डाक मतपत्र नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग वोट की कीमत समझते हैं, उन्हें वोट देने का मौका नहीं दिया जाता। सीईओ ने आश्वासन दिया कि सभी को 28 नवंबर तक डाक मतपत्र उपलब्ध कराकर मतदान करने का अवसर दिया जाएगा।

अमित शाह ने कहा, कांग्रेस और बीआरएस के बीच तेलंगाना में है डील

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच एक गुप्त समझौता है।

उन्होंने दावा किया कि डील के तहत चंद्रशेखर राव को कांग्रेस एक बार फिर तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनने के लिए समर्थन दे रही है और बदले में बीआरएस राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनने में मदद करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद खाली नहीं है। नरेंद्र मोदी 2024 में फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

शाह पार्टी विधायक इटेला राजेंदर के समर्थन में करीमनगर जिले के हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। भाजपा नेता ने कहा कि जब भी कांग्रेस के विधायक चुने गए, वे बीआरएस में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ बीआरएस सरकार के खिलाफ जनता में गुस्सा है और कोई नहीं चाहता कि केसीआर दोबारा मुख्यमंत्री बनें।

शाह ने कहा, बीआरएस को वीआरएस देने और उनकी कार (बीआरएस चुनाव चिह्न) को गैरेज में भेजने का समय आ गया है। उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पर एक होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इनमें से किसी को भी वोट देना भ्रष्टाचार और परिवारवाद के लिए वोट होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तीनों पार्टियों पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में शामिल होने का भी आरोप लगाया और कहा कि उनके लिए वोट रजाकारों के समर्थकों के लिए वोट होगा। शाह ने दोहराया कि केसीआर 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' का समर्थन नहीं कर रहे हैं। वह एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से डरते हैं।

उन्होंने यह भी वादा किया कि सत्ता में आने पर भाजपा मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म कर देगी। शाह ने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना को सात लाख करोड़ रुपये दिए। अगर राज्य में भाजपा सत्ता में आती है तो यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नंबर एक राज्य बन सकता है।

प्रियंका गांधी : बीआरएस केवल चुनाव प्रबंधन करती है

बीआरएस के नेता ना तो जनता से मिलते हैं, न समस्याएं सुनते

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) केवल चुनाव प्रबंधन करती है और उन्होंने तेलंगाना के लोगों से सत्ताधारी पार्टी को यह दिखाने की अपील की कि वे बिक्री के लिए नहीं हैं।

यदाद्री भोहनगिर जिले के भोहनगिर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने बीआरएस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह अमीर हो गया है जबकि तेलंगाना के गरीब और गरीब हो गए हैं। उन्होंने कहा, चुनाव के समय, वे चुनाव प्रबंधन करते हैं लेकिन लोगों को उन्हें बताना चाहिए कि वे बिक्री के लिए नहीं हैं। कांग्रेस महासचिव ने लोगों से बीआरएस को यह दिखाने का आग्रह किया कि उन्होंने अपने अधिकारों के लिए पहले भी लड़ाई लड़ी थी और वे अब भी लड़ सकते हैं।

उन्होंने दावा किया कि बीजेपी 10 साल में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई और उसने देश की संपत्ति अपने बड़े उद्योगपति दोस्तों को सौंप दी। बीआरएस तेलंगाना की सबसे अमीर पार्टी बन गई। इसके भ्रष्ट नेता अपने महलों में रहते हैं। वे लोगों से नहीं मिलते।

प्रियंका गांधी ने दावा किया कि बीआरएस, बीजेपी और एमआईएम एक साथ हैं। कांग्रेस पार्टी की छह गारंटियों के बारे में बताते हुए उन्होंने लोगों से यह तय करने का आग्रह किया कि क्या वे अगले पांच साल का बीआरएस कुशासन चाहते हैं या कांग्रेस पार्टी का जनता का शासन चाहते हैं।

उन्होंने लोगों से आगाह किया कि अगर बीआरएस सत्ता में वापस आती है, तो भूमि और शराब माफिया का शासन जारी रहेगा, बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिलेंगी, पेपर लीक जारी रहेगा, भ्रष्टाचार बढ़ेगा, राज्य कर्ज में डूब जाएगा और बीआरएस उनकी जमीनें छीनना जारी रखेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 वर्षों के दौरान बीआरएस सरकार ने लोगों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को तेलंगाना राज्य के गठन के समय बहुत उम्मीदें थीं, वे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी और कोविड-19 महामारी ने छोटे व्यवसायों और मध्यम आय वाले परिवारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। भर्ती परीक्षाओं में बैठने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले युवाओं के सपने पेपर लीक के कारण चकनाचूर हो गए। यह कहते हुए कि बीआरएस नेता महलों और फार्महाउसों में बैठकर सरकार चला रहे हैं, उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल अमीर व्यवसायों को लाभ पहुंचाना है।

बीआरएस उम्मीदवार विवेकानन्द ने कूना श्रीशैलम गौड़ की चुनौती नहीं किया सामना

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा उम्मीदवार कुना श्रीशैलम गौड़ ने कल बीआरएस उम्मीदवार केपी विवेकानंद को चुनौती देते हुए कहा, "बीआरएस पार्टी ने 9 वर्षों में कुतबुल्लापुर में क्या किया है? क्या आप चित्तरम्मा मंदिर में चर्चा के लिए तैयार हैं?" कूना श्रीशैलम गौड़ सुबह 10 बजे चित्तारम्मा मंदिर पहुंचे तो बीआरएस उम्मीदवार ने उनकी चुनौती का सामना नहीं किया। कूना श्रीशैलम गौड़ जिन्होंने बीआरएस विधायक केपी विवेकानंद के लिए लगभग एक घंटे तक इंतजार किया। इसके बाद कूना श्रीशैलम गौड़ ने पत्रकार वार्ता में कहा कि कुतबुल्लापुर की जनता की ओर से कल बीआरएस प्रत्याशी विवेकानन्द को चुनौती दी गई थी। लेकिन वे नहीं आए। जनता के मुद्दों पर बात करने पर विधायक जी को इतना गुस्सा क्यों आता है। लाइव डिबेट में मुझ पर हमला करना चाहिए। काम करने वाले लोगों को डरना नहीं चाहिए। नौ साल में क्षेत्र का क्या किया। जनता को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में किए गए वादे पूरे नहीं हुए है। 100 बेड के अस्पताल का क्या हुआ, डबल बेडरूम का घर लोगों नहीं मिला, राशन कार्ड और पेंशन नहीं मिली। निज़ामपेट में ख़राब सड़क के कारण एक बच्चे की मौत आरोप भी विधायक पर लगा।

कर्मचारियों को डाक मतपत्र सुविधा का उपयोग करना चाहिए : जिला निर्वाचन अधिकारी

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर भारती होलिकेरी ने रंगारेड्डी जिले के चुनाव अधिकारी को सलाह दी कि चुनाव कर्तव्यों के लिए नियुक्त कर्मचारियों को डाक मतपत्र सुविधा का उपयोग करना चाहिए। इस हद तक, केंद्रों में सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं जहां प्रशिक्षण कक्षाएं पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं और डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान के अधिकार का प्रयोग करने की सुविधाएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने याद दिलाया कि रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की भी सुविधा प्रदान की गई है। बताया गया कि इस माह की 26 तारीख तक जिले में 10312 लोगों ने डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी ने डाक मतपत्र सुविधा का उपयोग नहीं किया है, तो ऐसे लोगों के लिए इस माह की 29 तारीख को मतदान सामग्री वितरण के लिए अंतिम रूप दिए गए वितरण केंद्र पर डाक मतपत्र का उपयोग करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। सुझाव दिया गया है कि चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

औपनिवेशिक कानून कमजोर वर्गों के लिए अत्यधिक बोझिल : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसिया)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुताबिक औपनिवेशिक कानूनों की विरासत ग्लोबल साउथ के देशों में कमजोर वर्गों के लिए अत्यधिक बोझिल रही है। उन्होंने इन कानूनों को स्थानीय आबादी के लिए बहुत कठोर, दमनकारी और शोषणकारी बताया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि समय आ गया है, जब ग्लोबल साउथ देशों को भारत के उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए और पुराने औपनिवेशिक कानूनों की समीक्षा करने पर विचार करना चाहिए, जो स्थानीय आबादी के खिलाफ पूर्वाग्रह को कायम रखते हैं।

धनखड़ ने ये टिप्पणियां "कमजोर लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करना : ग्लोबल साउथ में चुनौतियां और अवसर" विषय पर पहले क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए की। अपने संबोधन में, उपराष्ट्रपति ने कहा, जैसा कि ग्लोबल साउथ एक उज्जवल भविष्य की ओर अपनी यात्रा शुरू कर रहा है, अपने औपनिवेशिक अतीत की बेड़ियों को छोड़ना और अन्याय और असमानता को कायम रखने वाली ऐतिहासिक गलतियों को उलटने के लिए मिलकर प्रयास करना अनिवार्य है। यह एक सामान्य खतरा है। यह देखते हुए कि भारत पुराने कानूनों की समीक्षा करने की प्रक्रिया में है, धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि यह हमारे दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव लाएगा और उन शोषणकारी प्रावधानों को पूरी तरह से रोकेगा, काबू करेगा और नष्ट कर देगा। उन्होंने सुझाव दिया, ग्लोबल साउथ के देशों के लिए अच्छा होगा कि वे इन क्षेत्रों में भारत द्वारा की गई कार्रवाई का बारीकी से अध्ययन करें और उन्हें उपयुक्त रूप से अनुकूलित करने के बाद अपने देशों में लागू करें। औपनिवेशिक उत्पीड़न और पीड़ा के साझा इतिहास का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि एक राष्ट्र के रूप में हमारा ग्लोबल साउथ के देशों के साथ सांस्कृतिक और विभिन्न प्रकार का गहरा भावनात्मक जुड़ाव है।

श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

निर्मल, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भैंसा शहर भट्टीगली निवासी गदापाले रामदास (36) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस और परिवार के अनुसार, रामदास इलाके में मजदूरी करता था। करीब दो साल पहले पत्नी और बच्चें उसे छोड़कर चले गए थे। इस कारण वह घर पर अकेला रहता और वह शराब का आदी हो गया। जब घर पर कोई नहीं था तो उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने पहुंचकर शव की जांच की और पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ले गई। एसएसआई अमोस ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मृतक के एक पुत्र व एक पुत्री है।

मेरे शब्द ही मेरा घोषणा पत्र : टोकला श्रीनिवास

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेन्द्र नगर भाजपा प्रत्याशी टोकला श्रीनिवास गौड़ की रैली में भारी संख्या में लोगों ने भागीदारी की। रैली में करीब सात किलोमीटर तक लोगों की लाइन लगी रही। महिलाओं ने कदम-कदम पर मंगल-आरती की और स्वागत किया। राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार टोकला श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि अगर वह अपना शब्द देते हैं तो पीछे नहीं हटेंगे, उनका शब्द ही उनका घोषणापत्र है। विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत सोमवार को शमशाबाद मंडल के गोलापल्ली और थोंडुपल्ली गांवों में बीजेपी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर रोड शो का आयोजन किया गया। करीब 2 घंटे तक चली रैली में बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता, प्रशंसक और स्थानीय लोग जुटे. एमएमआरपीएस और जनसेना के कार्यकर्ता भी आ गए और रैली को और गति मिल गई। गोलापल्ली ग्रामंता टा रोड शो आयोजित करने के बाद बस स्टैंड केंद्र में एक कोने की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर स्थानीय भाजपा नेताओं ने बीआरएस सरकार द्वारा किये गये वादों के क्रियान्वयन को उदाहरण के तौर पर लोगों को बताया। एक भी वादा पूरा नहीं करने वाली केसीआर सरकार ने बीजेपी उम्मीदवार टोकला श्रीनिवास रेड्डी को भारी बहुमत से जिताने का आह्वान किया। बोलने के बाद टोकला और प्रकाश गौड़ की कड़ी आलोचना की गई। उन्होंने कहा कि गांवों में जमीन कब्जा कर और लोगों के घर तोड़ कर उन्होंने नर्क दिखाया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि जमीन में गरीबों को जमीन देने की बात कहकर धोखा दिया। दुय्याबट्टा ने कहा कि बीआरएस पार्टी का लोगों के आदर्श बिरप्पा उत्सव का आयोजन नहीं करने और बिरप्पा मंदिर को तोड़ने का बुरा इतिहास रहा है। गोलापल्ली बैठक के बाद, भगवा दल एक विशाल रैली में थोंडुपल्ली आए। इस रैली में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक महिलाएं शामिल हुईं। शमशाबाद में बीजेपी के रोड शो में कला और संस्कृति का जलवा दिखा। रैली में भगवा पगड़ी पहने और भगवा झंडा लगाए बच्चे भी उत्साह से शामिल हुए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.